राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 रोहित शर्मा और हार्दिक के बीच पड़ी दरार...

गुप्त धन भुगतान मामले में पूर्व राष्ट्रपति की बढ़ीं मुश्किलें, पूर्व वकील ... 12

वर्ष : 15 | अंक : 34 | नई दिल्ली, बुधवार, 15 मई, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 31°C

न्यूनतम तापमान 25.0°C

हां 30%
नहीं 50%
कह नहीं सकते 10%

बाजार

सोना 59,340

चांदी 55,350

सेंसेक्स 63,327

निफ्टी 18,816

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री अस्वस्थ हुए, सारे कार्यक्रम रद्द

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अस्वस्थ हो गए हैं। सीएम हाउस में डॉक्टरों की टीम लगातार उनका देखरेख कर रही है। स्वास्थ्य को देखते हुए मुख्यमंत्री के कार्यालय की ओर से एक चिट्ठी जारी की गई है। इसमें स्पष्ट लिखा गया है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अस्वस्थ हो गए हैं। इसलिए मंगलवार के सारे कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं। बता दें कि सीएम नीतीश कुमार आज भाजपा के दिग्गज नेता व पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी के अंतिम संस्कार में भी शामिल होने वाले थे। सीएम का निर्देश- सुशील मोदी का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ होगा इधर, सीएम नीतीश कुमार के अस्वस्थ होने की खबर आने से पहले मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से एक चिट्ठी जारी की गई थी। इसमें लिखा गया था कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूर्व उपमुख्यमंत्री और पूर्व राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी के निधन पर मर्माहत हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर स्व. सुशील कुमार मोदी का पार्थिव शरीर दिल्ली से पटना विशेष विमान से लाया जायेगा। उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ संपन्न होगा।

जम्मू-कश्मीर में एलओसी के पास से पाकिस्तानी घुसपैठिया गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास एक गांव से एक पाकिस्तानी घुसपैठिये को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को सोमवार को जम्मू के बाहरी इलाके खौर के पल्लनवाला इलाके में नियंत्रण रेखा के पास मिलन डी खुई गांव से गिरफ्तार किया गया, जिसने अपनी पहचान कराची निवासी जहीर खान के रूप में बताई है। अधिकारियों ने कहा कि एक पुलिस दल ने उसे संदिग्ध तरीके से घूमते हुए देखा और उसे स्थानीय पुलिस चौकी ले जाया गया जहां उसने अपनी पहचान बताई और दावा किया कि वह अनजाने में सीमा में घुस आया है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार व्यक्ति के खिलाफ कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि कठुआ जिले में ग्रामीणों द्वारा पांच संदिग्ध आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना देने के बाद मंगलवार सुबह पुलिस, सेना और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने राजबाग इलाके के जुथाना गांव में एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया है।

प्रधानमंत्री काशी कोतवाल काल भैरव के दर पर पहुंचे, आशीर्वाद लेकर किया नामांकन

नरेन्द्र मोदी ने भाजपा प्रत्याशी के रुप में वाराणसी से भरा पर्चा

प्रात : किरण

वाराणसी/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव के लिये मंगलवार को वाराणसी संसदीय क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी के तौर पर तीसरी बार नामांकन दाखिल किया। पुष्य नक्षत्र में उन्होंने मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में पर्चा दाखिला किया। प्रधानमंत्री के नामांकन में चार प्रस्तावक शामिल रहे। इसमें गणेश्वर शास्त्री द्रविड़, बैजनाथ पटेल, लालचंद कुशवाहा व दलित समाज के संजय सोनकर शामिल थे। गणेश्वर शास्त्री ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का मुहूर्त निकाला था, जबकि बैजनाथ पटेल जनसंघ के समय के कार्यकर्ता हैं।

इससे पहले गंगा सप्तमी पर मां गंगा को नमन करने के उपरांत प्रधानमंत्री काशी कोतवाल काल भैरव के दर पर पहुंचे, वहां उनसे अनुमति-आशीर्वाद लेकर नामांकन किया। श्री मोदी ने सोमवार को काशी विश्वनाथ व मंगलवार को काल भैरव बाबा से भाजपा की प्रचंड जीत का आशीर्वाद भी प्राप्त किया। काल-भैरव मंदिर में पूजन व कलेक्ट्रेट में नामांकन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी साथ रहे। प्रधानमंत्री ने मंगलवार सुबह सबसे पहले दशाश्वमेध घाट पर गंगा पूजन किया। काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के सदस्य के वेंकट रमन घनपाठी ने गंगा पूजन कराया। गंगा पूजन कराने वालों में

तीन पुजारी तमिलनाडु व एक-एक पुजारी आंध्र प्रदेश व महाराष्ट्र के रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री स्वामी विवेकानंद क्रूज पर दशाश्वमेध घाट से गंगा विहार करते हुए आदिकेशव घाट तक गए, फिर नमो घाट उतरे। नमो घाट से प्रधानमंत्री सीधे काशी के कोतवाल काल भैरव बाबा के दर्शन-पूजन व आरती करने पहुंचे।

हां उन्होंने बाबा से अनुमति व आशीर्वाद लिया, फिर कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां तीसरी बार काशी से तीसरी बार नामांकन किया। मंदिर गेट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीएम को अंगवस्त्र भेंट किया और आमजन ने पुष्पवर्षा की। पूरा मंदिर व आसपास का क्षेत्र हर-हर महादेव की गूंज से गुंजायमान हो उठा। काल भैरव मंदिर में पूजन के दौरान पीएम के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह भी मौजूद रहे। श्री मोदी के नामांकन कार्यक्रम में कलेक्ट्रेट में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, असम के सीएम हेमंता विश्व सरमा, गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल, छत्तीसगढ़ के विष्णु देव साय, मध्य प्रदेश के मोहन यादव, राजस्थान के भजनलाल शर्मा, महाराष्ट्र के एकनाथ शिंदे, हरियाणा के नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले, हरदीप पुरी, पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, लोजपा प्रमुख चिराग पासवान, जीतन राम मांझी, उपेंद्र कुशवाहा, यूपी में एनडीए के घटक लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी, अपना दल (एस) अनुप्रिया पटेल, निषाद पार्टी के संजय निषाद, सुभासपा के ओमप्रकाश राजभर, पशुपति पारस आदि की मौजूदगी रही।

केंद्रीय गृह मंत्री ने पश्चिम बंगाल में चुनावी रैली को किया संबोधित

पीएम मोदी 270 सीट लेकर प्राप्त कर चुके हैं पूर्ण बहुमत : शाह

प्रात : किरण

कोलकाता/एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के बनगांव में एक जनसभा के दौरान एक बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि चार चरण के मतदान पूरे हो गए हैं। 380 सीटों का चुनाव पूरा हो गया है। बंगाल में 18 सीटों का चुनाव पूरा हो गया है। आज में बता कर जाता हूं कि 380 में से पीएम मोदी 270 सीट लेकर पूर्ण बहुमत प्राप्त कर चुके हैं। आगे की लड़ाई 400 पार करने की है।

उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी झूठ बोल रही हैं कि उअअ के तहत नागरिकता के लिए जो भी अर्जी करेगा, उसे तकलीफ आएगी। मतुआ समाज के लोगों को मैं आश्वस्त करने आया हूं कि किसी को कोई तकलीफ नहीं आएगी। नागरिकता भी मिलेगी और देश में सम्मान के साथ जी भी पाओगे। दुनिया की कोई ताकत मेरे शरणार्थी भाइयों को भारत का नागरिक बनने से रोक नहीं सकती, ये श्री नरेन्द्र मोदी जी का वादा है।

उन्होंने कहा कि यहां पर (बंगाल में) कटमनी, घुसपैठ, बम धमाके और सिंडिकेट राज... ममता दीदी नहीं बंद कर सकती हैं, इसे सिर्फ मोदी जी ही बंद कर सकते हैं। चिटफंड घोटाले वाले, शिक्षक भर्ती घोटाले वाले, नगरपालिका भर्ती घोटाले वाले, राशन घोटाले वाले, गाय और कोयला तस्करी करने वाले व पैसे लेकर सवाल करने वालों को जेल जाने की तैयारी कर लेनी चाहिए। किसी को छोड़ा नहीं जाएगा।

इससे पहले अमित शाह ने सोमवार को आरोप लगाया था कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में रामलला के दर्शन करने नहीं गए क्योंकि उन्हें वोट बैंक खोने के डर है। महाराष्ट्र के धुले जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा था कि राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद-370 को निरस्त करने के फैसले का विरोध किया। उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे से जानना चाहा कि कांग्रेस नेता के इस रुख पर उसकी क्या राय है?

हापुड़ में भीषण सड़क हादसा, छह मरे

प्रात : किरण

हापुड़,एजेंसी। उत्तर प्रदेश में हापुड़ जिले के गढ़ मुक्तेश्वर कोतवाली क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर टोल प्लाजा के समीप सोमवार और मंगलवार की रात बेकाबू कार डिवाइडर को तोड़ते हुए ट्रक की चपेट में आ गई। इस हादसे में कार सवार छह लोगों की मौत हो गई जबकि एक गंभीर रुप से घायल हो गया। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि बीती रात लगभग साढ़े 12 बजे दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग नौ पर टोल प्लाजा से पहले अल्लाबख़्शपुर गांव के निकट दिल्ली से मुरादाबाद की ओर जा रही नीले रंग की एक कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर को तोड़ कर हवा में उछलते हुए विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक से जा टकराई। आमने-सामने की भीषण टक्कर से कार के परखच्चे उड़ गए और कार सवार सभी लोग बुरी तरह कार में फंस कर रह गए। इस दौरान ट्रक चालक व कंडक्टर, ट्रक छोड़कर मौके से भाग गए।

भाजपा नेता हत्याकांड मामले में राजद विधायक रीतलाल यादव बरी

एमपी एमएलए कोर्ट से राजद विधायक को बड़ी राहत

प्रात : किरण

पटना/एजेंसी। भाजपा नेता की हत्या मामले में राजद के बाहुबली विधायक रीतलाल यादव को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। पटना की एमपी-एमएलए कोर्ट ने बीजेपी नेता सत्यनारायण सिन्हा मर्डर केस में रीतलाल यादव को बरी कर दिया है। हत्या के इस मामले में रीतलाल यादव समेत कई लोगों को आरोपी बनाया गया था। पटना हाईकोर्ट के आदेश पर स्पीडी ट्रायल चलाकर मामले की सुनवाई की गई है। दरअसल, 30 अप्रैल, 2003 को दानापुर की पूर्व बीजेपी विधायक आशा देवी के पति सत्यनारायण सिन्हा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। दानापुर थानाक्षेत्र के जमालुद्दीन चक के पास लालू प्रसाद की तेल पिलावन-लाठी घुमावन रैली के दिन सत्यनारायण सिन्हा की हत्या के बाद सियासी गलियारे में हड़कंप मच गया था। तब इस हत्याकांड को लेकर रीतलाल यादव के ऊपर गंभीर आरोप लगे थे। इस मामले में राजद नेता रीतलाल यादव और अन्य के खिलाफ नामजद केस दर्ज कराया गया था। मामला कोर्ट में पहुंचा और लंबी सुनवाई के बाद आखिरकार कोर्ट ने इस हत्याकांड से रीतलाल यादव को बरी कर दिया। दानापुर विधानसभा क्षेत्र से पहली बार रीतलाल यादव वर्ष 2010 में निर्दलीय चुनाव लड़े थे। जिसमें आशा सिन्हा ने उन्हें हरा दिया था। रीतलाल दूसरे नंबर पर आए थे। लालू प्रसाद ने रीतलाल यादव को पार्टी का प्रदेश महासचिव बनाया था। इसके बाद रीतलाल ने जेल से ही दूसरी बार चुनाव लड़ा। बाद में आरजेडी ने उन्हें एमएलसी बना दिया। वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव में रीतलाल ने 15 हजार से अधिक वोटों से बीजेपी की आशा सिन्हा को हरा दिया और विधायक बन गए।

घाटकोपर होर्डिंग हादसे में अब तक 14 लोगों की मौत, 88 घायल, 74 बचाए गए

होर्डिंग के मालिक के विरुद्ध मामला दर्ज

प्रात : किरण

मुंबई, एजेंसी। मुंबई के घाटकोपर इलाके में होर्डिंग हादसे में अब तक 14 हो गई है और 88 लोग घायल हैं। घटनास्थल पर मंगलवार सुबह तक फायर ब्रिगेड के जवानों ने करीब 74 लोगों को होर्डिंग के मलबे से सुरक्षित निकाला है। घायलों में 43 लोगों का राजावाड़ी अस्पताल में इलाज चल रहा है। अन्य घायलों को डिस्चार्ज किया जा चुका है। मौके पर बचाव कार्य अभी भी जारी है। मलबे में अभी भी लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। घाटकोपर के पंतनगर पुलिस स्टेशन में इस अवैध होर्डिंग के मालिक भावेश भिड़े और इगो मीडिया कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार सोमवार शाम करीब सवा चार बजे अचानक आए तूफान और बारिश के बीच कई लोगों ने इस पेट्रोल पंप पर शरण ली थी। उसी समय पंप के पास लगा होर्डिंग तेज हवा के कारण सीधे पेट्रोल पंप पर गिर गया। बताया गया कि इस होर्डिंग के नीचे करीब 80 गाड़ियां फंसी हुई थीं। इसके बाद बचाव कार्य तेजी से शुरू हुआ। यहां पेट्रोल पंप, सीएनजी पंप होने के कारण गैस कटर का इस्तेमाल नहीं किया जा सका।

होर्डिंग हादसे की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस मौके पर पहुंचे और घटना की उच्चस्तरीय जांच का आदेश दिया। मुख्यमंत्री ने इस घटना में प्रत्येक मृतक आश्रितों को 5 लाख रुपये और घायलों का सरकारी खर्च पर इलाज की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने मुंबई के सभी होर्डिंग्स का स्ट्रक्चरल ऑडिट कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अनाधिकृत होर्डिंग्स को तुरंत हटाने का आदेश दिया है।

चीन सीमा पर सेना की निगरानी में खोले जाएंगे प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार उत्तर-पूर्वी राज्य सिक्किम के सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र स्थापित करेगी, जिनका संचालन पूर्व सैनिक करेंगे। इसी सिलसिले में भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग के सचिव ने चीन सीमा पर सिक्किम से लगे क्षेत्रों का दौरा करके पूर्व सैनिकों से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का जायजा लिया है। केंद्र सरकार के इस फैसले को पूर्व सैनिकों की स्वास्थ्य सुविधा को और अधिक मजबूत करने के रूप में देखा जा रहा है। पूर्व सैनिक कल्याण विभाग के सचिव डॉ. नितेन चंद्रा ने सोमवार भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग के आउटरीच कार्यक्रम 'समाधान अभियान' के एक हिस्से के तहत सिक्किम के सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने पूर्व सैनिकों के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बताया कि राज्य सैनिक बोर्ड और जिला सैनिक बोर्डों को पूरे क्षेत्र में सामान्य सेवा केंद्र और प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र स्थापित करने का निर्देश दिया गया है। डॉ. नितेन चंद्रा ने बताया कि सिक्किम के सीमावर्ती क्षेत्रों में खुलने वाले प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों का संचालन पूर्व सैनिक करेंगे। उन्होंने गंगटोक में सिक्किम के मुख्य सचिव वीबी पाठक से मुलाकात करके पूर्व सैनिकों के लिए स्वास्थ्य रोडमैप पर चर्चा की। इस बैठक के दौरान चर्चा की गई कि राज्य बागवानी विभाग की सहायता से पूर्व सैनिकों के सहकारी समूहों को क्षेत्र में एवोकाडो, संतरे, कीवी और फलों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। महानिदेशक (पुनर्वास) मेजर जनरल एसबीके सिंह ने पूर्व सैनिकों के कौशल व दक्षताओं को बढ़ाने और उनके पुनर्वास के लिए उद्यमिता मॉडल के लिए उपलब्ध विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग के सचिव ने भारतीय सेना के 17 माउंट डिवीजन का दौरा किया और जीओसी मेजर जनरल अमित कबथियाल ने उनका स्वागत किया।

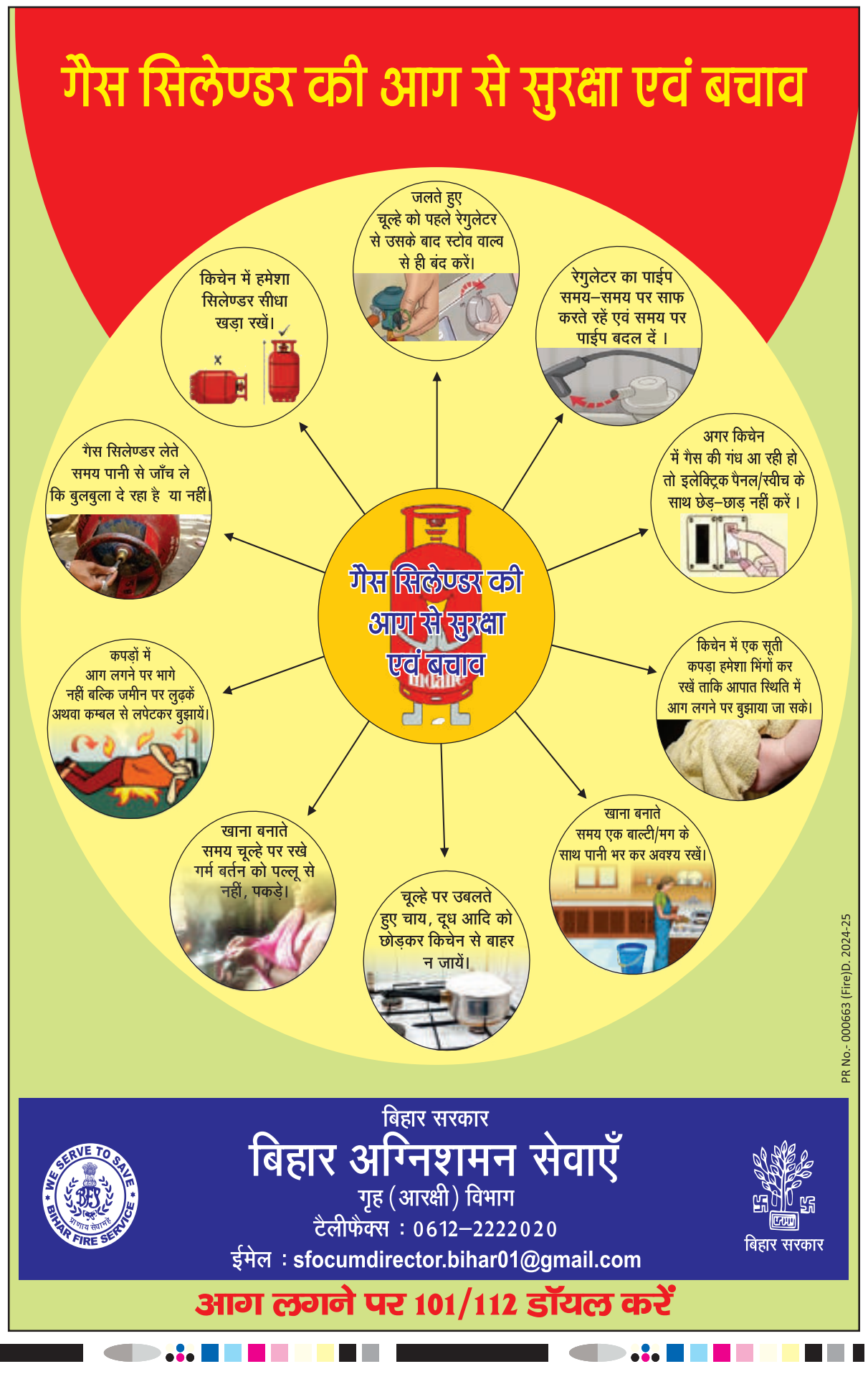

अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार, कल हुआ था निधन, जेपी नड्डा भी पहुंचे पटना

सुशील मोदी का पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन, बड़े बेटे ने दी मुखाग्नि

प्रात : किरण

पटना। विधानसभा, लोकसभा, विधान परिषद् और राज्यसभा- चारों सदनों के सदस्य रह चुके बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी का पार्थिव शरीर मंगलवार को पंचतत्व में विलीन हो गया। मंगलवार की देर शाम राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार दीघा घाट पर किया गया। मुखाग्नि बड़े पुत्र उत्कर्ष तथागत ने दी।

उनकी अंतिम यात्रा 7.30 बजे भाजपा प्रदेश कार्यालय से दीघा घाट के लिए निकली। पहले पटना एयरपोर्ट से पार्थिव शरीर उनके पैतृक आवास राजेंद्र नगर लाया गया। यहां से आरएसएस क्षेत्रीय कार्यालय और फिर विधान मंडल परिसर पहुंचा था। पार्टी कार्यालय में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्थिव शरीर पर पार्टी का झंडा ओढ़ाकर उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी। आवास से पार्थिव शरीर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय कार्यालय विजय निकेत गया। यहां भी श्रद्धांजलि दी गई। दिनकर गोलंबर के सहित राजधानी की कई जगहों पर कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि दी। 5 बज कर 31 मिनट पर उनका पार्थिव शरीर विधान मंडल परिसर पहुंचा। यहां विभिन्न दलों के नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा भी सुशील मोदी को अंतिम विदाई देने के लिए पटना पहुंचे। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय, केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. नंदकिशोर यादव, राज्य के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा समेत भारी संख्या में नेता और हजारों समर्थक दीघा घाट पर राजकीय सम्मान के साथ मुखाग्नि की प्रक्रिया के दौरान उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

पूरी रात सुलगते रहे पिपना, दाड़िमी के जंगल, वन विभाग अंजान

मौलेखाल (अल्मोड़ा), एजेंसी। बारिश थमते ही फिर से जंगल धधकने लगे हैं। इससे वन विभाग, प्रशासन के साथ ही आम लोगों की चिंता बढ़ने लगी है। सल्ट के पिपना और दाड़िमी के पास जंगल पूरी रात सुलगते रहे। जंगलों से आग की लपटें और धुआं उठता रहा, लेकिन वन विभाग घटना से अंजान रहा। इस घटना में दो हेक्टेयर से जंगल दावानल की भेंट चढ़ गया। बीते दिनों हुई बारिश ने जंगलों की आग शांत कर दी थी। दो दिन से जिले में बारिश नहीं हुई तो फिर से जंगल सुलगने लगे हैं। सल्ट के पिपना, दाड़िमी के पास जंगल में बीते रविवार देर शाम आग लग गई। देखते ही देखते दावानल ने जंगल के बड़े दायरे को अपनी चपेट में ले लिया, लेकिन जिम्मेदार विभाग को घटना की भनक तक नहीं लगी। पूरी रात जंगल धधकते रहे, इससे लाखों की वन संपदा जलकर राख हो गई। इस घटना में दो हेक्टेयर से अधिक जंगल जल गया। सुबह के समय पूरे जंगल को अपनी चपेट में लेने के बाद आग खुद बुझ गई। जंगलों से उठने वाले धुएं से लोगों को काफी दिक्कत हुई। सोमवार को दोपहर बाद हल्की बारिश होने के बाद धुआं छंटने से लोगों ने राहत की सांस ली। जिले में जंगल सुलग रहे हैं। बीते रविवार को नगर के नजदीक पातालदेवी और बाड़ेछीना के जंगल में आग लगी रही। सूचना के बाद फायर सर्विस कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई। वहीं सल्ट के पिपना और दाड़िमी में पूरी रात जंगल सुलगते रहे। हैरानी इस बात की है कि वन विभाग के कंट्रोल रूम में बीते चार दिनों में दावानल की एक भी घटना दर्ज नहीं है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि विभाग जंगलों की सुरक्षा के लिए कितना गंभीर है।

कुमाऊं में अपराध का बदला ट्रेंड, लोग मेरठ से आकर कर रहे ये कांड

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। हल्द्वानी में जेब काट रहे मेरठ के चार अंतरराज्यीय जेबकतरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। वहीं, वीकेंड के बाद पर्यटक लौटने लगे हैं। इससे शहर में वाहनों का दबाव बढ़ गया है। एक क्लिक में पाएं सभी खबरें एक साथ... हल्द्वानी में जेब काट रहे मेरठ के चार अंतरराज्यीय जेबकतरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। रविवार को भी इन चारों ने एक व्यक्ति की जेब काटकर आठ हजार रुपये चोरी कर लिए थे। शिकायत के बाद पुलिस ने सीसीटीवी के माध्यम से उन्हें गिरफ्तार किया। वीकेंड के बाद पर्यटक लौटने लगे हैं। इससे शहर में वाहनों का दबाव बढ़ गया है। ऐसे में सोमवार को काठगोदाम में दिन भर वाहन रेंगते रहे। कोतवाली के सामने यूपी की बसों के कारण कई बार जाम लगता रहा। नैनीताल में दुष्कर्म के मामले में पॉक्सो कोर्ट ने जीजा को दोषी ठहराकर 20 साल की सजा और 20 हजार का जुर्माना लगाया है। जीजा के अपनी नाबालिग साली से अवैध संबंध थे।

संदिग्ध परिस्थितियों में झुलसे बुजुर्ग की मौत, केस दर्ज

अल्मोड़ा, एजेंसी। दन्या क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में आग से बुरी तरह झुलसे बुजुर्ग की हल्द्वानी में उपचार के दौरान मौत हो गई। बुजुर्ग का हल्द्वानी एसटीएच में उपचार चल रहा था। हालांकि उनकी मौत से पहले ही परिजनों की तहरीर पर पुलिस से मामले में अज्ञात के खिलाफ केस किया है। दन्या थाने में अंडोली निवासी नीमा पांडे ने तहरीर दी है। उसके मुताबिक बीते 22 मई को उसके ससुर लक्ष्मीदत्त पांडे घर से 150 मीटर दूर गंभीर हालत में मिले थे। आग से उनके शरीर का निचला हिस्सा बुरी तरह झुलस गया था। आरोप है कि किसी ने उन्हें जानबूझकर जलाया है। तब परिजन उन्हें हल्द्वानी एसटीएच ले गए, जहां उनका उपचार चल रहा था।

निर्धारित क्षमता के अनुसार ही यात्रियों को धामों तक भेजें, एडीजी ने जारी किए निर्देश

देहरादून, एजेंसी। एडीजी कानून व्यवस्था एपी अंशुमान ने अत्यधिक भीड़ और यातायात जाम के मद्देनजर यातायात व्यवस्था को बनाए रखने के लिए जिला कप्तानों के किए गए कार्यों की समीक्षा की।

एडीजी कानून व्यवस्था एपी अंशुमान ने चारधाम से संबंधित सभी जिला प्रभारियों से धामों की क्षमता के अनुसार ही यात्रियों को आगे की ओर भेजने के निर्देश दिए हैं। कहा है कि भीड़ अधिक होने पर बैरियर पर लोगों को रोका जाए। यातायात व्यवस्था को सुचारू रखा जाए।

एडीजी ने पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग, चमोली, उत्तरकाशी धामों की सुरक्षा के लिए बनाई गई सुरक्षा स्कीम के अनुरूप कार्रवाई करने के निर्देश दिए। अत्यधिक भीड़ और यातायात जाम के मद्देनजर यातायात व्यवस्था को बनाए रखने के लिए जिला कप्तानों के किए गए कार्यों की समीक्षा की। कहा कि यमुनोत्री धाम के लिए बनाए गए बैरियर से बोटल नैक तक की व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए पृथक से सीओ को नियुक्त किया जाए। खाने-पीने और आवश्यक वस्तुओं की पर्याप्त व्यवस्था, पीए सिस्टम के माध्यम से यात्रियों को धामों की वर्तमान स्थिति और आवश्यक जानकारियां भी समय-समय पर देने के निर्देश दिए। पार्किंगों बेहतर उपयोग, मेले और अन्य आयोजनों की अनुमति पर रोक लगाने के निर्देश दिए। कहा कि हरिद्वार और ऋषिकेश में स्थापित ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन केंद्रों पर पीए सिस्टम के माध्यम से यात्रियों को धामों और यातायात व अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराते रहें।

पछवादून में सात घंटे गुल रहेगी बिजली

देहरादून, एजेंसी। पछवादून क्षेत्र में बुधवार और बृहस्पतिवार को सात घंटे विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। विकासनगर, हरबर्टपर और सहसपुर क्षेत्र में सुबह दस बजे बिजली बंद कर दी जाएगा। शाम पांच बजे के बाद आपूर्ति बहाल होगी। 33 केवी बिजली की लाइन के तार बदलने और मरम्मत कार्य के लिए आपूर्ति बंद की जाएगी। ऊर्जा निगम के अधिशासी अभियंता अमित सक्सेना ने बताया कि विकासनगर फीडर से जुड़े मुख्य बाजार, पहाड़ी गली, मंडी चौक, एनफील्ड लाइन, बुलाकीवाला, मंडी, पश्चिमीवाला, बाबूगढ़, अजीतनगर, शिवलोक कालोनी, भीमावाला, बरोटीवाला, लक्ष्मीपुर, मलूकावाला आदि क्षेत्र में आपूर्ति बंद रहेंगी।

आक्रोशित लोगों ने सीएमओ का किया घेराव, जांच कमेटी गठित

अल्मोड़ा, एजेंसी। जिला अस्पताल में ऑपरेशन के दौरान गलत नस कटने से महिला की मौत के मामले में आखिरकार जांच कमेटी गठित हो गई है। मेडिकल कॉलेज के विशेषज्ञ मामले की जांच करेंगे। स्थानीय लोगों के सीएमओ के घेराव के बाद उन्होंने जांच के आदेश जारी किए हैं।

बीते दिनों जिला अस्पताल में नगर के एक व्यापारी दीपक कुमार जोशी की पत्नी का बच्चेदानी का ऑपरेशन हुआ था। ऑपरेशन के बाद उसकी हालत बिगड़ गई तो यहां के चिकित्सकों ने उसे बरेली के एक अस्पताल में रेफर कर दिया। यहां दोबारा ऑपरेशन करना पड़ा, लेकिन उसकी हालत ठीक नहीं हुई और उसकी मौत हो गई। आरोप है कि जिला अस्पताल में ऑपरेशन के दौरान चिकित्सकों ने उसकी गलत नस काट दी जो उसकी मौत का कारण बना। कुछ दिन पूर्व पीड़ित व्यापारी और अन्य लोगों ने पीएमएस और सीएमओ को ज्ञापन देकर मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। लंबे समय तक उचित जांच न होने से नाराज लोगों ने सोमवार को कार्यालय पहुंचकर सीएमओ का घेराव किया। उन्होंने कहा कि फौरी तौर पर जांच कर दोषी स्वास्थ्य कर्मियों को क्लीन चिट देना गंभीर है। मामले में सीएमओ ने भी बरेली के अस्पताल की लापरवाही बताकर अपने चिकित्सकों से सिर्फ मौखिक स्पष्टीकरण लेकर उन्हें बचा रहे हैं। लोगों के आक्रोश को देखते हुए सीएमओ ने जांच के आदेश जारी कर कमेटी का गठन किया। आदेश जारी होने पर आक्रोशित लोग वहां से रवाना हुए और सभी ने राहत की सांस ली। इस मौके पर राजीव गुरुरानी, शैलेंद्र साह, पीड़ित पति दीपक कुमार जोशी, जीवन सिंह, इंद्र सिंह नेगी, खड़क सिंह, मनोज मेहरा सहित कई लोग मौजूद रहे।

दो सप्ताह से जलापूर्ति बाधित रहने पर चढ़ा ग्रामीणों का पारा

द्वाराहाट (अल्मोड़ा), एजेंसी। दो सप्ताह से नल से जल टपकने का इंतजार कर रहे मल्ली किरोली, तल्ली किरोली, सटौरा, कलौंटिया के ग्रामीणों का हौसला जवाब दे गया। लंबे समय से जलापूर्ति सुचारू न होने से आक्रोशित ग्रामीणों ने तहसील पहुंचकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने सोमवार को तहसीलदार तितिक्षा जोशी को ज्ञापन देकर जल्द व्यवस्था में सुधार की मांग की। उन्होंने कहा कि दो सप्ताह से वे जल संकट से जूझ रहे हैं। योजना के मुख्य स्रोत में सीवर डालने की सूचना ईओ और जल संस्थान को दी गई। जल संस्थान और नगर पंचायत ने जल्द व्यवस्था में सुधार कर जलापूर्ति बहाल करने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक उनके नलों से जल नहीं टपका है। लोगों की परेशानी को देखते हुए तहसीलदार उनके साथ योजना के स्रोत तक पहुंची। उन्होंने योजना के स्रोत खीरो नदी में सीवर डालने पर गहरी नाराजगी जताई। जल संस्थान, नगर पंचायत को शीघ्र इसे रोककर जलापूर्ति बहाल करने के साथ ऐसा करने वालों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। वहां पर ब्लॉक प्रमुख दीपक किरौला, ईओ नगर पंचायत धीरज कांडपाल, जेई जल संस्थान शेखर रौतेला, कनिष्ठ अभियंता एसएस रौतेला, किरोली प्रधान गिरधर सिंह, प्रकाश, लक्ष्मण आदि मौजूद रहे।

रोडवेज की पांच बस सेवाओं का संचालन ठप

अल्मोड़ा, एजेंसी। पर्यटन सीजन शुरू हो गया है और मैदानी क्षेत्रों से पर्यटक अल्मोड़ा का रुख करने लगे हैं। पर्यटक सीजन में भी परिवहन निगम पर्यटकों को राहत देने में विफल है। मैदानी क्षेत्रों में संचालित होने वाली अधिकतर बसें चालकों की कमी से वर्कशॉप में खड़ी हैं और पर्यटकों को टैक्सी में धक्के खाकर यहां पहुंचना पड़ रहा है।

अल्मोड़ा डिपो से जिले के विभिन्न आंतरिक रूटों के साथ ही मैदानी क्षेत्रों में 14 सेवाओं का संचालन होता है। दिल्ली, देहरादून से बड़ी संख्या में पर्यटक रोडवेज बसों के सहारे अल्मोड़ा पहुंचते हैं।

पर्यटक सीजन शुरू हो गया है, लेकिन निगम ने चालकों की कमी का हवाला देकर टनकपुर, दिल्ली, देहरादून की पांच सेवाओं का संचालन रोका है। लंबे समय से बसें वर्कशॉप में खड़ी हैं, इससे पर्यटक परेशान हैं। उन्हें दिल्ली, देहरादून से अल्मोड़ा पहुंचने के लिए बस नहीं मिल रहीं और मजबूर उन्हें टैक्सी में धक्के खाकर आवाजाही करनी पड़ रही है। ऐसे में अल्मोड़ा पहुंचने वाले पर्यटकों की संख्या में कमी आने लगी है, इससे पर्यटन कारोबार प्रभावित हो रहा है। अल्मोड़ा से हर रोज 250 से अधिक यात्री दिल्ली, देहरादून तक आवाजाही करते हैं। इन रूटों पर रोडवेज सेवा प्रभावित होने से यात्री परेशान हैं। मजबूर उन्हें टैक्सी के भरोसे हल्द्वानी तक का सफर करना पड़ रहा है तब जाकर वहां से वह बस पकड़ रहे हैं।

लड़की का आरोप- रात को घर में घुस आया फरमान, शारीरिक शोषण और जान से मारने की धमकी दी

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। खटीमा में युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाने और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी के मामले में पुलिस ने आरोपी युवक के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया है।

खटीमा में युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाने और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी के मामले में पुलिस ने आरोपी युवक के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया है।

पीड़ित युवती ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह कंपनी में कार्य करती है। उसी कंपनी में पकड़िया निवासी फरमान भी काम करता है। उसे वह छह माह से जानती है। फरमान उसका शारीरिक शोषण करता था। विरोध करने पर उसे और उसके माता-पिता को जान से मारने की धमकी देता था। शनिवार रात फरमान घर में घुस गया और उसके साथ अनैतिक कार्य करने की कोशिश की। उसके शोर मचाने पर परिजन व आस पड़ोस के लोग भी जाग गए। लोगों ने मिलकर युवक को पकड़ लिया।

केदारनाथ-बदरीनाथ के लिए नियमित हेली सेवा शुरू, जौलीग्रांट से श्रद्धालुओं को लेकर उड़ान

ऋषिकेश, एजेंसी। रात्रि विश्राम वाले श्रद्धालुओं को ठहरने और खाने आदि की व्यवस्था संबंधित कंपनी की तरफ से मुहैया कराई जाएगी। जौलीग्रांट हेलीपैड से कंपनी का एमआई 17 हेलिकॉप्टर 20 यात्रियों को लेकर प्रतिदिन पहले गुप्तकाशी जाएगा। बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने पर जौलीग्रांट से दो धामों केदारनाथ और बदरीनाथ के लिए नियमित हेलिकॉप्टर सेवा शुरू कर दी गई है। 10 मई से हेलिकॉप्टर सिर्फ केदारनाथ के श्रद्धालुओं को लेकर उड़ान भर रहा था। रविवार सुबह करीब साढे छह बजे जौलीग्रांट से रुद्राक्ष एविएशन के हेलिकॉप्टर ने जौलीग्रांट से दो धामों के कुल 20 श्रद्धालुओं को लेकर उड़ान भरी। इस बार की चारधाम यात्रा में कंपनी ने पहली बार श्रद्धालुओं की दो कैटेगरी तय की हैं। पहली कैटेगरी में श्रद्धालु एक ही दिन में दो धामों की यात्रा कर सकेंगे। जबकि दूसरी कैटेगरी में श्रद्धालुओं को गुप्तकाशी और बदरीनाथ धाम में रात्रि विश्राम की सुविधा दी गई है। रात्रि विश्राम वाले श्रद्धालुओं को ठहरने और खाने आदि की व्यवस्था संबंधित कंपनी की तरफ से मुहैया कराई जाएगी। जौलीग्रांट हेलीपैड से कंपनी का एमआई 17 हेलिकॉप्टर 20 यात्रियों को लेकर प्रतिदिन पहले गुप्तकाशी जाएगा। गुप्तकाशी से दूसरे छोटे हेलिकॉप्टर से श्रद्धालुओं को केदारनाथ ले जाया जाएगा। केदारनाथ से वापस आने के बाद श्रद्धालु रात में गुप्तकाशी में रूकेंगे। अगले दिन इन श्रद्धालुओं को बदरीनाथ ले जाया जाएगा। जौलीग्रांट से दो धामों की यात्रा एक दिन में करने के लिए एक व्यक्ति का किराया एक लाख 11 हजार रुपये रखा गया है।

जिले में 34 बाढ़ आपदा न्यूनीकरण कार्यों को मिली मंजूरी

रुद्रपुर, एजेंसी। डीएम उदयराज सिंह की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में आपदा न्यूनीकरण कार्य की स्वीकृतियों को लेकर उच्च स्तरीय समिति की बैठक की गई। इसमें जिले में 257.88 लाख की 34 बाढ़ आपदा न्यूनीकरण कार्यों को स्वीकृति दी गई है। बीते दिनों सीएम पुष्कर सिंह धामी ने काशीपुर में पेयजल एवं आपदा संबंधी बैठक में डीएम को निर्देश दिए थे। इस पर सोमवार को डीएम की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बाढ़ आपदा न्यूनीकरण कार्य के प्रस्ताव आगणनों की जांच एवं स्वीकृति को लेकर बैठक हुई। सिंचाई विभाग के तीनों खंडों ने आपदा न्यूनीकरण कार्यों के कुल 56 आगणन प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए थे। समिति ने प्रस्तुत प्रस्तावों की जांच कर प्राथमिकता एवं आवश्यकताओं के मद्देनजर 34 प्रस्तावों को स्वीकृति दी। सिंचाई खंड रुद्रपुर के 15 में से नौ प्रस्तावों के लिए 71.60 लाख, सिंचाई खंड काशीपुर के 20 प्रस्ताव में से 10 प्रस्ताव के लिए 85.28 लाख और सितारगंज के 21 आपदा न्यूनीकरण प्रस्ताव में से 15 प्रस्ताव धनराशि 01 करोड़ की स्वीकृति दी गई। डीएम ने अधिशासी अभियंताओं को आपदा न्यूनीकरण के लिए स्वीकृत सभी कार्यों के एक सप्ताह के भीतर टेंडर लगाकर कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए। उन्होंने तहसील सितारगंज में स्थित अरविंद नगर एवं झाड़ी गांव में जलभराव के निदान के लिए वन देवी मन्दिर से ग्राम गोठा तक सूखी/बैगुल नदी के जलप्रवाह का डायवर्जन कार्य के लिए 96.63 लाख की स्वीकृति देते हुए 10 लाख की धनराशि की सैद्धांतिक स्वीकृति दी।

अस्पताल में बढ़ रहे उल्टी-दस्त के मरीज, दवा का टोटा

काशीपुर, एजेंसी। भीषण गर्मी में डायरिया से ग्रस्त मरीजों से अस्पताल भरा पड़ा है। विशेषज्ञ बासी और बाहर के भोजन से परहेज करने की सलाह दे रहे हैं। वहीं अस्पताल के इमरजेंसी कक्ष में गैस का इंजेक्शन तक नहीं है।

लगातार गर्मी बढ़ने से और फास्ट फूड खाने से पेट खराब होने की शिकायत बढ़ रही है। लापरवाही बरतने पर यह डायरिया का रूप ले रहा है। अस्पताल डायरिया, वायरल बुखार के मरीजों से फुल है, लेकिन अस्पताल में दवाइयों का टोटा है।

दवा नहीं मिलने से गैस के दर्द से पीड़ित मरीजों के तीमारदार भटकने को मजबूर हैं। रविवार को भी एक महिला बेटी के पेट में गैस की समस्या लेकर पहुंची। इमरजेंसी में इंजेक्शन नहीं मिलने पर उन्होंने बाहर से खरीदकर लगवाया।

मरीजों ने बताया कि अस्पताल में दवाइयां नहीं हैं। वहीं स्वास्थ्य अधिकारी महज अस्पताल प्रशासन से जानकारी लेने की बात कर पल्ला झाड़ने में लगे हैं। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. राजीव पुनेठा ने बताया कि ओपीडी में 25 प्रतिशत बच्चे उल्टी-दस्त और बुखार से ग्रस्त आ रहे हैं। इनमें से दो-तीन रोज भर्ती हो रहे हैं। प्रतिदिन 90-100 की ओपीडी हो रही है। कहा कि गर्मी में बासी और बाहरी भोजन व फास्ट फूड से परहेज करना चाहिए।

अनियंत्रित होकर खाई में गिरा पिकअप, दो लोगों की मौत और एक घायल; छोटा कैलाश को जा रहा था वाहन

नैनीताल, एजेंसी। रानीबाग के अमृतपुर से छोटा कैलाश को जा रही पिकअप अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। हादसे में वाहन सवार दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चालक घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए हल्द्वानी एसटीएच भेजा गया है।

रानीबाग के अमृतपुर से छोटा कैलाश को जा रही पिकअप अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। हादसे में वाहन सवार दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चालक घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए हल्द्वानी एसटीएच भेजा गया है।

थानाध्यक्ष जगदीप सिंह नेगी ने बताया कि सोमवार को छोटा कैलाश को जा रही पिकअप अनियंत्रित होकर 50 मीटर खाई में जा गिरी। वाहन के खाई में गिरने से बिशन दत्त पांडे (70) निवासी भौर्सा और मनीष पडलिया निवासी बानना की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं चालक धीरज (25) घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए हल्द्वानी एसटीएच भेजा गया। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए हल्द्वानी भेजा जा रहा है। घटना के बाद से मृतकों के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

बदरीनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़, दर्शन को अब लेना होगा टोकन; बनाए पांच काउंटर

गोपेश्वर, एजेंसी। बदरीनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और सहूलियत को देखते हुए पर्यटन विभाग ने दूसरे दिन दर्शन के लिए स्लाट सिस्टम लागू कर दिया है। यात्रियों को पांच काउंटरों से दर्शन के लिए टोकन दिया जा रहा है। ये काउंटर सुबह चार से रात्रि नौ बजे तक खुले रहते हैं।

प्रत्येक घंटे के स्लाट में 1450 यात्रियों के दर्शन करने की व्यवस्था है। फिलहाल प्रतिदिन के हिसाब से ही टोकन जारी किए जा रहे हैं। टोकन व्यवस्था से दिनभर में 20 हजार से अधिक यात्री आसानी से दर्शन कर सकेंगे। जिला पर्यटन अधिकारी बिजेंद्र पांडे ने कहा कि टोकन व्यवस्था से दर्शन व्यवस्था सुव्यवस्थित हुई है।

कपाट खुलने के दिन बदरीनाथ हाईवे पर लगे जाम के चलते पुलिस

अब नंदप्रयाग, जोशीमठ, जोगीधारा, चमोली, चाडा सहित अन्य जगहों पर वाहनों की निरंतर आवाजाही कराई जा रही है। इससे जाम की समस्या पर काबू पाया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार ने बताया कि पुलिस ने गोपेश्वर नगर सहित अन्य यात्रा पड़ावों में सड़क किनारे खड़े वाहनों को भी हटाया। गोपेश्वर के हल्दापानी, जीरो बैंड सहित अन्य स्थानों पर सड़क किनारे खड़े वाहनों को स्टेडियम में खड़ा करने को कहा गया है।

साध्वी उमा भारती ने भगवान केदारनाथ के दर्शन किए और जन कल्याण एवं देश के लिए सुख समृद्धि की कामना की। मध्यप्रदेश की पूर्व सीएम उमा भारती सोमवार की दोपहर हेलीकाप्टर से केदारनाथ धाम पहुंची। हेलीपैड पर श्री बदरीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) तथा केदार सभा ने उनका स्वागत किया।

खाना पकाते समय झुलसी युवती, अस्पताल में परिजन इलाज के लिए भटके

काशीपुर, एजेंसी। खाना पकाते समय एक युवती गंभीर रूप से झुलस गई। परिजन उसे लेकर सरकारी अस्पताल पहुंचे, यहां वह इलाज के लिए काफी देर तक भटकते रहे। बाद में चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार कर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया।

रविवार देर रात बहादुरपुर पट्टी महुआखेड़ा गंज निवासी रेनू पुत्री अशोक चूल्हे पर खाना पका रही थी। इस दौरान अचानक बर्तन उसके ऊपर पलट गया। इससे वह बुरी तरह झुलस गई। परिजन आनन-फानन उसे लेकर एलडी भट्ट राजकीय उप जिला चिकित्सालय लेकर पहुंचे, जहां इलाज की आस में काफी देर तक इधर-उधर भटकते रहे। बाद में डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया। परिजन 108 एंबुलेंस के माध्यम से सुशीला तिवारी अस्पताल हल्द्वानी लेकर पहुंचे। परिजनों ने बताया कि रेनू का चेहरा और हाथ जला है। उनका आरोप है कि रविवार बताकर सरकारी अस्पताल काशीपुर इमरजेंसी में कोई देखने को तैयार नहीं था। काफी देर तक स्टाफ से इलाज करने को कहते रहे लेकिन स्टॉफ इधर-उधर की बात करता। समाजसेवी गगन कांबोज के पहुंचने पर इलाज शुरू किया गया। बाद में डॉक्टर ने उन्हें रेफर कर दिया।

मोदी के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान की पोल खोलेगी आप : गोपाल राय

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी (आप) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान की पोल खोलने के लिए वॉशिंग मशीन का एक नायाब अभियान शुरू किया है, जिसमें बताया जायेगा कि किस प्रकार भ्रष्टाचार के आरोपियों को बेदाग किया जाता है।

आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय और मंत्री सौरभ भारद्वाज ने मंगलवार को यहां से इस अभियान की शुरूआत की। श्री भारद्वाज ने डेमो दिखाकर बताया कि कैसे भ्रष्टाचार के आरोपियों को वॉशिंग मशीन में डालकर उनको क्लीन किया जाता है। लोगों को भाजपा के वॉशिंग मशीन का काला जादू दिखाने के लिए स्टेज पर एक तरफ बड़ी सी वॉशिंग मशीन

रखी गई थी और दूसरी तरफ बड़ा सा जेल बनाया गया था। जो लोग भाजपा में शामिल होने के लिए तैयार हो गए, उनको ईडी ने वॉशिंग मशीन में डाल दिया और जिन्होंने समाज सेवा से पीछे हटने से इंकार कर किया, उनको जेल में डाल दिया।

श्री राय ने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि यह चुनाव हम भ्रष्टाचार से लड़ने और उसे खत्म करने के लिए लड़ रहे हैं। भाजपा के इस दावे की सच्चाई क्या है? भाजपा के वॉशिंग मशीन का काला जादू क्या है? आज हमारे कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज और उनकी टीम ने इस वॉशिंग मशीन के काले जादू को प्रदर्शित किया। पार्टी 23 मई तक दिल्ली के अंदर नई दिल्ली, पूर्वी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली और दक्षिणी दिल्ली के हर विधानसभा में जाकर इस वॉशिंग मशीन के काले जादू को प्रदर्शित करेगी और भाजपा के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान का असली सच जनता के सामने रखेगी।

उन्होंने कहा कि चार चरणों के मतदान के बाद पूरे देश से यही खबर आ रही है कि भाजपा 200 से 220 की सीटों पर सिमट रही है। ऐसे में हमारी कोशिश यही है कि दिल्ली और पूरे देश में बचे हुए तीन चरणों में चुनाव प्रचार को और तेज किया जाए। केंद्र सरकार की सच्चाई को जनता के सामने रखा जाए, जिससे लोग सही निर्णय ले सकें। जनता इस तानाशाही की सरकार को हटाएं और देश में इंडिया समूह की सरकार बनाएं। इसलिए आज ने हम वॉशिंग मशीन के काले जादू का अभियान शुरू कर रहे हैं। श्री भारद्वाज ने कहा कि आज देश को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) दो एजेंसियां ही चला रही हैं। जब केंद्र सरकार का मन करता है वह किसी भी नेता के खिलाफ ईडी-सीबीआई को छोड़ देती है। कुछ साल पहले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण पर आदर्श सोसायटी के घोटाले के आरोप लगे थे। कहा गया था कि कारगिल युद्ध में शहीद जवानों की विधवाओं के लिए सोसायटी बननी थी। इस सोसायटी में अशोक चव्हाण ने करोड़ों रुपए का घोटाला किया था। श्री चव्हाण भाजपा की वॉशिंग मशीन में धुलकर साफ हो गए और राज्यसभा भेज दिए गए।

स्वाति मालीवाल के आरोपों को लेकर एमसीडी सदन में हंगामा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) सदन में मंगलवार को हंगामे के कारण निगम के विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को वर्दी की खरीद के लिए 1100 रुपये की राशि के वितरण के लिए प्रशासनिक मंजूरी और एक चिकित्सा कॉलेज के निर्माण सहित अन्य प्रस्ताव पारित नहीं हो सके।

आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल द्वारा लगाए गए आरोपों को लेकर सदन में हंगामे की स्थिति रही। मालीवाल ने आरोप लगाया है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आधिकारिक आवास पर एक कर्मचारी ने उनके साथ मारपीट की। पुलिस ने बताया कि वह (मालीवाल) सिविल लाइन्स थाने गई थीं लेकिन उन्होंने औपचारिक शिकायत नहीं दर्ज कराई। दिल्ली की महापौर शैली ओबेरॉय के सदन में प्रवेश करते ही भाजपा और कांग्रेस के पार्षद आसन के करीब आकर केजरीवाल के खिलाफ नारे लगाने लगे और घटना को लेकर उनके इस्तीफे की मांग करने लगे। नगर निगम विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को वर्दी की खरीद के लिए 1100 रुपये, बस्ते के लिए 120 रुपये और कॉपियों व स्टेशनरी की खरीद के लिए 300 रुपये वितरित करने को प्रशासनिक मंजूरी देने के प्रस्ताव को सदन में रखा जाना था। इसके अलावा राजन बाबू इंस्टिट्यूट ऑफ पल्मोनरी मेडिसिन एंड ट्यूबरकुलोसिस हॉस्पिटल परिसर में चिकित्सा कॉलेज की इमारत के निर्माण के प्रस्ताव को भी सदन में रखा जाना था। सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित किये जाने के कारण कोई भी प्रस्ताव पारित नहीं हो सका। विपक्षी पार्षदों ने इस मुद्दे को लेकर सदन की कार्यवाही शुरू होते ही जमकर नारेबाजी की जिस कारण कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया।

उच्च न्यायालय ने एमसीडी को कल्याणकारी योजना राशि को तुरंत विद्यार्थियों को हस्तांतरित करने का निर्देश दिया था। मुख्यमंत्री आवास में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए सभी दलों के पार्षदों ने सदन में एक निंदा प्रस्ताव भी पेश किया। पार्षदों ने कथित घटना के लिए केजरीवाल नीत सरकार पर निशाना साधा और मालीवाल के लिए न्याय की मांग की। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी पार्षदों ने केजरीवाल हाय-हाय, स्वाति मालीवाल को इंसाफ दो और केजरीवाल इस्तीफा दो जैसे नारे लगाये। विपक्षी पार्षद महापौर के आसन के पास पोस्टर लेकर खड़े थे, जिन पर दलित महापौर को कुर्सी पर बिठाओ, दलित विरोधी केजरीवाल इस्तीफा दो नारे लिखे हुए थे। हंगामे के बीच महापौर ने सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी।

कन्हैया कुमार ने पीएम मोदी को दी अंबानी-अडाणी के यहां ईडी-सीबीआई को भेजने की चुनौती

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

कांग्रेस उम्मीदवार कन्हैया कुमार ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली में अपना प्रचार अभियान तेज कर दिया है। आज उन्होंने गोकुलपुर से पदयात्रा शुरू की और जनता से कांग्रेस को वोट देने की अपील की। इससे पहले कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चुनौती दी कि यदि उन्हें ह्यनकदी से भरे टेम्पोह्ल विपक्षी दल को भेजे जाने पर यकीन है तो वह अंबानी और अडाणी के यहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को भेजें।

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र नेता ने अपने पैतृक जिले बेगूसराय के एक मतदान केंद्र पर वोट डालने के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा, ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री भूल जाते हैं कि वह सत्ता में हैं, विपक्ष की तरह बात करने लगते हैं। जब वह इस तरह के आरोप लगाते हैं तो यह हास्यास्पद लगता है।

उन्होंने पूछा कि प्रधानमंत्री यह बताएं कि उनको इस बारे में पता कैसे चला।

उन्होंने कहा, साहब आप ही देश चला रहे हैं। ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग आपके ही पास हैं। यदि ऐसा है तो आरोप क्यों लगा रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी हैं। उन्हें उन लोगों के खिलाफ छापेमारी करानी चाहिए जिन पर उन्हें नकदी से भरे टेम्पो भेजने का संदेह है। कुमार उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के बिहार में दो दिवसीय दौरे पर आने और पटना में रोड शो किए जाने के बारे में पूछे जाने पर कहा, चुनाव के समय आते हैं। कोरोना काल के दौरान जब लोग यहां मर रहे थे, गुरुग्राम और दिल्ली से पैदल चलकर यहां आ रहे थे, तो क्या वह यहां आए थे। चुनाव है, तो आएंगे ही। चुनाव जीतकर प्रधानमंत्री बनने पर अपने भतीजा को बीसीसीआई का सचिव बनाएंगे।

कन्हैया ने कहा कि बिहार के लोगों को भी उनसे पूछना चाहिए था कि उन्होंने इस प्रदेश के लिए 1.25 लाख करोड़ रुपए के विशेष पैकेज का जो वादा किया था वह अभीतक क्यों नहीं दिया। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में बेगूसराय से अपना भाग्य आजमा चुके कुमार ने कहा कि ह्यइंडियाह्ल गठबंधन के बनने से इस बार यहां संसदीय क्षेत्र में परिस्थितियां बदल गयी हैं। उन्होंने कहा कि ना केवल बेगूसराय के मतदाता इस बार यहां बदलाव करेंगे बल्कि बिहार समेत पूरे देश में इंडिया गठबंधन की लहर है। कैन्हैया ने कहा कि उन्हें लगता है कि राजग की सरकार नहीं बनेगी, बल्कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी।

दिल्ली में चुनाव प्रचार के लिए दक्षिण से लाए गए विशेष रथ, बीजेपी नेता भरेंगे हुंकार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राजधानी दल्लिीम की सात लोकसभा सीटों पर 25 मई को मतदान होना है। ऐसे में तमाम राजनीतिक दलों ने अपना-अपना प्रचार-प्रसार तेज कर दिया है। इसी कड़ी में बीजेपी अब दिल्ली में हाईटेक प्रचार करने के मोड़ में उतर आई है। बीजेपी नेता अब रथ पर सवार होकर मतदाताओं से वोट मांगेंगे। बकायदा, इसके लिए साउथ से बीजेपी ने स्पेशल रथों को दिल्ली बुलाया है। साउथ से मंगाए गए विशेष रथ अब राजधानी की सड़कों पर घूमेंगे। दरअसल, चुनाव से पहले पीएम मोदी की दो बड़ी रैली देश की राजधानी में आयोजित की जाएगी। वहीं, बीजेपी उससे पहले ही दिल्ली के लोगों के बीच पहुंचने के लिए अब अपना प्रचार हाईटेक और डिजिटल कर दिया है। दक्षिण के जो रथ हैं वह अब दिल्ली में भाजपा के लिए प्रचार करेंगे। भाजपा के बड़े और दिग्गज नेता इन रथों पर सवार होकर दिल्ली की जनता को साधने की कोशिश

करेंगे। खास बात यह है कि इन रथों पर भाजपा के साथ लोकसभा के प्रत्याशियों के फोटो और बैनर लगाए गए हैं। साथ ही रथ पर पीएम मोदी का एक बड़ा पोस्टर भी लगाया गया है। बता दें, दक्षिण भारत से तीन बड़े रथ और एक छोटा रथ दिल्ली में प्रचार के लिए आया है। इसकी खासियत यह है कि उनकी जो छत है वह हाइड्रोलिक के जरिए काफी ऊंची उठ जाती है। इसके आलावे, इस रथ की विशेषता यह है कि इसमें काफी स्पेस भी है। ज्यादा संख्या में लोग इस रथ पर सवार हो सकते हैं। इसके साथ ही रथ के अंदर एक एसी रूम भी है। इस रथ के अंदर नेताओं के लिए काफी व्यवस्थाएं है। यह रथ हाईटेक होने के साथ-साथ आधुनिक भी है।

इनकम टैक्स बिल्डिंग में लगी भीषण आग

नई दिल्ली। मध्य जिले के आईटीओ स्थित इनकम टैक्स ऑफिस (सीआर बिल्डिंग) में मंगलवार दोपहर अचानक आग लग गई। मामले की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के अलावा दमकल विभाग की 21 गाड़ियां मौके पहुंची और आग बुझाने के काम शुरू किया। इस घटना के दौरान इनकम टैक्स दफ्तर में अफरातफरी का माहौल बन गया। हालांकि दमकल विभाग की टीम ने घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग के मुताबिक, पुलिस मुख्यालय के सामने आईटीओ स्थित सीआर बिल्डिंग में आग लगने के बारे में दोपहर 2:25 बजे एक कॉल आई। गर्ग ने कहा कि सूचना पर एक-एक कर करीब 21 दमकल गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। इनकम टैक्स का ये ऑफिस आईटीओ इलाके के सीआर बिल्डिंग में मौजूद है। आग इतनी भयानक थी कि आसपास के कमरों के लोगों को घुटन महसूस होने लगी। लोग इधर-उधर भागने लगे थे।

हालांकि, समय रहते लोग वहां से सुरक्षित बाहर निकल आए। वहीं, इस बिल्डिंग के अंदर सात लोग फंस गए थे। जिनमें पांच पुरुष के दो महिलाएं शामिल थीं। सभी को दमकल विभाग ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। घटना से जुड़ा एक वीडियो सामने आया है जिसमें एक महिला खिड़की के रास्ते सीढ़ी की मदद से नीचे उतर रही है। फिलहाल, आग कैसे लगी है इस बारे में स्पष्ट तौर से कोई जानकारी नहीं है। फिलहाल आईपी स्टेट थाना पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

दूसरे व्यक्ति के पासपोर्ट पर यात्री को कनाडा भेज रहे दो एजेंट गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

आईजीआई एयरपोर्ट से एक यात्री को दूसरे शख्स के पासपोर्ट पर कनाडा भेजने का मामला सामने आया है। मामले में यात्री व दो एजेंट को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान नवजोत, सपिन्द्र सिंह और जगदेव सिंह के रूप में हुई है। डीसीपी उषा रंगनानी के अनुसार 8 मई को एक भारतीय शख्स आईजीआई एयरपोर्ट से कनाडा जाने के लिए आया था। उसने जांच के दौरान अपना पासपोर्ट दिखाया, जिसपर हरदीप सिंह लिखा था, लेकिन इस पर लगी तस्वीर से यात्री का चेहरा मेल नहीं खा रहा था। पूछताछ में उसने कबूल किया कि यह किसी अन्य शख्स का पासपोर्ट है। उसका नाम नवजोत सिंह है। इस बाबत मामला दर्ज कर आरोपी यात्री को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

नवजोत ने पुलिस को बताया कि उसके गांव के कई लोग विदेश में रहते हैं। वह भी उनकी तरह अच्छी कमाई के लिए विदेश जाना चाहता था। वर्ष 2019 में डंकी रूट से कप्तान सिंह एजेंट ने उसे अमेरिका भेजा था, लेकिन मई 2020 में उसे अमृतसर डिपोर्ट कर दिया गया। इस बाबत पंजाब में उसके खिलाफ मामला दर्ज हुआ था। यहां आकर वह खेती करने लगा। वह दोबारा विदेश जाना चाहता था। इस दौरान वह सपिन्द्र सिंह से मिला, जिसने 28 लाख रुपये में उसे कनाडा भेजने का वादा किया। उसने सपिन्द्र को 6 लाख रुपये नकद दिए थे। एजेंट ने उसके टिकट एवं होटल में ठहरने का बंदोबस्त किया, लेकिन वह पकड़ा गया। इसके बाद पुलिस ने सपिन्द्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया। सपिन्द्र ने पुलिस को बताया कि जगदेव सिंह की मदद से उसने हरदीप सिंह के पासपोर्ट का इंतजाम किया था, जो यात्री जैसा दिखता था। इसके लिए तीन लाख रुपये उसने जगदेव को दिए थे। पुलिस ने जगदेव को भी पटियाला से गिरफ्तार कर लिया।

नारायणा फ्लाईओवर पर एक ज्वाइंट को ठीक करने में लगे 12 दिन

कार्य की गति को देखते हुए 25 मई तक का समय लग सकता है

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नारायणा फ्लाईओवर पर चल रहे मरम्मत कार्य से लाखों वाहन चालकों को जाम का सामना करना पड़ रहा है। यहां पर तय लक्ष्य के मुताबिक 21 मई तक तीनों ज्वाइंट के मरम्मत कार्य होने हैं, लेकिन कार्य की गति देखकर ऐसा होने की संभावना कम ही है। अभी तक पीडब्ल्यूडी ने सिर्फ एक ज्वाइंट को ठीक किया है। बुधवार तक दूसरे ज्वाइंट का मरम्मत कार्य पूरा होने की उम्मीद है, वहीं तीसरे ज्वाइंट पर अभी खुदाई का कार्य चल रहा है। ऐसे में अभी वाहन चालकों की परेशानी कम होने वाली नहीं है। जानकारी के अनुसार धौला कुआं से मायापुरी जाने की दिशा में नारायणा फ्लाईओवर पर मरम्मत कार्य किया जा रहा है। पीडब्ल्यूडी ने 20 दिन के भीतर यहां तीनों ज्वाइंट के मरम्मत कार्य का दावा करते हुए ट्रैफिक पुलिस से फ्लाईओवर बंद करने के लिए कहा था। सूत्रों ने बताया कि मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद इसे सूखने में लगभग एक सप्ताह का समय लगेगा। ऐसे में फ्लाईओवर खुलने में 25 मई तक का समय लगने की संभावना है। यहां मरम्मत कार्य के चलते वाहन चालकों को लगभग दो किलोमीटर तक जाम का सामना करना पड़ रहा है। फ्लाईओवर के दूसरी तरफ व्यस्त समय में दोनों दिशाओं का ट्रैफिक चलाया जा रहा है, जिससे कुछ राहत है। फिर भी यहां लोगों को तीन किलोमीटर का सफर तय करने में 15 से 20 मिनट का समय लग रहा है।

सरकारी स्कूंलों का रिजल्ट शानदार, सीएम केजरीवाल बोले- दिल्ली के सरकारी स्कूलों पर बढ़ा पैरेंटस का भरोसा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली सरकार के स्कूकलों ने एक बार फरि से सीबीएसई के 12वीं और 10वीं के परीक्षा परणिामों में शानदार प्रदर्शन कयिा है। इस साल दिल्ली के सरकारी स्कूलों का रजिल्टी 96.99% रहा है। वहीं, पूरे देश में सीबीएसई 12वीं का रिजल्ट 87.98 % रहा है। साथ ही सीबीएसई 10वीं बोर्ड में भी केजरीवाल सरकार के स्कूलों का प्रदर्शन शानदार रहा है। इस साल यहां के सरकारी स्कूलों में 10वीं बोर्ड के नतीजे 94.2% रहे हैं जो पिछले साल की तुलना में 8.36% अधिक रहे हैं।

इस मौके पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह न केवल पिछले साल के हमारे अपने प्रदर्शन बल्कि सीबीएसई के राष्ट्रीय औसत से भी आगे निकल गया है। सीएम ने इस शानदार प्रदर्शन के लिए सभी छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों और पूरे शिक्षा विभाग को बधाई दी। इस मौके पर शिक्षामंत्री आतिशी ने भी सभी स्टूडेंट्स-टीचर्स और पेरेंट्स को बधाई देते हुए कहा कि एक बार फिर दिल्ली सरकार के स्कूलों ने साबित कर दिया कि वो देशभर में अव्वल है। ये दिल्ली की शिक्षा क्रांति और हमारे टीचर्स और स्टूडेंट्स की कड़ी मेहनत का परिणाम है कि केजरीवाल सरकार के स्कूलों का रिजल्ट देशभर के सरकारी स्कूलों से ज्यादा रहा।

सरकारी स्कूलों पर पेरेंट्स का हर साल बढ़ रहा भरोसा

शिक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले दिल्ली सरकार के स्कूलों में आए शानदार बदलावों की बदौलत पेरेंट्स का दिल्ली सरकार के स्कूलों के प्रति भरोसा साल दर साल बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि पेरेंट्स के इस भरोसे को कायम रखने के लिए केजरीवाल सरकार लगातार प्रयास कर रही है और मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के नेतृत्व में हम अपने स्कूलों में पढ़ रहे हर बच्चे को क्वालिटी एजुकेशन प्रदान कर रहे है। जो बच्चे परीक्षा उतीर्ण नहीं कर सके है उन्हें सन्देश देते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा है कि वे बच्चे जो किसी कारण मुख्य परीक्षा में उतीर्ण नही हो सकें है वो निराश न हो बल्कि कड़ी मेहनत करते हुए अपने रिजल्ट को सुधारने का प्रयास करें। बता दे कि इस साल केजरीवाल सरकार के स्कूलों के 151429 बच्चे 12वीं बोर्ड की परीक्षा में शामिल हुए। इनमें से 146885 बच्चों ने परीक्षा पास की। इस साल नतीजे 96.99% रहे है जो पिछले साल 91.59% की तुलना में 5.4% और सीबीएसई के राष्ट्रीय औसत से 9% से भी अधिक है। इस साल 307 सरकारी स्कूलों का रिजल्ट शत प्रतिशत रहा । बता दें कि, इस साल दिल्ली सरकार के 307 स्कूलों का रिजल्ट शत प्रतिशत रहा है जो पिछले साल 118 की तुलना में ढाई गुणा ज्यादा बढ़ा है ।साथ ही इस साल 863 स्कूलों का परिणाम 90% से अधिक रहा। पिछले साल केजरीवाल सरकार के 647 स्कूलों के नतीजे 90% से अधिक थे। 10वीं बोर्ड में इस बार केजरीवाल सरकार के स्कूलों ने शानदार प्रदर्शन किया है और अपने पिछले नतीजों में शानदार सुधार किया है। 10वीं के बोर्ड नतीजों में केजरीवाल सरकार के स्कूलों का रिजल्ट 94.2% रहा है। पिछले साल के 85.84% की तुलना में ये 8.36% अधिक है। 10वीं बोर्ड के नतीजों में केजरीवाल सरकार के स्कूल देशभर के सरकारी स्कूलों से अव्वल साबित हुए हैं।

दिल्ली हाई कोर्ट ने सिसोदिया की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत पर दिल्ली हाई कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई। इस दौरान जमानत की मांग करते हुए दलील दी गई कि अभी भी इस मामले में ईडी और सीबीआई की जांच जारी है। वरिष्ठ वकील दायन कृष्णन ने कहा कि इस मामले में अभी भी गिरफ्तारी जारी है। दिल्ली हाईकोर्ट ने सिसोदिया की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया। मामले में ईडी और सीबीआई ने भी कोर्ट में अपनी दलीलें रखीं। सुनवाई के दौरान दायन कृष्णन ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का जिक्र किया और कहा कि सीबीआई ने इस मामले में एक मुख्य चार्जशीट और दो पूरक चार्जशीट दाखिल की है। वहीं ईडी ने एक मुख्य और छह पूरक चार्जशीट दाखिल की है। दोनों मामलों में अभी जांच जारी है। इस मामले में अभी गिरफ्तारी भी जारी है। सबसे ताजा गिरफ्तारी 3 मई को की गई है।

दायन कृष्णन ने कहा कि एक आरोपी के खिलाफ तो अभी आरोप भी तय नहीं किए गए हैं। ट्रायल कोर्ट ने सिसोदिया की जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान इस पहलू पर गौर नहीं किया। उन्होंने कहा कि क्या अभियोजन पक्ष ने ट्रायल पूरा करने की कोशिश की है। इसका जवाब है कि नहीं। ट्रायल कोर्ट में आरोपी की कोशिशों पर ही कुछ कार्यवाही आगे बढ़ी है। उन्होंने कहा कि आरोपी ने जल्द सुनवाई के लिए दो बार याचिका लगाई, ऐसे में ये कहना गलत होगा कि आरोपियों की ओर से ट्रायल में देरी की जा रही है। हकीकत ये है कि ट्रायल शुरू करने की दिशा में शून्य काम हुआ है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुताबिक मनीष सिसोदिया को जमानत दी जानी चाहिए। बता दें कि 30 अप्रैल को राउज एवेन्यु कोर्ट ने सीबीआई और ईडी की ओर से दर्ज केस में सिसोदिया की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया था। इसी आदेश को सिसोदिया ने दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई के दौरान ईडी ने सिसोदिया की जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि प्रॉफिट मार्जिन को सात फीसदी से बढ़ाकर 12 फीसदी करने को सही ठहराने को लेकर कोई बैठक या चर्चा नहीं की गई।

अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा द्वारा ब्राह्मण सम्मेलन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा नगरपालिका खोडा के तत्वाधान मे चिरंजीवी भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव और ब्राह्मण सम्मेलन श्री हनुमान मन्दिर कला इनक्लेव मे मनाया गया, जिसकी अध्यक्षता पं. उपेन्द्र मिश्रा और मुख्य अतिथि पं. जयनन्द शर्मा जी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की जिसमे संगठित हो राष्ट परम् वैभव को प्राप्त हो नगरपालिका परिषद पू. सभासद जिला सचिव पं पंकज त्रिपाठी जी खोडा ईकाई अध्यक्ष पं रुपचन्द्र तिवारी, महामंत्री पं रन्जीत पाण्डेय, मंत्री सन्तोष मिश्रा , अंकित दूबे दिनेश शुक्ला अमित शुक्ला जी रवि गोस्वामी विजय झा जी आदेश पाण्डेय अंजेश शर्मा दीपक आजाद पं मानवेन्द्र मिश्रा रामअनुज मिश्रा विकास तिवारी नितिन तिवारी विनोद तिवारी शिवनाथ तिवारी अर्जुन तिवारी नवदीप मिश्रा व ब्राह्मण समाज के सभी सम्मानित बंधु जनों उपस्थिति रही। कार्यक्रम समाप्ति के बाद भगवान श्री परशुराम जी की आरती और प्रसाद वितरण के बाद ब्रह्म भोज (भंडारे) का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने प्रसाद लिया।

उत्कृष्टता का सपना पूरा करना: नारायण स्कूल ने सीबीएसई 10वीं और 12वीं 2024 बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

- नारायण के छात्रों ने सीबीएसई 10वीं और 12वीं 2024 परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। 10वीं परीक्षा में नारायणवादियों द्वारा प्राप्त उच्चतम अंक 500 में से 498 अंक थे, और मानक 12वीं के लिए यह 500 में से 493 अंक थे।
- सीबीएसई 10वीं 2024 बोर्ड परीक्षा में नारायण के 9 छात्रों ने 495 से अधिक अंक प्राप्त किए।
- 2012 में नारायण के छात्रों ने सीबीएसई 10वीं 2024 बोर्ड परीक्षा में 90% से अधिक अंक प्राप्त किए।
- सीबीएसई 12वीं 2024 बोर्ड परीक्षा में नारायण के 667 छात्रों ने 90% से अधिक अंक प्राप्त किए।

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नारायण स्कूलों ने गर्व से वर्ष 2024 के लिए सीबीएसई 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन की घोषणा की। सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षाओं में, मुंबई, महाराष्ट्र के नारायण छात्र अगस्त्य रेमानी (रोल नंबर 15136452) ने असाधारण अंक हासिल किया। 500 में से 498 अंक प्राप्त किए, जो विभिन्न विषयों में उनकी उत्कृष्टता को दर्शाता है। सीबीएसई 12वीं बोर्ड परीक्षा में, मुंबई, महाराष्ट्र (एचटी नंबर 15609812) की नारायण कॉमर्स स्ट्रीम की छात्रा ख्याति शर्मा ने 500 में से प्रभावशाली 493 अंक हासिल किए, जिससे कॉमर्स स्ट्रीम के भीतर विविध विषयों में उनकी दक्षता और ज्ञान का प्रदर्शन हुआ। सीबीएसई 10वीं के नतीजों में नारायण के कुल 9 छात्रों ने 495 से ऊपर अंक हासिल किए, 49 छात्रों ने 490 से ज्यादा अंक हासिल किए और 156 छात्रों ने 485 से ज्यादा अंक हासिल किए। इस बीच, सीबीएसई 12वीं के नतीजों में, नारायण के 6 छात्रों ने 490 से अधिक अंक हासिल किए और 23 छात्रों ने 485 से अधिक अंक हासिल किए। ये उल्लेखनीय परिणाम एक बार फिर नारायण स्कूलों की प्रतिभाशाली दिमागों को पोषित करने और छात्रों को उनकी पूरी क्षमता हासिल करने के लिए सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हैं।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि के आलोक में, नारायण एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के निदेशक डॉ. पी. सिंधुरा और सुश्री पी. शरानी ने कहा, परिणाम छात्रों के समर्पण, कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता, शिक्षकों के प्रोत्साहन और मार्गदर्शन को दशार्ते हैं और माता-पिता द्वारा दिए गए सहयोग से शैक्षणिक उत्कृष्टता का उल्लेखनीय प्रदर्शन हुआ और रास्ते में सपने पूरे हुए। डॉ. पी. सिंधुरा ने कहा, सीबीएसई 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा में अपने छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से हम रोमांचित और बेहद गौरवान्वित हैं। डॉ. सिंधुरा ने कहा, दशकों के शोध के बाद तैयार किया गया हमारा एकीकृत पाठ्यक्रम छात्रों को प्रतिस्पर्धी दुनिया के लिए तैयार करता है। यह सीबीएसई, आईसीएसई, आईजीएसई, आईबी और अन्य पाठ्यक्रम के बेहतरीन पहलुओं को एकीकृत करता है, जिससे सभी विषयों में वैचारिक समझ बढ़ती है। यह बुनियादी बातों की मजबूत पकड़ हमारे छात्रों को उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से सुसज्जित करती है। उन्होंने एनस्पोर्ट्स - आयु-उपयुक्त खेल पाठ्यक्रम और दिशा - मानसिक कल्याण कार्यक्रम पर ध्यान केंद्रित करते हुए छात्रों के समग्र विकास पर जोर दिया, जो छात्रों की मदद करते हैं। बिना किसी दबाव के अपनी शैक्षणिक यात्रा को आगे बढ़ाएं।

पी. शरानी ने सभी छात्रों को उनकी सराहनीय सफलता के लिए बधाई दी और संस्थान के संकाय के प्रति आभार व्यक्त किया। संस्थान की शक्तियों का विवरण देते हुए उन्होंने कहा, हमारा सूक्ष्म कार्यक्रम, शिक्षा वितरण की एक उच्च संगठित और अनूठी प्रणाली सुनिश्चित करती है हमारे छात्रों के लिए आकर्षक, आनंददायक और प्रभावी शिक्षण। प्रत्येक विषय को समझने योग्य अवधारणाओं में सरल बनाया गया है और शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों को पूरे शैक्षणिक वर्ष में प्रगति के बारे में स्पष्ट जानकारी प्रदान करने के लिए समय सारिणी के साथ समन्वयित किया गया है इन जानकारियों के आधार पर, हम छात्रों की दक्षता के स्तर से मेल खाने के लिए असाइनमेंट तैयार करते हैं और अतिरिक्त संसाधनों की सिफारिश करके और व्यक्तिगत ध्यान प्रदान करके ज्ञान में अंतर को पाटते हैं। निदेशकों ने संस्थान में मौजूद तकनीक-सक्षम ढांचे पर भी प्रकाश डाला। हमारे प्रमुख एप्लिकेशन, एनलर्न के साथ, छात्र आकर्षक सामग्री तक पहुंच सकते हैं, समस्या सेट का अभ्यास कर सकते हैं, असाइनमेंट और परीक्षणों का प्रयास अपनी गति से कर सकते हैं। सामग्री और प्रश्न छात्र की क्षमता और समझ के आधार पर तैयार किए जाते हैं जो सीखने को अनुकूल बनाता है और समझ और अनुप्रयोग को अधिकतम करता है

हर विषय का. इसके अलावा, जब भी छात्रों को अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता होती है, तो उनकी सहायता के लिए ई-पुस्तकें और नोट्स जैसी अतिरिक्त सामग्री एप्लिकेशन पर उपलब्ध होती है, डॉ. सिंधुरा ने कहा।

चार दशकों से अधिक समय से, नारायण स्कूलों ने उत्कृष्टता की परंपरा को कायम रखा है, और हर साल लगातार शिक्षा में उच्च मानक स्थापित किए हैं। नारायण स्कूल छात्रों को उनकी पूरी क्षमता का एहसास करने के लिए मार्गदर्शन करने, उन्हें अपने सपनों को हासिल करने के लिए सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, क्योंकि नारायण में, आपके सपने हमारे सपने हैं।

नारायण स्कूलों के बारे में

500 से अधिक शाखाओं वाला नारायण स्कूल, नारायण शैक्षणिक संस्थानों का एक बड़ा हिस्सा है, जो शिक्षा के क्षेत्र में 45 वर्षों से अधिक की विरासत के साथ एशिया के सबसे बड़े और सम्मानित शिक्षा समूहों में से एक है। नारायण एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के पास 23 भारतीय राज्यों में 800 से अधिक स्कूलों, कॉलेजों, कोचिंग सेंटरों और पेशेवर कॉलेजों का एक विशाल नेटवर्क है। इसमें गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के अलावा 50,000 से अधिक उच्च अनुभवी शिक्षकों, अनुसंधान एवं विकास प्रमुखों और विषय वस्तु विशेषज्ञों की एक टीम है, जो किंडरगार्टन से लेकर स्नातकोत्तर अध्ययन तक हर साल 600,000 से अधिक छात्रों को उनकी शिक्षा में मदद करते हैं। संस्था किंडरगार्टन से लेकर वरिष्ठ माध्यमिक अध्ययन तक युवा दिमागों को पोषित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उनका केंद्रीय ध्यान पाठ्यचर्या और सह-पाठ्यचर्या डोमेन के बीच एक सामंजस्यपूर्ण संतुलन बनाने पर रहता है ताकि छात्र अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच सकें। इसके अलावा, वे छात्रों को इंजीनियरिंग, मेडिकल, सीए और सिविल सेवा स्ट्रीम में उनकी महत्वाकांक्षाओं को साकार करने में मदद करने के लिए व्यापक शैक्षणिक कार्यक्रम पेश करते हैं, जो करियर-उन्मुख शिक्षण के प्रति उनके दृढ़ समर्पण को प्रदर्शित करते हैं। यह नारायण के अभिप्राय का सार प्रस्तुत करता है। इसके साथ, नारायण देश भर में लाखों लोगों के सपनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है क्योंकि नारायण में, आपके सपने हमारे सपने हैं।

स्वाति मालीवाल मामले में केजरीवाल गंभीर, सख्त कार्रवाई के निर्देश- संजय सिंह

पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि सोमवार को एक बहुत ही निंदनीय घटना घटी। स्वाति मालीवाल सोमवार सुबह अरविंद केजरीवाल के आवास पर मिलने के लिए पहुंची थीं। वो ड्राइंग रूम में बैठ कर इंतजार कर रही थीं। इस बीच विभव कुमार वहां आते हैं और उन्होंने स्वाति मालीवाल के साथ बदतमीजी, अभद्रता की। स्वाति मालीवाल ने इस पूरे मामले की जानकारी 112 नंबर पर कॉल करके दिल्ली पुलिस को दी। इस घटना की जितनी निंदा की जाए उतनी कम है। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने पूरी घटना को संज्ञान में लिया है और इस पूरे मामले में सख्त कार्रवाई करने के कहा है। स्वाति मालीवाल ने देश और समाज के लिए बड़े काम किए हैं। वो पार्टी की पुरानी और सीनियर लीडर्स में से एक हैं। हम सब उनके साथ हैं। इस पूरे प्रकरण को मुख्यमंत्री ने निश्चित रूप से गंभीरता से संज्ञान मे लिया है और इसपर कार्रवाई करेंगे। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी ऐसे लोगों का बिल्कुल समर्थन नहीं करती है।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

खुली निविदा सूचना

पत्र संख्या. 128-डब्लू/280/निविदा सूचना/24-25/डब्लू– I (NIT-06) **दिनांक: 13.05.2024**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल अभियंता/प्रथम, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्य के लिए ई–टेंडर के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम	कि.मी. 90/29-31 पर 37/27-9 और 54 पर समपार संख्या 23 का उन्मूलन एडीईएन/पीएनपी के तहत एसएसई/डब्ल्यू/एसएनपी और पीएनपी के अनुभाग में डीयूके अनुभाग पर आरयूबी के निर्माण द्वारा।
अनुमानित लागत	रु. 111451790.07/–
धरोहर राशि	रु. 707300/– (यह नेट बैंकिंग या केवल भुगतान gate way के रूप में होना चाहिए। नोट : एफ.डी.आर या डिमांड ड्राफ्ट के रूप में ई.एम.डी स्वीकार नहीं की जाएगी। (रेलवे बोर्ड के पत्र संख्या 2015/सीई-1/सीटी/5/1 दिनांक 31.08.2016) के अनुसार आई.आर.ई.पी.एस. पर आमंत्रित निविदा के लिए।
समापन अवधि	18 महीने
ई–निविदा खोलने और प्रस्तुत करने के लिए दिनांक और समय	07.06.2024 को 15:00 बजे तक प्रस्तुत करने तथा निविदा खुलने का समय दिनांक 07.06.2024 को 15:00 बजे।
निविदा की वेब साइट जहां निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है	**www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।
सामान प्रकार के कार्य	बॉक्स पुशिंग/पाइप पुशिंग विधि से पुलों/सीमित हाई सबवे का निर्माण

नोट :– शपथ पत्र संलग्नक XXIV अनिवार्य रूप के रूप में निविदा शर्तों के साथ संलग्न नए प्रारूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। और सभी संलग्न दस्तावेज निविदाकर्ता द्वारा स्वयं सत्यापित किया जाना चाहिए। **1446/24**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com

नई दिल्ली, बुधवार, 15 मई, 2024

दिल्ली के सभी बड़े अस्पतालों में चलता है वसूली का खेल

आरएमएल में रिश्वतखोरी से पहले कब-कब सामने आई ऐसी घटनाएं

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

मरीजों को जल्द जांच और इलाज कराने के नाम पर दिल्ली के ज्यादातर बड़े सरकारी अस्पतालों में रिश्वत व पैसे वसूलने का खेल चलता है।

अस्पतालों में बड़ी संख्या में दलाल भी सक्रिय रहते हैं, जो मरीजों से पैसा वसूले हैं। ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए एम्स ने 24 फरवरी को एक वाट्सएप हेल्पलाइन नंबर (9355023969) जारी किया था। एम्स को इस हेल्पलाइन नंबर पर अब तक पांच शिकायतें मिली हैं। हेल्पलाइन जारी करने का मकसद यह था कि यदि कोई एम्स में ओपीडी कार्ड बनवाने, जल्दी इलाज व जांच कराने का भरोसा देकर रिश्वत की मांग करता है तो लोग उसके खिलाफ शिकायत कर सकें। एम्स प्रशासन का कहना है कि इस हेल्पलाइन पर अब तक मिली शिकायतों पर कार्रवाई चल रही है।

जल्दी इलाज के नाम पर लेते थे पैसे 25 नवंबर 2021 से दिसंबर 2023 के बीच एम्स में दो वर्षों में 149 दलाल पकड़कर पुलिस के हवाले किए गए थे। इनमें ज्यादातर निजी डायग्नोस्टिक लैब संचालकों के लिए काम करने वाले दलाल थे। कई मरीजों को जल्दी इलाज कराने के लिए पैसे लेते थे। आरएमएल में भी सीबीआई की कार्रवाई में मरीजों को भर्ती कराने, ओपीडी पंजीकरण कराने, मेडिकल प्रमाणपत्र बनवाने व जल्दी जांच कराने में अस्पताल के कर्मियों द्वारा रिश्वत लेने की बात सामने आई है। डॉक्टर ने बताया कि अस्पतालों में दबाव अधिक है। रेडियोलाजी जांच व सर्जरी में लंबी वेटिंग है। इसका फायदा उठाकर कुछ कर्मचारी मरीजों से रिश्वत लेते हैं। इंप्लांट उपलब्ध कराने वाले वेंडरों की होती है आसान पहुंच कार्डियक इंप्लांट तो ज्यादातर सरकारी अस्पतालों में रेट कांट्रेक्ट से उपलब्ध होते हैं। आथोर्पेडिक सहित उन बीमारियों के इलाज में कमीशन का खेल अधिक होता है, जिसके इप्लांट अस्पताल के स्टोर से नहीं होते। कई अस्पतालों में आथोर्पेडिक इंप्लांट के लिए रेट कांट्रेक्ट नहीं होता। इंप्लांट बनाने वाली कंपनियों के वेंडरों की अस्पतालों में पहुंच आसान है।

पूर्व में हुई घटनाएं

- सितंबर 2022- एम्स में गायनी विभाग के एक प्रोफेसर पर मरीज की सर्जरी के लिए 36 हजार रुपये रिश्वत मांगने का आरोप लगा था। इसके बाद डॉक्टर को राष्ट्रीय कैंसर संस्थान में स्थानांतरित कर दिया गया था। वह एम्स से स्वैच्छिक सेवानिवृति लेकर जा चुके हैं। लेकिन उनके खिलाफ कोई बड़ी कानूनी कार्रवाई नहीं हुई।
- मार्च 2023- सीबीआई ने सफदरजंग अस्पताल के न्यूरो सर्जरी के एसोसिएट प्रोफेसर मनीष रावत को गिरफ्तार किया था। उस पर मरीजों से सर्जरी व इंप्लांट उपलब्ध कराने के लिए पैसे मांगने का आरोप है। वह अस्पताल के नियमों को दरकिनार कर मेडिकल इंप्लांट के डीलरों व बिचौलियों से सांठगांठ कर इंप्लांट उपलब्ध कराता था। वह जेल में है।
- 17 मई 2023- एम्स में यूपी के बदायूं की रहने वाली एक महिला गिरफ्तार की गई थी, जो खुद को एम्स का जूनियर डॉक्टर बताकर जल्दी इलाज का झांसा देकर मरीजों से पैसा वसूलती थी।
- 8 मई 2024- आरएमएल अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग के दो डॉक्टर मेडिकल इंप्लांट बनाने वाले कंपनियों के डीलरों से पैसे लेने के आरोप में गिरफ्तार हुए। डॉक्टर कपंनियों व डीलरों द्वारा उपलब्ध कराए गए इंप्लांट अधिक इस्तेमाल कराने के लिए मरीजों को कहते थे।

दिल्ली : उड़ान के दौरान यात्रियों के कीमती आभूषण चुराने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

देश के कई राज्यों में जाने वाली उड़ानों में यात्रियों के हैंडबैग से आभूषण और अन्य कीमती सामान चुराने के आरोप में 40 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को बताया कि आरोपी की पहचान राजेश कुमार के रूप में हुई है। उसने वारदात को अंजाम देने के लिए करीब 110 दिनों के भीतर कम से कम 200 विमान यात्राएं कीं। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक संवाददाता सम्मेलन में पुलिस उपायुक्त (आईजीआई) ऊषा रंगनानी ने बताया कि कपूर को पहाड़गंज से गिरफ्तार किया गया। उसने वहां कथित तौर पर चुराए हुए आभूषण रखे थे।

उन्होंने बताया कि आरोपी आभूषणों को 46 वर्षीय शरद जैन को बेचना चाहता था। पुलिस ने जैन को भी करोल बाग से गिरफ्तार कर लिया।

रंगनानी ने बताया कि पिछले तीन महीने के दौरान अलग-अलग उड़ानों में चोरी के दो अलग-अलग मामले सामने आए, जिसके बाद अपराधियों को पकड़ने के लिए आईजीआई हवाई अड्डे की एक टीम का गठन किया गया।

उन्होंने बताया कि एक यात्री 11 अप्रैल को हैदराबाद से दिल्ली की यात्रा कर रहा था, लेकिन इस दौरान विमान में ही उसके सात लाख रुपये के आभूषण चोरी हो गए। इसके बाद दो फरवरी को चोरी की एक और वारदात सामने आई। एक यात्री अमृतसर से दिल्ली की यात्रा कर रहा था और इस दौरान उसके 20 लाख रुपये के

आभूषण चोरी हो गए।

रंगनानी ने बताया कि चोरी के इन मामलों की जांच के दौरान, दिल्ली और अमृतसर हवाई अड्डों के सीसीटीवी फुटेज और उड़ान संबंधी साक्ष्यों की जांच की गई। उन्होंने बताया कि इस मामले में एक संदिग्ध व्यक्ति की पहचान की गई जिसने उन दोनों विमानों में यात्रा की थी, जिनमें चोरी का मामला सामने आया था।

अधिकारी ने बताया कि संदिग्ध यात्री का फोन नंबर संबंधित एयरलाइंस से लिया गया, लेकिन उसने विमान की टिकट बुकिंग करते समय एक फर्जी नंबर दर्ज कराया था। पुलिस उपायुक्त ऊषा ने बताया कि तकनीकी निगरानी के बाद कपूर के सही फोन नंबर का पता चला और फिर उसे पकड़ा गया। पुलिस ने बताया कि उससे कड़ी पूछताछ की गई, जिसके बाद आरोपी ने पांच ऐसे मामलों में शामिल होने का अपराध कबूल किया। उसने खुलासा किया कि उसने ज्यादातर नकदी ऑनलाइन और ऑफलाइन जुए में खर्च की। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी कपूर अपने लिए आसान निशाने खोजता था। वह खासकर अंतरराष्ट्रीय यात्रा करने वाली बुजुर्ग महिलाओं को निशाना बनाता था। अधिकारी ने बताया, आरोपी कपूर जानता था कि अधिकतर यात्री अपने हैंडबेग में कीमती सामान ले जाते थे, इसलिए वह प्रमुख घरेलू उड़ानों, विशेष रूप से एयर इंडिया और विस्तारा की उड़ानों में दिल्ली, चंडीगढ़ और हैदराबाद की यात्रा करता था। अधिकारी ने बताया कि विमान में चढ़ने के दौरान वह चुपके से ओवरहेड केबिनों की ओर जाता था और लक्षित यात्रियों के हैंडबैग से सावधानीपूर्वक कीमती सामान चुरा लेता था। यह वह समय होता था जब यात्री अपनी सीटें खोजते और बैठते थे। उन्होंने बताया कि कई बार तो वह अपनी सीट भी बदल लेता था, ताकि वह अपने निशाने के करीब बैठ सके। वह अपने काम के लिए ऐसा समय चुनता था जब यात्रियों का ध्यान विमान में चढ़ने या बैठने पर होता और कपूर की चोरी का पता ही नहीं चल पाता था। कपूर एयरलाइंस और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के पकड़े जाने के डर से अपनी पहचान बदलता था। वह अपने मृत भाई के नाम पर टिकट बुक करता था।

तिहाड़ जेल को बम से उड़ाने की मिली धमकी, प्रशासन को आया कॉल और मेल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली की तिहाड़ जेल को बम से उड़ाने की धमकी मिलने की घटना सामने आई है। जेल प्रशासन ने बताया कि उन्हें धमकी भरा कॉल आया था। प्रशासन ने इसकी सूचना दिल्ली पुलिस को दी। जेल को एक मेल भी मिला था। जांच शुरू की गई है, कुछ भी नहीं मिला है। सोमवार-मंगलवार को भी दिल्ली के कई अस्पतालों को भी बम से उड़ाने की धमकी भरे मेल मिल चुके हैं। इससे पहले भी दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। इससे पहले अस्पताल को मिली धमकियों दिल्ली के अस्पतालों को दूसरी बार मेल के जरिये बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पहली बार मेल रविवार को दोपहर तीन बजकर चार मिनट पर मिला था। दूसरी बार मेल सोमवार देर रात 12 बजकर 19 मिनट पर मिला है। दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान में मंगलवार को ओपीडी में पहुंचे मरीजों को सुरक्षा जांच के लिहाज से बाहर रोक दिया गया है। इस बार तिहाड़ जेल के महानिदेशक को भी मेल की गई है।

एहतियात के तौर पर अस्पताल परिसर में संदिग्ध वस्तु की तलाश की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, अस्पतालों को बम से उड़ाने की धमकी का ईमेल सोमवार देर रात 12:19 पर आया है। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली के दीप चंद बंधु अस्पताल, जीटीबी अस्पताल, दादा देव अस्पताल, हेडगेवार अस्पताल और अन्य सहित कई अस्पतालों में बम की धमकी वाला ईमेल प्राप्त हुआ है। मामले में तलाशी अभियान जारी है। दिल्ली अग्निशमन सेवा ने इसकी जानकारी दी है। इससे पहले 12 मई को भी दिल्ली के कई अस्पतालों को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इस संबंध में अस्पतालों को ईमेल आया था।

देह व्यापार से मना करने पर युवती की कर दी थी हत्या, आरोपी 16 साल बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

देह व्यापार से इन्कार करने पर युवती की हत्या करने के मामले में वांछित मुख्य आरोपित वीरेंद्र सिंह को क्राइम ब्रांच ने सालों तक जांच पड़ताल के बाद गिरफ्तार कर लिया।

हत्या के बाद 22 वर्षीय युवती के शव को संदूक में डालकर आरोपित घर के दरवाजे में बाहर से ताला लगा फरार हो गया था। घटना 2007 की है तब से यानी 16 साल से आरोपित फरार था। वारदात के कुछ दिन बाद घर के अंदर से तेज बदबू आने पर कालकाजी थाना पुलिस ने घर का ताला तोड़ संदूक से युवती का सड़ा गला शव बरामद किया था। आधार कार्ड पर लगी फोटो से हुई गिरफ्तारी

सालों तक पुलिस आरोपित को ढूंढने का प्रयास करती रही, लेकिन उसका कोई अता पता नहीं चला। अंततः 2007 में किरायेदार सत्यापन फार्म पर आरोपित द्वारा चिपकाए गए फोटो के आधार कार्ड पर उसका पता लगा दबोच लिया गया।

वर्ष 2007 की है घटना

डीसीपी क्राइम ब्रांच के मुताबिक वीरेंद्र सिंह, वैशाली, बिहार का रहने वाला है। कालकाजी थाने में दर्ज हत्या व अन्य कई मामले में इसे भगोड़ा घोषित कर दिया गया था। इस मामले का शिकायतकर्ता पेशे से प्राप्टी डीलर है वह कमीशन के आधार पर मकान

किराये पर देने का काम भी करता है।

16 साल से फरार था आरोपी

दो जून 2007 को वीरेंद्र सिंह ने किराए के घर के लिए शिकायतकर्ता से संपर्क किया था। जिसपर उन्होंने वीरेंद्र सिंह तीन हजार एडवांस लेकर घर दिलवा दिया था। वीरेंद्र सिंह युवती के साथ अगले ही दिन घर में शिफ्ट कर गया था। वीरेंद्र ने शिकायतकर्ता को आश्वासन दिया कि वह शेष पैसे अगले दिन दे देगा। घर से आ रही थी दुर्गंध अगले दिन जब शिकायतकर्ता ने शेष राशि के लिए वीरेंद्र सिंह से संपर्क किया तो उसने यह कहकर टाल दिया कि वह दो तीन दिन के लिए दिल्ली से बाहर है। इसी बीच यह हादसा हो गया। सात जून 2007 को शिकायतकर्ता जब वीरेंद्र सिंह के आवास पर गए तो वहां ताला लगा हुआ था और अंदर से दुर्गंध आ रही थी। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दे दी। दरवाजा खोलने के बाद घर में एक बड़ा ट्रंक मिला जिसमें युवती का शव था। कालकाजी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच के बाद शंकर घोष को गिरफ्तार कर लिया। वीरेंद्र सिंह फरार था। मामला दर्ज होने के समय एएसआइ रमेश की तैनाती कालकाजी थाने में थी वह उस दौरान उक्त क्षेत्र के बीट अधिकारी थे, जहां हत्या हुई थी।

उन्होंने वीरेंद्र सिंह का पता लगाने के लिए बहुत प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिला क्योंकि वह बार-बार स्थान बदल रहा था। कुछ समय बाद एएसआइ रमेश का वहां से तबादला हो गया और 2017 में उन्हें फिर से कालकाजी में तैनात किया गया। उन्होंने पता किया तो वीरेंद्र सिंह को फरार ही पाया गया।

हरियाणा के पानीपत में छिप गया था वीरेंद्र सिंह इस पर उन्होंने फिर से अन्य व्यक्तियों के माध्यम से वीरेंद्र सिंह के बारे में जानकारी जुटाना शुरू कर दिया जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से देह व्यापार के धंधे में शामिल था। जांच से पता चला कि वीरेंद्र सिंह हरियाणा के पानीपत में छिपा हुआ है। वहां छापे मारे गए, लेकिन कोई पता नहीं चल सका क्योंकि वह बार-बार अपना किराए का मकान बदल रहा था। बीते फरवरी में एएसआइ रमेश को एंटी गैंग स्क्वाड, क्राइम ब्रांच में तैनात किया गया। इसके बाद उन्होंने फिर मामले को चुनौती के रूप में लिया और एसीपी नरेश कुमार, इंस्पेक्टर पवन कुमार व विकास पन्नू के नेतृत्व में फिर से इस पर काम करना शुरू कर दिया।

स्वाति मालीवाल के आरोपों को लेकर एमसीडी में हंगामा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल के आरोपों को लेकर यहां दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) सदन में मंगलवार को हंगामा खड़ा हो गया। हंगामे के बीच महापौर ने सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। मालीवाल ने सोमवार को सिविल लाइंस थाने पहुंचकर आरोप लगाया था कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के एक निजी कर्मचारी वैभव ने मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर उनके साथ मारपीट की। कार्यवाही शुरू होते ही भाजपा और कांग्रेस के पार्षद आसन के करीब आकर केजरीवाल के खिलाफ नारे लगाने लगे और घटना को लेकर उनके इस्तीफे की मांग करने लगे। उन्होंने केजरीवाल हाय-हाय और केजरीवाल इस्तीफा दो के नारे लगाए। विपक्षी पार्षद महापौर के आसन के पास पोस्टर लेकर खड़े थे, जिन पर दलित महापौर को कुर्सी पर बिठाओ, दलित विरोधी केजरीवाल इस्तीफा दो नारे लिखे हुए थे। हंगामे के बीच महापौर ने सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी।

देश ने एक कुशल नेता खो दिया..., सुशील मोदी के निधन पर आरएसएस ने जताया दुख

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने कहा कि बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं सांसद सुशील कुमार मोदी के आकस्मिक निधन से अत्यंत दुःख पहुंचा है। हमारी संवेदनाएं उनके परिवार, असंख्य मित्रों और प्रशंसकों के साथ हैं। बिहार पर रहता था विशेष ध्यान संघ की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि सुशील जी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के समर्पित स्वयंसेवक थे और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महासचिव भी रहे। वे राष्ट्र और उसके कल्याण के प्रति सदैव चिंतित रहते थे, उनका विशेष ध्यान बिहार पर रहता था। उनके निधन से राष्ट्र ने एक जागृत सामाजिक कार्यकर्ता एवं कुशल राजनीतिक नेता खो दिया है। वे सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी और पारदर्शिता के आदर्श उदाहरण थे। हम उनके निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दुख की इस घड़ी में उनके परिवार को शक्ति प्रदान करें और दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करें। वहीं, आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने एक्स पोस्ट में कहा कि बिहार के भूतपूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी के निधन पर दयपूर्वक श्रद्धांजलि। विद्यार्थी परिषद से प्रारंभ होकर आपातकालीन संघर्ष तथा बिहार की राजनीति में उनका योगदान विशेष ही रहा। ईश्वर उन्हें सद्गति प्रदान करें... ऊं शांति।

दिल्ली के चार अस्पतालों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी के चार अस्पतालों को मंगलवार की सुबह ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली। इससे दो दिन पहले दिल्ली में 20 अस्पतालों, हवाई अड्डे और उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) कार्यालय को भी इसी तरह की धमकी मिली थी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है।

दिल्ली अग्निशमन सेवा के अधिकारियों ने बताया कि उन्हें जीटीबी अस्पताल, दादा देव अस्पताल, हेडगेवार अस्पताल और दीपचंद बंधु अस्पताल से बम की धमकी वाले ईमेल मिलने के बारे में फोन पर सूचना प्राप्त हुई। अधिकारियों ने कहा कि बम निरोधक दस्ता, बम का पता लगाने वाली टीम, अग्निशमन कर्मी और स्थानीय पुलिस तलाशी लेने के लिए मौके पर पहुंची।

दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी के मुताबिक, कॉल आने का सिलसिला सुबह 10.45 बजे शुरू हुआ। सुबह 10 बजकर 45 मिनट पर उत्तरी दिल्ली के अशोक विहार स्थित दीपचंद बंधु अस्पताल से दिल्ली अग्निशमन विभाग को पहली कॉल आई। अधिकारियों के अनुसार, दूसरी कॉल सुबह 10 बजकर 55 मिनट पर दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली के डाबरी स्थित दादा देव अस्पताल से, तीसरी कॉल सुबह 11 बजकर एक मिनट पर पूर्वी दिल्ली के फर्श बाजार स्थित हेडगेवार अस्पताल से और चौथी कॉल सुबह 11 बजकर 12 मिनट पर पूर्वी दिल्ली के शाहदरा स्थित जीटीबी अस्पताल से आई।

हेडगेवार अस्पताल के सुरक्षा अधिकारी बी के शर्मा ने कहा, पुलिस और बम निरोधक दस्ता जांच कर रहे हैं। हमने भी दो बार जांच की है। अब तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। पिछले एक महीने में यह चौथी बार है जब स्कूलों समेत विभिन्न जगहों पर इस तरह की धमकियां मिली हैं।

इससे पहले रविवार को 20 अस्पतालों और हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, दिल्ली के चाचा नेहरू अस्पताल को 30 अप्रैल को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। एक मई को लगभग 150 स्कूलों को रूस आधारित मेलिंग सेवा कंपनी से ईमेल से जरिए इसी प्रकार की धमकी मिली थी।

आईटीओ में सीआर बिल्डिंग में लगी आग, दमकल की 21 गाड़ियां बुझाने में जुटीं

नई दिल्ली। आईटीओ में आयकर सीआर बिल्डिंग में मंगलवार को आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और आग बुझाने में जुटी हैं। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अधिकारियों ने कहा कि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

आग पुराने पुलिस मुख्यालय के सामने स्थित इमारत में लगी है। अग्निशमन विभाग ने बताया कि दोपहर 3:07 बजे इनकम टैक्स सीआर बिल्डिंग में आग लगने की सूचना मिली। सूचना के बाद तुरंत मौके पर दमकल की 21 गाड़ियां मौके पर भेजीं। आगे की जांच और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मामले के बारे में स्थानीय पुलिस को भी सूचित किया है। सोशल मीडिया पर सामने आए कुछ वीडियो के अनुसार, इमारत में रहने वालों ने आग से बचने के लिए खिड़की के किनारे शरण ली।

आबकारी घोटाले से जुड़े धनशोधन के मामले में आप को बनाया जाएगा आरोपी : ईडी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय से कहा कि वह दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धनशोधन के मामले में आम आदमी पार्टी (आप) को आरोपी बनाएगी। धनशोधन मामले में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका का विरोध करते हुए ईडी ने यह बात कही। ईडी के वकील ने न्यायमूर्ति स्वर्णकांत शर्मा के समक्ष कहा, मामले में दायर की जाने वाली अगली अभियोजन शिकायत (आरोपपत्र) में आप को सह-आरोपी बनाया जा रहा है। जांच एजेंसी के वकील ने कहा कि मामले में आरोप तय करने की प्रक्रिया में देरी करने के लिए आरोपी व्यक्तियों द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं। सिसोदिया के वकील ने अपने मुवक्किल के लिए जमानत का अनुरोध करते हुए कहा कि ईडी और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) धनशोधन और भ्रष्टाचार मामले में लोगों को अभी भी गिरफ्तार कर रहे हैं और मुकदमे की सुनवायी जल्द पूरा होने का कोई सवाल ही नहीं है। जमानत याचिका पर आगे की बहस जारी है।

दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचे अभिनेता जैकी श्रॉफ

नई दिल्ली। अपने व्यक्तित्व और प्रचार अधिकारों की सुरक्षा की मांग को लेकर बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ ने दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया है। जैकी श्रॉफ द्वारा दायर मुकदमे पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति संजीव नरुला की पीठ ने प्रतिवादी संस्थाओं को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जैकी श्रॉफ ने उनकी सहमति के बिना उनके नाम, फोटो, आवाज और शब्द भिडू का उपयोग करने वाली विभिन्न संस्थाओं के खिलाफ मुकदमा दायर किया गया है। अदालत बुधवार को मामले में अंतरिम आदेश पारित करने पर विचार करेगी। जैकी श्रॉफ ने मुकदमा दायर कर तर्क दिया कि विभिन्न संस्थाएं व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए उनके नाम, छवि, नाम और आवाज का दुरुपयोग कर रही हैं।

अमिताभ बच्चन व अनिल कपूर को राहत दे चुका है हाई कोर्ट

जैकी श्रॉफ की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता प्रवीण आनंद ने कहा कि उनके मुवक्किल के नाम, छवि, आवाज और उनके व्यक्तित्व की विशेषताओं के दुरुपयोग से उनके व्यक्तित्व और प्रचार अधिकारों का उल्लंघन किया जा रहा है। इसी तरह के मामले में इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट सुपरस्टार अमिताभ बच्चन व अनिल कपूर को राहत दे चुका है।

श्री वेंकटेश्वरा के 42 छात्र-छात्राओं का ऐजुकान प्राइवेट लिमिटेड मे चयन

- श्री वेंकटेश्वरा के युवाओ को मिला स्थायी रोजगार एवं सम्मानित कैरियरः डा. राजीव त्यागी

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा/गजरौला। श्री वैंकटेश्वरा विश्वविद्यालय में देश की प्रतिष्ठित एजुकेशन कंसल्टेंसी कम्पनी ऐजुकॉन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा कैम्पस प्लेसमेन्ट ड्राईव-2024 का आयोजन किया गया, जिसमें गजरौला एवं मेरठ परिसर के 400 से अधिक छात्र-छात्राओ ने प्रतिभाग किया।तीन राउण्ड के कठिन साक्षात्कार के बाद कम्पनी ने 42 छात्र-छात्राओ को जॉब के लिए चयनित कर संस्थान प्रबन्धन के साथ मिलकर उनको ऑफर लेटर प्रदान किये।श्री वैंकटेश्वरा समूह संस्थापक अध्यक्ष डा. सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी ने चयनित छात्र-छात्राओ को शुभकामनाऐं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। संस्थापक अध्यक्ष डा. सुधीर गिरि ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं कौशल विकास के द्वारा वैंकटेश्वरा के छात्र-छात्राऐ देश-विदेश में सफलता का परचम

लहरा रहे है। हम अपने यहां अध्यनरत छात्र-छात्राओ को शानदार, सुरक्षित एवं स्थायी कैरियर देने के लिए दृढ संकल्पित है। श्री वैंकटेश्वरा विश्वविद्यालय के डा. सी.वी. रमन सभागार में कैम्पस प्लेसमेन्ट ड्राईव-2024 का शुभारम्भ संस्थापक अध्यक्ष डा. सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी, कम्पनी के एच.आर. प्रबन्धक सुश्री पायल तोमर, ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेन्ट निदेशक सौरभ मित्रा आदि ने सरस्वती माँ के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया। अपने सम्बोधन में संस्थापक अध्यक्ष डा. सुधीर गिरि ने कहा कि वैश्विक मंदी एवं कोरोना महामारी के बाद भी देश के स्किल्ड युवाओ विशेष रूप से प्रबन्धन, वाणिज्य सेक्टर में ढेरो रोजगार सम्भावनाएं है। प्रधानमंत्री के स्किल इण्डिया-डिजीटल इण्डिया जैसी कल्याणकारी शानदार योजनाओ से प्रेरणा लेकर देश निरन्तर विकास की ओर अग्रसर है। हम अपने यहाँ अध्ययनरत सभी छात्र-छात्राओ को एक सुरक्षित कैरियर देने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारे यहाँ प्रबंधन एवं बिजिनेस स्टडीज के छात्र-छात्राऐ देश विदेश मे उच्च पदो पर कार्यरत है।इस अवसर पर कुलसचिव डा. पीयूष पाण्डेय, डा. राजेश सिंह, डा. सर्वानन्द साहू, डा. दिव्या गिरधर, डा. लक्ष्मण सिंह रावत, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट मैनेजर सौरभ मित्रा, सलाहकार आर.एस. शर्मा, मारूफ चौधरी, मेरठ परिसर से डा. प्रताप सिंह, अरूण गोस्वामी, डा. विवेक सचान, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

जैकी श्रॉफ ने अपने नाम के अनधिकृत उपयोग को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

अभिनेता जैकी श्रॉफ ने वाणिज्यिक लाभ के लिए कई संस्थाओं द्वारा बिना लाइसेंस के उनके नाम और व्यक्तिगत विशेषता का उपयोग किए जाने के खिलाफ उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।

अभिनेता की ओर से पेश अधिवक्ता ने उत्पाद की बिक्री, रिंगटोन, वॉलपेपर के साथ-साथ अपमानजनक मीम और कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-एआई) के उपयोग के जरिए व्यक्तिगत और प्रचार अधिकारों के दुरुपयोग पर आपत्ति जताई। उन्होंने मराठी में बोल-चाल की भाषा के शब्द बिडू पर उनके ट्रेडमार्क अधिकारों के उल्लंघन का भी आरोप लगाया।

न्यायमूर्ति संजीव नरूला ने मुकदमे पर संस्थाओं को समन जारी किया

और आगे की सुनवाई के लिए मामले को बुधवार को सूचीबद्ध किया।

श्रॉफ के अधिवक्ता ने कहा कि उत्पादों को खरीदने के लिए उपभोक्ताओं को गुमराह करने की अनुमति किसी को नहीं दी जा सकती ताकि उन्हें लगे कि उत्पादों का समर्थन 200 से अधिक फिल्मों में काम कर चुके अभिनेता द्वारा किया गया है।

अधिवक्ता ने कहा, जैकी श्रॉफ काफी लोकप्रिय हैं। लोग सोचेंगे कि उनके द्वारा उत्पाद का समर्थन किया जा रहा। उनके नाम में यह योग्यता है कि किसी भी उत्पाद को बिक्री के लायक बना सके। उनकी सहमति के बिना ऐसा नहीं किया जा सकता।

अदालत को अवगत कराया गया कि श्रॉफ के अधिकारों का उल्लंघन करते हुए इंटरनेट पर मग, हस्ताक्षरित पोस्टर, बैग जैसे सामान बेचे जा रहे हैं। अधिवक्ता ने यह भी कहा कि मीम, छेड़छाड़ करके बनाई गई तस्वीर आदि के रूप में कुछ अपमानजनक और आपत्तिजनक सामग्री भी उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा, सभी उनके नाम, तस्वीर का उपयोग कर रहे हैं और मोटी कमाई कर रहे हैं। यह सब मानहानि करने वाली सामग्री है उनकी आवाज वाले ऑडियो में अभद्र शब्द हैं। इसमें कुछ भी वैध नहीं है। अधिवक्ता ने कहा कि कुछ प्रतिवादियों ने अब श्रॉफ की व्यक्तिगत विशेषता का अनधिकृत उपयोग बंद कर दिया है। श्रॉफ के अधिवक्ता ने अपने मामले के समर्थन में अभिनेता अमिताभ बच्चन और अनिल कपूर द्वारा इसी तरह के मुकदमों में उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेशों का जिक्र किया।

संजय सिंह ने स्वीकार किया- मुख्यमंत्री आवास पर हुई स्वाति मालीवाल से मारपीट

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री आवास पर पार्टी नेता और सांसद स्वाति मालीवाल के साथ दुर्व्यवहार और मारपीट के मामले में पहली बार आम आदमी पार्टी (आप) की ओर से बयान आया है। पार्टी के नेता संजय सिंह ने मारपीट की बात को स्वीकारा है और कहा है कि मुख्यमंत्री इस मामले में गंभीर हैं और सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आप सांसद संजय सिंह ने पार्टी मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में स्वाति मालीवाल के मामले पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि कल महिला सांसद मुख्यमंत्री आवास पर आयीं थीं। वे ड्राइंग रूम में इंतजार कर रहीं थीं। तभी विभव कुमार ने आकर स्वाति मालीवाल से बदतमीजी और अभद्रता की। यह निंदनीय घटना है। अरविंद केजरीवाल ने घटना का संज्ञान लिया है और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने कल पहले फोन पर फिर पुलिस से मौखिक शिकायत की थी कि दिल्ली मुख्यमंत्री आवास में उनके साथ मारपीट हुई है। पुलिस ने मामले की पुष्टि की थी। दिल्ली पुलिस ने रोजनामचा में स्वाति मालीवाल की शिकायत दर्ज की थी, जिसमें उन्होंने कहा, मैं अभी सीएम के घर पर हूं। उन्होंने अपने पीए वैभव कुमार से मुझे बुरी तरह पिटवाया है। हांलाकि स्वाति मालीवाल ने अब तक लिखित शिकायत नहीं दी है।

दिल्ली प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है कि वे इस घटना की निंदा करते हैं और पूरी घटना की जांच की मांग करते हैं। किसी भी महिला के साथ इस तरह का बर्ताव होने पर उसे न्याय मिलना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

मोटर पंप की चोरी

जमुई/गिद्धौर ःथाना क्षेत्र के मलहरा बहियार से कृषक नंदकिशोर सिंह के पुत्र सूरज कुमार सिंह के खेत में लगा सिंचाई मोटर पंप की चोरी बीते रात्रि चोरी द्वारा चोरी कर ली गई। मामले को लेकर पीड़ित किसान सूरज कुमार सिंह ने बताया कि एनएच 333 ए पेट्रोल पंप के निकट अवस्थित मलहरा बहियार खेत में सिंचाई के लिए बिजली चलित मोटर पंप लगा था। जिसे बीते रात्रि अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लिया गया है। जिसके कारण खेती में पटवन की समस्या उत्पन्न हो गई है। बताया की कुछ दिनों पहले ही अपने खेत में लगभग 60 हजार रूपय खर्च कर बोरिंग और मोटर पंप लगवाया था।बिजली मोटर पंप के चोरी हो जाने के इस मामले को लेकर पीड़ित किसान द्वारा गिद्धौर थानाध्यक्ष से लिखित शिकायत कर मामले में कार्रवाई की मांग की है।

विद्यालय शिक्षा समिति बैठक में विद्यालय संचालन से संबंधित बिंदुओं पर हुआ चर्चा

विद्यालय में शिक्षक पांच, लेकिन पढ़ाने के लिए कमरा एक, बीईओ को ज्ञापन देने पर विचार

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई/सिकन्दरा। प्रखंड के बिछबे पंचायत के सरसा गांव में उत्क्रमित मध्य विद्यालय सरसा के विद्यालय शिक्षा समिति सदस्य एवं ग्रामीणों के साथ एक बैठक किया गया। ज्ञात हो कि परिवार विकास/चाइल्ड फण्ड इन्टरनेशनल के तत्वावधान में 29 अप्रैल को कार्यक्षेत्र के विद्यालय शिक्षा समिति अध्यक्ष सचिव एवं छात्र छात्राओं का एक परिचर्चा प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के साथ किया गया था। जिसमें सबलबीघा और सरसा गांव के विद्यालयों की कुछ समस्या आई थी। सरसा गांव के वार्ड सदस्य सुरेन्द्र चौधरी एवं सरिता कुमारी ने प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को बताया कि हमारे गांव में उत्क्रमित मध्य विद्यालय है और बच्चों को पढ़ने के लिए मात्र एक कमरा है। जिससे पढ़ाई सुचारू रूप से नहीं हो पाता है इस पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी रूपम कुमारी के द्वारा बताया गया कि आप ग्रामीण लोग बैठक कर जमीन उपलब्ध कराऐं। हम विद्यालय निर्माण के लिए प्रयास करेंगे। इस पर परिवार विकास संस्थान और वार्ड सदस्य सुरेन्द्र चौधरी प्रधानाध्यापक साजन कुमार के पहल करने पर विद्यालय शिक्षा समिति सदस्य एवं ग्रामीणों की बैठक बुलाई गई। संस्थान के शिक्षा समन्वयक कपिल देव यादव ने कहा कि गांव के नौनिहाल बच्चे को अभी ठीक से शिक्षा नहीं मिल पाएगा तो उसका जीवन अंधकारमय हो जाएगा। अब अधिकांश विद्यालयों में शिक्षक की कमी नहीं है। यहां उत्क्रमित मध्य विद्यालय में वर्तमान में पांच शिक्षक हैं, लेकिन पढ़ाने के लिए मात्र एक कमरा है यह चिन्तनीय बिषय है।आप सभी लोग बच्चों के भविष्य को संवारने के लिए गहन चिंतन कर जगह की तलाश करें कि विद्यालय के लिए जरुरत के मुताबिक अतिरिक्त कमरे का निर्माण कैसे हो सकता है। इस पर पूर्व वार्ड सदस्य राजू यादव ने कहा कि इस विद्यालय के नाम से नौ डिसमिल जमीन है और अतिरिक्त जमीन के लिए तालाब की कुछ जमीन विद्यालय निर्माण हेतु उपयोग किया जा सकता है। भूना यादव बताया कि और पैंतीस डिसमिल जमीन और विद्यालय के नाम से है कि नहीं पता करना होगा। इस पर उपस्थित सभी सदस्यों और सचिव सुनिता देवी ने बताया कि पैंतीस डिसमिल आहर में जमीन है और गांव से एक किलोमीटर दूर है। इसलिए इसी विद्यालय के नाम से जो नौ डिसमिल जमीन है उसमें भवन निर्माण किया जाए और जरूरत पड़ने पर तालाब की कुछ जमीन को भर कर पूरा किया जाएगा। इस पर सभी लोगों ने सहमति जताई। और तय किया गया कि जो आज बैठक में फैसला हुआ है। उसे प्रधानाध्यापक रजिस्टर मेंटेन कर एक आवेदन बना कर शिक्षा समिति सदस्य और ग्रामीणों से हस्ताक्षर करवा कर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को दिया जाय। मौके पर रघुनंदन यादव, अरुण यादव, ललन चौधरी, महेश्वर पासवान, राजेन्द्र यादव, गीता देवी, मिन्ता देवी, कमरूद्दीन अंसारी, जानकी यादव, फरीद अंसारी, रामवृक्ष महतो के अलावे दर्जनों लोग उपस्थित थे।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के नेताओं ने सुशील कुमार मोदी के निधन पर जताया शोक

प्रात: किरण, संवाददाता

मधेपुरा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के नेताओं ने बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी (05 जनवरी, 1952 से 13 मई, 2024) के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रो. ललन प्रसाद अद्री ने बताया कि सुशील कुमार मोदी का नाम भारतीय राजनीति के इतिहास में अविस्मरणीय रहेगा। वे उन गिने-चुने लोगों में थे, जिन्हें लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा एवं विधान परिषद् चारों सदनों का प्रतिनिधित्व करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। नगर अध्यक्ष डॉ. सुधांशु शेखर ने कहा कि सुशील कुमार मोदी लोकनायक जयप्रकाश नारायण (जे. पी.) के सच्चे सिपाही थे। वे जीवनभर जेपी के संपूर्ण क्रांति आंदोलन के मूल उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए संघर्षरत रहे। उन्होंने अपने सुदीर्घ राजनीतिक जीवन में कभी भी आदर्शों से समझौता नहीं किया। सीनेटर सह प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ. रंजन यादव ने कहा कि सुशील कुमार मोदी ने बिहार में विपक्ष के नेता और उप मुख्यमंत्री-सह वित्त मंत्री के रूप में काफी उल्लेखनीय कार्य किया। वे देश भर के वित्त मंत्रियों की प्राधिकृत समिति के अध्यक्ष भी रहे। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष की भी जिम्मेदारी निभाई। प्रदेश मंत्री अभिषेक यादव ने कहा कि सुशील कुमार मोदी परिषद् के परिषद् के प्रदेश मंत्री एवं प्रदेश संगठन मंत्री, उत्तर प्रदेश-बिहार के क्षेत्रीय संगठन मंत्री एवं राष्ट्रीय महामंत्री भी रहे थे। उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। शोक व्यक्त करने वालों में नगर उपाध्यक्ष डॉ. उपेन्द्र प्रसाद यादव, डॉ. शंकर कुमार मिश्र एवं डॉ. प्रफुल्ल कुमार, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आमोद आनंद, नीतीश सिंह यादव एवं समीक्षा यदुवंशी, नगर मंत्री अंकित आनंद, नगर संगठन मंत्री शंकर कुमार, जिला प्रमुख दिलीप कुमार दिल, जिला संयोजक नवनीत सम्राट, विभाग संयोजक सौरभ यादव आदि के नाम शामिल हैं।

बुझेगी लालटेन या चुभेगी तीर, परिणाम को लेकर चौंक चौराहे पर हो रही चर्चा

प्रात: किरण, संवाददाता

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा) लोक सभा चुनाव संपन्न होने बाद अब लोग अपने अपने हिसाब से हार-जीत के जोड़ घटाव में लग गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर अनुमंडल मुख्यालय सहित चौंक चौराहे एवं बाजार के कई चाय-पान की दुकानों पर चुनाव में किसकी जीत-हार होगी पर जमकर बहस होती नजर आ रही है। लोग चाय दुकान पर सुबह की चाय की चुस्की लेते हुए चुनाव में किस पक्ष में मतदान हुआ है कि चर्चा करते हुए इंडिया गठबंधन व एनडीए गठबंधन में सीधी टक्कर होने की बात करते हैं तो कई लोग अपने अपने समीकरण से महागठबंधन के उम्मीदवार को वोट अधिक मिलने की बात रहें हैं तो वहीं कुछ लोगों ने दोनो गठबंधन में कड़ी टक्कर होने की बात कर रहे हैं। तो कई लोग राजद उम्मीदवार को अधिक वोट मिलने की चर्चा कर रहे हैं तो कई लोगों द्वारा एनडीए उम्मीदवार का जीत होने का दावा किया जा रहा है। ज्ञात हो कि मधेपुरा लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत को देखकर हार और जीत का कयास लगाना मुश्किल हो रहा है। कोई भी ताल ठोककर यह नहीं बोल पा रहा है कि तीर चलेगा या फिर लालटेन जलेगा? लेकिन फिर भी हार और जीत की चचाओं का बाजार गर्म है। तीसरे चरण के मतदान का प्रतिशत दो चरणों के मतदान से अधिक हुआ है। इसलिए कोई राम मंदिर बनने के बाद मतदाताओं में आया जोश बता रहा है तो किसी ने पढ़े लिखे प्रत्याशी को चुनने की बात कही। लेकिन जीत का ताज किसके सिर माथे होगा इसका फैसला तो चार जून को ही होगा।लेकिन लोग अपने अपने गणित से अपने चहेते दल व प्रत्याशी की जीत सुनश्चित कर रहा है। आमजन भले ही यह बताने का सामर्थ्य नहीं जता पा रहा है कि उसने वोट किसे दिया। लेकिन बढ़े हुए मतदान प्रतिशत से राजद और जदयू के कार्यकर्ता खुश हैं। वे मानकर चल रहे हैं कि जीत उनकी है। लेकिन एक दूसरा धड़ा भी है जो इन दलों के नाराज कार्यकताओं का है वह विपक्ष के प्रत्याशी की जीत पर दांव लगा रहे हैं। राजद से नाराज कार्यकर्ता राम मंदिर का मुद्दे पर एनडीए की जीत तय कर रहे हैं तो वहीं एनडीए से नाराज कार्यकर्ता इंडिया गटबंधन के पढ़े लिखे प्रत्याशी को ही जीत बता रहे हैं।

निर्देश-वर्ग 1 से 12 वीं तक के स्कूलों के सभी छात्रों का डाटा ई-शिक्षा कोष करना है पोर्टल पर अपलोड

- पोर्टल पर दर्ज छात्रों को ही मिलेगा योजनाओं का लाभ

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई/गिद्धौर :सरकारी विद्यालय में पढ़ने वाले सभी छात्रों का आधार नंबर जरूरी है।आधार नंबर नहीं रहने पर छात्रों का डाटा पोर्टल पर अपलोड नहीं हो पाएगा। जिससे उन्हें योजनाओं का लाभ नहीं मिलेगा।बता दें कि वर्ग 1 से 12वीं तक के सभी नामांकित छात्रों का डाटा ई- शिक्षा कोष पोर्टल पर अपलोड करना है। जिन छात्रों का नाम पोर्टल पर नहीं होगा उन्हें योजनाओं का लाभ नहीं मिलेगा। इस बारे में बिहार शिक्षा परियोजना परिषद द्धारा जिला शिक्षा पदाधिकारी और डीपीओ समग्र शिक्षा अभियान को निर्देशित किया है।जिले के सभी विद्यालयों में नामांकित छात्रों का डाटा पोर्टल पर अपलोड करने का निर्देश दिया गया है।जिन बच्चों का आधार नहीं बना है।उनका स्कूल के स्तर से आधार बनाने की व्यवस्था की जाए।बता दें कि बच्चों सरकारी योजनाओं की राशि सीधे अकाउंट में मिलेगी।डीबीटी यानी डायरेक्टबेनिफिट ट्रांसफर के लिए पोर्टल पर उपलब्ध डाटा ही उपयोग किया जाएगा। मुख्यमंत्री बालिका साइकिल योजना,बिहार शताब्दी मुख्यमंत्री बालिका पोशाक योजना, मुख्यमंत्री बालिका इंटरमीडिएट प्रोत्साहन योजना,मुख्यमंत्री किशोरी स्वास्थ्य प्रोत्साहन योजना के साथ ही छात्रवृत्ति का भुगतान डीबीटी के माध्यम से किया जाएगा।सरकारी स्कूलों में फर्जी एडमिशन पर रोक लगाने के लिए कई कारगर कदम उठाए जा रहे हैं। उच्चतर कक्षा में नामांकन के दौरान अभिभावक को बुलाकर भौतिक सत्यापन किया जाएगा। पिछली कक्षा का परिणाम की भी चर्चा अभिभावक के साथ की जाएगी।विद्यालय में नामांकन आगामी सत्र हेतु सभी सावधानियां को बरतने का निर्देश दिया गया है।किसी भी तरह स्कूलों में फर्जी नामांकन नहीं हो इसके लिए पदाधिकारी और स्कूल के प्रधानाध्यापक और शिक्षकों को भी निर्देशित किया गया है।जिला शिक्षा पदाधिकारी राजेश कुमार ने कहा है कि विभागीय निर्देश के आलोक में स्कूलों में नामांकन की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाएगी।फर्जी नामांकन रोकने के लिए सभी कारगर कदम उठाए जाएंगे। सभी नामांकित छात्रों का डाटा ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर अपलोड करने का निर्देश दिया गया है।

आधार कार्ड से स्कूल में एडमिशन

फर्जी नामांकन से बचने के लिए छात्रों के आधार कार्ड पर नामांकन लिया जाएगा।छात्रों के आधार कार्ड बनाने की व्यवस्था प्रत्येक प्रखंड के दो-दो माध्यमिक विद्यालय में निःशुल्क विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई है।सभी छात्र सुविधा का लाभ उठाकर आधार कार्ड बनवा सकते हैं। बता दें कि स्कूलों में फर्जी नामांकन रोकने के लिए पूरी तरह जांच पड़ताल के बाद ही नया नामांकन लिया जाएगा। नामांकन के समय कागजातों की जांच की जाएगी। सरकारी विद्यालयों में नामांकन को लेकर विभाग से गाइलाइन जारी किया गया है। छात्रों के लिए आधार कार्ड जरूरी है।

नेम निष्ठा के साथ माँ भगवती की सलौनी पूजा संपन्न

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई/गिद्धौरः पतसंडा के ऐतिहासिक भगवती मंदिर में माँ भगवती की सलौनी पूजा पुरे नेम और निष्ठा के साथ संपन्न हो गई ।बताते चलें की लगभग दो सौ वर्ष पूर्व में इस भगवती मंदिर का निर्माण गिद्धौर निवासी स्व०मूसो के द्वारा करवाया गया था। तब से लेकर आज तक माँ भगवती के इस मंदिर में विधिवत रूप से वैशाख माह में सलौनी पूजा कराने की परंपरा चली आ रही है। इस वर्ष भी पतसंडा गांव के सहित प्रखंड भर के हजारों श्रद्धालुओं ने वैशाख माह में माँ भगवती की सलौनी पूजा के अवसर पर माता की पूजा अर्चना करने आये तथा माँ भगवती की पूजा अर्चना कर अपने परिजनों की सुख शांति की कामना की एवं मन्नते भी मांगी तथा जिन भक्तों की मन्नते माँ भगवती ने पूरा की उनोंहने माँ भगवती मंदिर में मुंडन कराये और पाठे की बली भी चढ़ाई व प्रखंड भर के सैंकड़ो भक्तों ने माता के मन्दिर पाठे की बली चडाई सुबह से माँ भगवती की पूजा अर्चना करने के लिये भक्तों का सील-सीला लगा रहा। सलौनी पूजा को विद्वान-पंडित दिपू पंडित द्वारा संपन्न कराया गया। वंही पूजा की विधि ब्यवस्था एवं प्रसाद वितरण का कार्य की जिम्मेवारी तैयारी समिति के अभिषेक कुमार,दीपक कुमार,विजय कु मार,मनोज यादव,किशोरी यादव,राके श कु मार,अर्थव राज,पियूस कुमार,पिन्टू कुमार,धीरेन्द्र कुमार,दशरथ यादव द्वारा निष्पादित कराया गया।

श्रद्धांजलि सभा आयोजित

प्रात: किरण, संवाददाता

हाजीपुर। जिला विधिज्ञ संघ उपाध्यक्ष अधिवक्ता राजकुमार दिवाकर की अध्यक्षता एवं भाजपा बिहार प्रदेश मीडिया प्रभारी किसान मोर्चा हरेश कुमार सिंह के संचालन में स्थानीय विधिज्ञ संघ भवन में बिहार भाजपा के स्तम्भ रहे पूर्व उप मुख्यमंत्री राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी के आसमयिक निधन पर अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धांजलि सभा मनाई गई। अधिवक्ता राजकुमार दिवाकर ने कहा कि बिहार भाजपा को सुशील कुमार मोदी ने शिखर पर पहुंचाने का कार्य किया था। भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी किसान मोर्चा हरेश कुमार सिंह ने कहा कि बिहार की आवाम को जंगलराज से मुक्ति के लिए सड़क से सदन तक सुशील मोदी जी ने संघर्ष किया था एवं उनके संघर्षों पर विश्वास कर बिहार की जनता ने वर्ष 2005 में बिहार में एनडीए शासन की नींव डाली थी। उनके आसमयिक निधन से संपूर्ण बिहार मर्माहत है।इस अवसर पर अधिवक्ता शिव प्रताप मिश्रा, राज किशोर ठाकुर,संजय कुमार सिंह, अमित कुमार तिवारी, विनय कुमार झा ,विकास रंजन, रामाकांत भारती, शिवकुमार सिंह, श्री राम सिंह सहित काफी संख्या में उपस्थित अधिवक्ताओं ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

राजद प्रत्याशी शिवचंद्र राम ने फीता काटकर किया कार्यालय का उद्घाटन

प्रात: किरण संवाददाता

सहदेई बूजुर्ग - सहदेई बुजुर्ग प्रखंड क्षेत्र के अंतर्गत सहदेई बुजुर्ग बाजार में राजद के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया गया।चुनाव कार्यालय का उद्घाटन महागठबंधन समर्थित राजद प्रत्याशी शिवचंद्र राम ने फीता काटकर किया।इस मौके पर उपस्थित लोगों ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हाजीपुर लोकसभा सीट से राजद उम्मीदवार की जीत का दावा करते हुए कहा कि इस बार हाजीपुर की जनता राजद को भारी मतों से विजई बनायेगी।इस मौके पर शिवचंद्र राम ने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वह चुनाव को लेकर घर-घर जाकर लोगों से संपर्क कर जनता से समर्थन की अपील करें।उन्होंने इस मौके पर प्रखंड क्षेत्र की जनता से भी समर्थन देने की अपील करते हुए कहा कि वह हाजीपुर लोकसभा क्षेत्र के बेटा है ऐसे में वह हमेशा ही उनके सुख-दुख में साथ रहेंगे।इसलिए उन्हें अपना आशीर्वाद देकर लोकसभा में भेजें।इस मौके पर उन्होंने महंगाई बेरोजगारी आदि मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा किया सरकार कुछ अमीरों की सरकार है इसको गरीबों की कोई चिंता नहीं है।कार्यक्रम की अध्यक्षता राजद के प्रखंड अध्यक्ष रविन राय ने किया।इस मौके पर जिला पार्षद उपेन्द्र राय,पूर्व प्रमुख अनिल राय,पैक्स अध्यक्ष ब्रजेश कुमार राय,प्रवक्ता मदन राय सुरेश सुमन,प्रेमलाल राय,मोहम्मद खलील,मोहम्मद इकरामुल,जीशान खान,मुकेश राम,विजय साह,देवेंद्र राय गोपाल सिंह,दीपक साह सहित दर्जनों राजद के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संत निरंकारी मिशन द्वारा आयोजित रक्त दान शिविर में दर्जनों लोगों ने किया रक्तदान

प्रात: किरण संवाददाता

महुआ के मुजफ्फरपुर रोड में अक्षयवट महाविद्यालय के नजदीक स्थित संत निरंकारी मिशन आश्रम में समर्पण दिवस के मौके पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस रक्तदान शिविर में आसपास के दर्जनों से ज्यादा लोगों ने अपने स्वेच्छा से अपना रक्तदान किया। पटना के पीएमसीएच से आए डॉक्टरों की टीम ने रक्तदान करने आए लोगों का रक्त संग्रह किया। इस मौके पर रक्तदान करने वाले महुआ प्रखंड क्षेत्र के सिंघाड़ा गांव निवासी सह आप नेता प्रदीप सोनी समेत कई अन्य लोगों ने बताया कि रक्तदान एक महादान है ।रक्तदान करने से विपरीत परिस्थितियों में अनगिनत लोगों की जान बचाई जा सकती है। इसलिए मानव होने के नाते हम सबों का यह कर्तव्य बनता है कि हम सभी मानव हित में समय-समय पर अपना रक्तदान करते रहें। ज्ञात हो की संत निरंकारी मिशन के द्वारा समय-समय पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को संत निरंकारी मिशन आश्रम मुजफ्फरपुर रोड महुआ में भी समर्पण दिवस के मौके पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमें महुआ प्रखंड क्षेत्र के आसपास के साथ-साथ कोई अन्य जगहों से आए कुल 91 लोगों ने अपना रक्तदान किया। इस मौके पर संत निरंकारी मिशन के जिला संयोजक दिनेश सिंह,सेवा दल के अधिकारी रमेश कुमार,रविंद्र कुमार राज कमल जायसवाल, सचीन कुमार, रविंदर कुमार, गया प्रसाद, राम दयाल राम, उदय सोनी,अमरजीत कुमार के साथ-साथ इस मिशन से जुड़े अनेकों सेवादार भी इस मौके पर उपस्थित थे और उन सभी ने पूरे भक्ति भाव से इस रक्तदान शिविर में आए श्रद्धालुओं का सेवा किया। इस मौके पर आने वाली श्रद्धालुओं के लिए भजन कीर्तन का भी आयोजन किया गया था। जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। वहीं इस मौके पर आश्रम के द्वारा श्रद्धालुओं के लिए ठंडा पानी, नींबू शरबत के साथ-साथ लंगर की भी व्यवस्था की गई थी।

डॉ. रवि एक सुप्रसिद्ध विद्वान, स्वाभिमानी शिक्षक एवं कुशल प्रशासक थे : शंभु नारायण

प्रात: किरण संवाददाता

मधेपुरा डॉ. रवि विचार मंच के संयोजक समाजसेवी शंभु नारायण यादव ने मंगलवार को पूर्व सांसद (लोकसभा एवं राज्यसभा) एवं बीएनएमयू, मधेपुरा के संस्थापक कुलपति प्रोफेसर डॉ. रमेन्द्र कुमार यादव रवि की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि डॉ. रवि एक सुप्रसिद्ध विद्वान, स्वाभिमानी शिक्षक, कुशल प्रशासक, लोकप्रिय राजनेता एवं सहृदय इंसान थे। उन्होंने कोसी-सीमांचल के शिक्षा, साहित्य एवं राजनीति में अविस्मरणीय योगदान दिया और जन-जन के दिलों में अपनी जगह बनाई। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय आवासीय परिसर में डॉ. रवि विचार मंच के तत्वावधान में किया गया। उन्होंने बताया कि डॉ. रवि कोसी के विश्वकर्मा थे। उनके प्रयासों से ही मई 1981 में मधेपुरा को जिला घोषित किया गया और इस क्षेत्र के चहुंमुखी विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ। देश की राजनीति में था विशिष्ट स्थान उन्होंने बताया कि डॉ. रवि का प्रदेश एवं देश की राजनीति में उनका एक विशिष्ट स्थान था। वे पूर्व प्रधानमंत्री

इंदिरा गाँधी, पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह, पूर्व उप प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल, पूर्व मुख्यमंत्री जननायक कपूर्री ठाकुर, पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान, पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद यादव, पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अत्यंत करीबी रहे। उन्होंने बताया कि डॉ. रवि ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत कांग्रेस पार्टी से की थी। वे कांग्रेस के टिकट पर ही पहली बार 1977 में मधेपुरा लोकसभा का चुनाव भी लड़े थे, जिसमें वे बहुत कम वोटों से असफल हो गए थे। बाद में वे जनता दल के प्रत्याशी के रूप में रिकार्ड मतों से विजयी हुए। वे राज्यसभा के भी सदस्य रहे। बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे डॉ. रवि मुख्य अतिथि कुलसचिव प्रो. मिहिर कुमार ठाकुर ने कहा कि डॉ. रवि बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने शैक्षणिक एवं राजनीतिक क्षेत्र के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संगठनों में भी कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन किया।

उन्होंने बताया कि डॉ. रवि बुद्धिजीवी विचार मंच के अध्यक्ष, राष्ट्र भाषा परिषद् के सदस्य, बिहार मैथिली अकादमी के सदस्य एवं हिन्दी साहित्य सम्मेलन, मधेपुरा के अध्यक्ष रहे। विकास में अविस्मरणीय योगदान विशिष्ट अतिथि के. पी. कॉलेज, मधेपुरा के प्रधानाचार्य डॉ. जवाहर पासवान ने कहा कि डॉ. रवि ने कोसी-सीमांचल के सर्वांगीण विकास में अविस्मरणीय योगदान दिया। विशेषकर यहां विश्वविद्यालय की स्थापना में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि डॉ. रवि ने संस्थापक कुलपति के रूप में मात्र 6 माह के अंदर 122 छोटे-बड़े क्वार्टर एवं प्रशासनिक भवन सहित कोसी प्रोजेक्ट के 22 एकड़ का परिसर विश्वविद्यालय के नाम स्थानांतरित कराया। उन्होंने जाति-धर्म से ऊपर उठकर सुयोग्य लोगों को विभिन्न पदाधिकारियों के रूप में प्रतिनियोजित कराया और 6 माह के अंदर परीक्षा आयोजित करते हुए परिणाम घोषित कर एक रिकार्ड कायम किया।

ऑब्जरवेशन ऑफ फिल्म एंड विजुअल कार्यशाला में फिल्मों का हुआ प्रदर्शन

प्रात: किरण संवाददाता

मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा चाणक्य परीसर स्थित पंडित राजकुमार शुक्ला सभागार में ह्यऑब्जरवेशन ऑफ फिल्म एंड विजुअलह्ल विषयक विशेष कार्यशाला का आयोजन विभाग के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के संरक्षक कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव थे। विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में कार्यक्रम आयोजित हुई।स्वागत भाषण एवं समाहार क्रमशः विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र और डॉ. सुनील दीपक घोड़के ने की। संयोजन बीएजेएमसी चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र आर्यन सिंह ने की। कार्यशाला में बाल और बंधुआ मजदूरी पर केंद्रित ऑस्कर नॉमिनेटेड और अवार्ड विनिंग चार महत्वपूर्ण फिल्मों कवि, बत्ती, रूपा और जीरो का प्रदर्शन किया गया।स्वागत भाषण में डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र ने कहा कि फिल्म समाज का दर्पण होती है। फिल्मों की गहरी और सूक्ष्म समझ विकसित करना फिल्म अध्येता और जागरूक दर्शक की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। हमें यह समझना चाहिए फिल्म के हर एक दृश्य में एक संदेश छुपा होता है। उन्होंने कहा की फिल्में सिर्फ मनोरंजन के लिए ही नहीं बल्कि लोगों को प्रेरित और शिक्षित करने के भी काम आती है। फिल्म की प्रस्तुति के बाद विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉक्टर सुनील दीपक घोडके द्वारा कवि और बत्ती फिल्मों के बारे में छात्रों को बताया की फिल्म में दर्शाए गए दृश्य अद्भुत है। उन्होंने कहा कि फिल्मों को सिर्फ मनोरंजन के लिए नहीं बल्कि ज्ञान के लिए भी देखना और समझना चाहिए। छात्रा वागीशा श्रीवास्तव द्वारा बाल मजदूरी पर आधारित फिल्म ह्लकविह्व की प्रस्तुति की गई जो एक ऑस्कर नॉमिनेटेड फिल्म है। फिल्म बंधुआ मजदूर और बाल मजदूरी पर शिक्षा दी गई है। फिल्म में एक बालक को दर्शाया गया है जो अपने घर की परिस्थितियों और परेशानियों की वजह से बाल मजदूरी करता है।

जिले के 30 फाइलेरिया पीड़ित मरीजों के बीच एमएमडीपी किट का हुआ वितरित

प्रात: किरण संवाददाता

मोतिहारी।जिले में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत फाइलेरिया रोगियों को एमएमडीपी किट का वितरण किया जा रहा है। वहीं इसके साथ ही मरीजों को फाइलेरिया ग्रसित अंगों की सफाई रखने के प्रति भी जागरूक किया जा रहा है। ताकि वे फाइलेरिया ग्रसित अंगों का ठीक से साफ–सफाई कर सकें। पिरामल स्वास्थ्य के बीसी फिरोज खान ने बताया कि मंगलवार को अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नरहा पानापुर तेतरिया प्रखंड में 30 फाइलेरिया (हाथीपांव) से ग्रसित मरीजों के बीच एमएमडीपी किट वितरण किया गया। उन्होंने बताया कि उस क्षेत्र में 110 से ज्यादा फाइलेरिया के रोगी हैं। जिनके हाथ-पैर में सूजन आ गया है या फिर उनके फाइलेरिया ग्रसित अंगों से पानी का रिसाव होता है। उन्हें समयानुसार किट देने के साथ फाइलेरिया ग्रसित अंगों की सफाई रखने के प्रति जागरूक किया जाता है। किट में प्रभावित अंगों की अच्छी तरह से साफ-सफाई हेतु टब, मग, तौलिया, साबुन, गरम पट्टी व जरूरी चीजें दी जा रही हैं।नरहा पानापुर तेतरिया की 65 वर्षीय प्रमिला देवी ने कहा की 13 वर्षो से उन्हें दायाँ पैर में फाइलेरिया है, इसके इलाज के लिए कई जगह डॉ को दिखाया पर यह ठीक नहीं हुआ। फाइलेरिया के कारण पैर में सूजन होता है, बुखार, दर्द, सूजन के कारण कहीं भी आना जाना मुश्किल होता है, सरकारी अस्पताल से मुझे किट मिला है जिसके उपयोग से एवं दवाओं के सेवन से काफी आराम मिलता है। जिले के डीभीडीसीओ डॉ शरत चंद्र शर्मा ने बताया कि जिले में एमडीए कार्यक्रम के तहत स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों पर सेविका, सहायिका एवं आशा कार्यकताओं के सहयोग से बच्चों,शिक्षको, आम लोगों को उम्र के अनुसार डीईसी एवं अल्बेंडाजोल की दवा खिलाई जाती है। लगातार 5 वर्ष तक दवा सेवन करने से लोग फाइलेरिया रोग से बच सकते हैं।

बाइक और ट्रैक्टर की हुई आमने-सामने टक्कर, बाइक सवार मामा-भांजी की मौत

प्रात: किरण संवाददाता

मधेपुरा जिले के सिंहेश्वर थाना क्षेत्र अंतर्गत पिपरा मुख्य मार्ग स्थित एनएच 106 पर बैरबन्ना गांव में मुस्लिम टोला के समीप बीते देर रात बाइक सवार मामा-भांजी को बेकाबू ट्रैक्टर ने रौंद दिया। जिससे घटनास्थल पर ही दोनों की दर्दनाक मौत हो गई। दुर्घटनाग्रस्त बाइक में मिले साक्ष्य के अनुसार ग्रामीणों ने बताया कि त्रिवेणीगंज मिरजवा निवासी शिवनारायण मेहता के 35 वर्षीय पुत्र संजय मेहता अपने साथ अपनी दस वर्षीय भांजी सुप्रिया कुमारी का इलाज करा कर बाइक पर

सवार होकर सहरसा से इलाज करा कर घर लौट रहा था। इसी बीच बैरबन्ना गांव में विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने दोनों को रौंद दिया। घटना कर भाग रहे ट्रेक्टर को ग्रामीणों ने खदेड़ कर पकड़ लिया, हालांकि मौके वारदात से चालक भागने में सफल रहा। मौके पर पहुंची पुलिस के सामने सरपंच चंदन कुमार सहित आक्रोशित ग्रामीणों ने मांग किया कि यहां आए दिन घटना होती रहती है, इसलिए ब्रेकर बनाया जाए। वहीं ट्रैक्टर को ग्रामीणों ने पकड़ कर एनएच को जाम कर दिया । घटना स्थल पर दुर्घटनाग्रस्त बाइक की डिक्की में मिले साक्ष्य के अनुसार मृतक की पहचान की गई है। एनएच 106 को जाम कर ग्रामीण मृतक के परिजनों को मुआवजा देने की मांग कर रहे थे। घंटों बाद पुलिस स्थानीय लोगों समझा बुझा कर यातायात बहाल की और शव को पोस्टमार्टम हेतु मधेपुरा भेज दिया।

विचार मंथन

@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, बुधवार, 15 मई, 2024

सम्पादकीय

पीएम की मुस्लिम अपील

बीते दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ टीवी चैनलों को साक्षात्कार दिए थे। उनमें उन्होंने मुसलमानों को आत्मचिंतन करने की अपील की थी और नसीहत भी दी थी। यह पहला मौका है कि देश के प्रधानमंत्री को मुसलमानों की इस तरह मनुहार करनी पड़ी है। प्रधानमंत्री ने किसी पार्टी का वोट बैंक या बंधक बनने के बजाय खुले दिमाग से सोचने की नसीहत भी दी है। प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि एक सीधी लकीर की तरह वोट देना और वह भी हिंदू वर्चस्व या हिंदू-विरोध के नाम पर भाजपा जैसे राष्ट्रवादी दलों के खिलाफ मुसलमानों का वोट करना एक गलत और पूर्वाग्रही ट्रेंड है। मौजू सवाल है कि चुनावों के दौरान प्रधानमंत्री को मुसलमानों को, एक हद तक, मनाने या अपील करने को बाध्य क्यों होना पड़ा? हिंदू-मुस्लिम का चुनावी विभाजन तो जनसंघ के दौर से रहा है। पहले जनसंघ और बाद में भाजपा बुनियादी और वैचारिक तौर पर हिंदूवादी पार्टी रही है। यह दीगर है कि अच्छी तादाद में मुसलमान पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के दौर में भी भाजपा को वोट देते थे और आज प्रधानमंत्री मोदी के सूत्रवाक्य-ह्यसबका साथ, सबका विकास का समर्थन करते हुए 12-15 फीसदी मुसलमान भाजपा के पक्ष में वोट कर रहे हैं, लेकिन वह कभी भी निर्णायक साबित नहीं हुआ। यकीनन देश की आजादी के बाद कांग्रेस अधिकांश समय सत्तारूढ़ रही। 1951 से 1975 तक तो कांग्रेस को कोई चुनौती ही नहीं थी, लिहाजा उसने अपनी चुनावी रणनीति के तहत मुसलमानों को वोट बैंक की तरह बांधे रखा और दलितों, आदिवासियों, कुछ पिछड़ी जातियों में भी कांग्रेस के जनाधार बनाए। हालांकि केंद्र में वाजपेयी सरकार के 6 साल और मोदी सरकार के 10 साल के अलावा या तो कांग्रेस सत्ता में रही है अथवा बाहरी समर्थन से लडखड़ाती सरकारें बनवाई हैं। दरअसल जब कांग्रेस से अलग होकर या उसका विरोध करते हुए क्षेत्रीय दलों के उभार का दौर आया, तो मुसलमान सपा, बसपा, राजद और तृणमूल कांग्रेस आदि क्षेत्रीय दलों की ओर भी ध्रुवीकृत हुए। नतीजतन मुस्लिम वोट बंटते रहे हैं, लेकिन मुस्लिम आज भी मानसिक तौर पर कांग्रेस के साथ हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने आत्मचिंतन की नसीहत इसलिए दी है, ताकि मुसलमान सोच सकें कि जिन्होंने उन्हें वोट बैंक का बंधक बनाए रखा, उन्होंने आखिर क्या दिया है? मुसलमानों को क्या फायदे मिले हैं? इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी ने 1992 के कथित बाबरी मस्जिद विध्वंस, 2002 के गोधरा सांप्रदायिक दंगों का जिक्र किया है। किसी प्रधानमंत्री ने शायद यह भी पहली बार कहा है कि यदि एक सांप्रदायिक वृत्तांत गढे की कोशिश न की गई होती और मुसलमानों के रहनुमा बनकर अपने खेमे में बांधे रखने की सियासत नहीं की गई होती, तो ये दोनों दौर उतने भयावह न होते! उप्र के मुख्यमंत्री के तौर पर मुलायम सिंह को रामसेवकों पर गोलियों की बौछार नहीं करनी पड़ती! प्रधानमंत्री ने तीन तलाक से लेकर शाहबानो तक के संदर्भ भी उठाए हैं। सच्चर कमेटी के निष्कर्षों का भी जिक्र किया, लेकिन रंगनाथ मिश्रा आयोग का हवाला देने भूल गए अथवा उसे जरूरी नहीं समझा। उसी आयोग ने अनुशंसा की थी कि धार्मिक आधार पर भी आरक्षण दिया जा सकता है।

निराशाजनक है कम मतदान होना

प्रो. सुरेश शर्मा

भारत लोकतांत्रिक या प्रजातांत्रिक व्यवस्था का देश है। यह देश विश्व की महान लोकतंत्रात्मक प्रणालियों में से एक है। लोकतंत्र का आशय ही लोगों की बनाई गई एक व्यवस्था या प्रणाली है जिसके सिद्धान्तों के आधार पर यह स्वतः ही कार्य करती है। इस प्रणाली का संचालन लोगों द्वारा ही होता है। लोकतंत्र में लोगों की आशाओं, आकांक्षाओं, अपेक्षाओं तथा आवश्यकताओं के अनुरूप ही कार्य होता है। इस व्यवस्था में लोगों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है क्योंकि यह व्यवस्था लोगों की, लोगों के लिए तथा लोगों के द्वारा ही संचालित होती है। लोकतंत्र या प्रजातन्त्र निर्वाचन या चुनाव से मजबूत होता है। चुनाव निष्पक्ष, निर्भीक, बिना डर, भय एवं स्वेच्छा से होता है। चुने हुए प्रतिनिधि लोगों के सेवक बनकर बिना पक्षपात तथा भेदभाव से जनभावनाओं के अनुरूप कार्य करते हैं। लोकतंत्र या प्रजातन्त्र एक ऐसी शासन प्रणाली है जिसके अन्तर्गत जनता अपनी स्वेच्छा से निर्वाचन प्रक्रिया में आए हुए किसी भी मनपसंद उम्मीदवार को मत देकर अपना प्रतिनिधि चुनती है। यानी लोकतन्त्र शासन का एक ऐसा रूप जिसमें शासकों का चुनाव जनता करती है। एक ऐसी व्यवस्था जिसके अनुसार जनता का चुना हुआ प्रतिनिधि शासक या सेवक बनकर राज्य में जनता की सेवा करता है। लोकतंत्र शासकीय प्रणाली का एक बहुत सुन्दर रूप है। भारत में 26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू हुआ।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार कोई भी भारतीय व्यक्ति यदि वह 18 वर्ष की आयु पूर्ण करता हो, वह इस प्रणाली के लिए बिना डर या भय तथा अपनी स्वेच्छा से अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकता है। यह उसका संवैधानिक अधिकार है। लोकतंत्र की नींव ही वोट के अधिकार पर टिकी है। इसलिए संवैधानिक दृष्टि से यह किसी भी भारतीय नागरिक का वह अधिकार है जो लोकतन्त्र को सशक्त बनाने का कार्य करता है। विडम्बना है कि भारतीय संविधान लागू होने के 75 वर्षों के बाद भी हम इसका महत्व तथा उपयोगिता नहीं समझ पाए हैं। आज भी लोग मतदान करने में अनिच्छा तथा उदासीनता दिखाते हैं। प्रत्येक चुनाव में कर्मचारियों, अधिकारियों, गैर सरकारी तथा अर्द्धसरकारी संस्थानों में काम करने वाले दिहाड़ीदार मजदूरों को वोट डालने के लिए वेतन सहित छुट्टी का प्रावधान रहता है, लेकिन उसके बावजूद लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करने में रुचि नहीं दिखाते। इसके बहुत से कारण हैं जिनमें अशिक्षित होना, लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास नहीं रखना या संवैधानिक कर्तव्यों की अनदेखी करना है। यह देश अपने नागरिकों को सब कुछ प्रदान करता है। शिक्षा, सेवा, सडक, स्वास्थ्य, सुरक्षा, रोजगार, बिजली, पानी, जीविकोपार्जन के सभी संसाधन तथा सिर उठाकर जीने की स्वतन्त्रता यह राष्ट्र प्रदान करता है। यह देश संविधान के अनुसार संचालित है।

यही लोकतंत्रिक प्रणाली को मजबूती प्रदान करता है। अफसोस है कि हम वोट डालने के संवैधानिक अधिकार का पालन ही नहीं करते। आज भी सरकारों को अधिक मतदान करने के लिए लोगों को शिक्षित एवं जागरूक करने के उद्देश्य से अभियान चलाने पड़ते हैं। आज भी वोट डलवाने के लिए लोगों से निवेदन तथा आग्रह करना पड़ता है। हमें यह समझना चाहिए कि लोकतन्त्र में जहां वोट डालना हमारा अधिकार है, वहीं यह हमारा संवैधानिक कर्तव्य भी है। आरहवीं लोकसभा के गठन के लिए चुनाव प्रतिशत को बढ़ाने की भारतीय चुनाव आयोग की कोशिशों के बावजूद अभी तक सम्पन्न हुए तीन लोकसभा चुनाव चरणों में यह आंकड़ा निराशाजनक ही रहा है। चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए इन आंकड़ों के प्रथम चरण में 66.14 प्रतिशत, द्वितीय चरण में 66.71 प्रतिशत तथा तृतीय चरण में 65.68 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो कि वर्ष 2019 की तुलना में बहुत कम है। वर्तमान में चुनाव आयोग द्वारा वोट प्रतिशत बढ़ाने के लिए बहुत से अभियान चलाए जा रहे हैं। पाठशालाओं, महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में रैलियों, भाषणों तथा अनेक प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से लोगों को वोट डालने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पूरे देश में स्वीप यानी ह्यसिस्टेमेटिक वोटर्स एजुकेशन एंड इलैक्टोरल पार्टिसिपेशन कार्यक्रम के माध्यम से जन जागरण हो रहा है। इसके बावजूद कम संख्या में मतदान होना निराशाजनक है। अधिकार एवं कर्तव्य एक दूसरे के पूरक हैं। हम स्वतंत्र भारत में अपने अधिकारों का दावा तो करते हैं, परन्तु अपने कर्तव्यों के लिए जागरूक नहीं हैं। जो राष्ट्र हमें सम्मान के साथ जीने के लिए सभी संसाधन प्रदान करता है, उसकी नींव को मजबूती के लिए हम मतदान करने का कर्तव्य नहीं निभा सकते? यह बहुत ही चिंताजनक, शर्मनाक तथा दुर्भाग्यपूर्ण है। यदि कोई नागरिक व्यवस्था से नाखुश है या उम्मीदवारों को पसंद नहीं करता तो भी नोटा का प्रावधान है, लेकिन वोट न डालना किसी समस्या का समाधान नहीं है। बिजली, पानी, सडक, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, रोजगार के लिए हम लम्बे समय तक कार्यालयों के चक्कर लगा सकते हैं, लेकिन मतदान के संवैधानिक कर्तव्य का उपयोग करने के लिए हम मतदान केंद्र पर नहीं जा सकते? जहां आधार कार्ड, हैल्थ कार्ड, किसान कार्ड, रोजगार कार्ड तथा राशन कार्ड से प्रत्येक नागरिक का अधिकार निश्चित होता है, वहीं पर आज आवश्यक है कि मतदान कार्ड का उपयोग भी सुनिश्चित हो। मतदान के कर्तव्य को हर हाल में अनिवार्य बनाया जाना समय की मांग है। मतदान करने के उपरान्त ही कोई नागरिक अपने अधिकारों के लिए दावा करने का पात्र हो, यह बहुत आवश्यक है, अन्यथा लोकतन्त्र मजाक बन कर रह जाएगा। लोकतंत्र की मजबूती के लिए वोट से चोट करना आवश्यक है। हम सभी अपने वोट के अधिकार का मूल्य समझकर चुनावी यज्ञ में अपनी आहुति दें, इसी में ही लोकतन्त्र की विजय है।

अरविंद केजरीवाल को मिली अंतरिम जमानत के सियासी मायने को ऐसे समझिए

ईडी के इस निर्णय की तब बहुत आलोचना हुई थी, क्योंकि मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए ही उन्हें गिरफ्तार किया गया था, जो भारतीय राजनीतिक इतिहास की अनोखी घटना बन चुकी है। इसी मामले में गत 8 मई 2024 को सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई की। सुनवाई के दौरान ही न्यायमूर्ति खन्ना ने प्रवर्तन निदेशालय के वकील अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से कहा था कि वह केजरीवाल को अंतरिम राहत पर शुक्रवार को आदेश पारित कर सकते हैं। इससे एक दिन पहले भी यानी गत 7 मई को सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर कहा था कि मामले की सुनवाई जल्दी पूरी होने की उम्मीद नहीं है। ऐसे में कोर्ट लोकसभा चुनाव को देखते हुए केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने पर विचार कर सकता है। हालांकि, कोर्ट ने शर्त रखी थी कि अगर चुनाव प्रचार के लिए जमानत दी जाती है तो वह मुख्यमंत्री के तौर पर काम नहीं करेंगे और न ही किसी फाइल पर हस्ताक्षर करेंगे। फिर भी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल भिजवाने वाली ईडी परेशान हो गई। आनन-फानन में ईडी ने एक हलफनामा दायर करके उनके अंतरिम जमानत का विरोध किया और कुछ अकाट्य दलीलें भी दी। जिस पर केजरीवाल की लीगल टीम ने भी कड़ी आपत्ति जताई। जिसके दृष्टिगत सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की सभी दलीलों को दरकिनार करते हुए केजरीवाल को अंतरिम जमानत दे दी। यही वजह है कि जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत मिलने के सियासी और न्यायिक मायने तलाशे जा रहे हैं।

कमलेश पांडे
लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं

ऐसा इसलिए कि अरविंद केजरीवाल को दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति 2021-22 में कथित अनियमितताओं से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में विगत 21 मार्च 2024 को ईडी ने गिरफ्तार किया था। ईडी के इस निर्णय की तब बहुत आलोचना हुई थी, क्योंकि मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए ही उन्हें गिरफ्तार किया गया था, जो भारतीय राजनीतिक इतिहास की अनोखी घटना बन चुकी है। इसी मामले में गत 8 मई 2024 को सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई की।

सुनवाई के दौरान ही न्यायमूर्ति खन्ना ने प्रवर्तन निदेशालय के वकील अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से कहा था कि वह केजरीवाल को अंतरिम राहत पर शुक्रवार को आदेश पारित कर सकते हैं। इससे एक दिन पहले भी यानी गत 7 मई को सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर कहा था कि मामले की सुनवाई जल्दी पूरी होने की उम्मीद नहीं है। ऐसे में कोर्ट लोकसभा चुनाव को देखते हुए केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने पर विचार कर सकता है। हालांकि, कोर्ट ने शर्त रखी थी कि अगर चुनाव प्रचार के लिए जमानत दी जाती है तो वह मुख्यमंत्री के तौर पर काम नहीं करेंगे और न ही किसी फाइल पर हस्ताक्षर करेंगे। फिर भी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल भिजवाने वाली ईडी परेशान हो गई। आनन-फानन में ईडी ने एक हलफनामा दायर करके उनके अंतरिम जमानत का विरोध किया और कुछ अकाट्य दलीलें भी दी। जिस पर केजरीवाल की लीगल टीम ने भी कड़ी आपत्ति जताई। जिसके दृष्टिगत सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की सभी दलीलों को दरकिनार करते हुए केजरीवाल को अंतरिम जमानत दे दी। यही वजह है कि जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत मिलने के सियासी और न्यायिक मायने तलाशे जा रहे हैं। क्योंकि यह एक असाधारण न्यायिक आदेश है, जो अब बौद्धिक विमर्श का मुद्दा भी बन चुका है। समझा जा रहा है कि कोर्ट के ताजा निर्देश से जहां देश में जनतांत्रिक भावनाओं को बल मिलेगा, वहीं भ्रष्टाचार और अपराध में शामिल राजनेताओं का मनोबल भी बढ़ेगा। क्योंकि जेल से बाहर रहने का एक अमोघ कानूनी हथियार कोर्ट के फैसले से उन्हें मिल चुका है। लिहाजा, आने वाले दिनों में जेल में बंद भारतीय राजनेताओं के द्वारा चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत मांगे जाने के मामले बढ़ेंगे।

बता दें कि ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा देकर यह स्पष्ट कर दिया है कि केजरीवाल को किसी भी तरह की विशेष राहत देकर चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत दिया जाना समानता और कानून के शासन के लिए अभिशाप जैसा होगा। इससे ऐसी नजीर कायम होगी कि सभी अपराध करने वाले अनैतिक राजनेता चुनाव की आड़ में जांच को नजरअंदाज करेंगे, चाहे वो पंचायत चुनाव हो, नगरपालिका चुनाव हो, विधानसभा चुनाव हो या फिर आम चुनाव। यदि वे गिरफ्तार किए जाते हैं तो प्रचार के लिए अंतरिम जमानत मांगेंगे।दो कदम आगे की सोचते हुए उसने तर्क दिया कि आजतक किसी भी राजनेता को चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत नहीं दी गई, चाहे जेल में बंद वह व्यक्ति स्वयं भी प्रत्याशी क्यों न रहा हो, जबकि केजरीवाल तो उम्मीदवार भी नहीं हैं। ऐसे भी कई उदाहरण हैं कि अपराधी जेल से ही चुनाव लड़े और जीत भी गए, लेकिन उन्हें कभी इस आधार पर जमानत नहीं मिली। वैसे भी चुनाव प्रचार न तो संवैधानिक अधिकार है और न ही मौलिक अधिकार। लिहाजा ऐसा होने से कानून का उल्लंघन करने वाले हर अपराधी को राजनीतिज्ञ बनने और वर्ष भर प्रचार के मोड में रहने का प्रोत्साहन मिलेगा। राजनेता आम आदमी से ऊपर होने और विशेष दर्जे का दावा नहीं कर सकता। ईडी ने अपनी दलील में चुनाव प्रचार के लिए केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने का विरोध करते हुए कहा कि मतदान का अधिकार, जिसे कोर्ट ने संवैधानिक अधिकार माना है, वह भी हिरासत के दौरान नहीं रहता। जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 62(5) जेल में बंद व्यक्ति के मतदान के अधिकार में कटौती की बात करती है। यह चीज देखने लायक है कि पिछले पांच सालों में करीब 123 चुनाव हुए हैं और अगर किसी राजनेता को चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत दी जाने लगे तो किसी भी राजनेता को गिरफ्तार करके जेल में नहीं रखा जा सकता, क्योंकि चुनाव तो सालभर चलने वाली गतिविधि है। हर राजनीतिज्ञ हर स्तर पर यह दलील दे सकता है कि अगर उसे जमानत नहीं दी गई तो उसे न भरपाई होने वाला नुकसान होगा। ईडी ने स्पष्ट तौर पर कहा कि इस समय सिर्फ पीएमएलए कानून में ही बहुत से नेता जेल में हैं। उनके मामलों को जांचने के बाद सक्षम अथॉरिटी ने उनकी हिरासत को सही ठहराया है।

बहुत से नेता पीएमएलए के अलावा अन्य अपराधों में जेल में होंगे। ऐसे में अरविंद केजरीवाल के साथ विशेष व्यवहार करने और उनकी विशेष मांग स्वीकार करने का कोई कारण नहीं है। उसने तो यहां तक कह दिया कि केजरीवाल ने कई समन के बाद भी जांच एजेंसी के सामने पेश न होने के पीछे पांच राज्यों में चुनाव का यही आधार दिया था। ऐसे में अगर कोर्ट ने केजरीवाल को अंतरिम जमानत दी तो उनके द्वारा आप के स्टार प्रचारक होने के आधार पर प्रचार के लिए समन को नजरअंदाज करने का कारण बनाये जाने पर न्यायिक मुहर लग जाएगी। साथ ही प्रचार के लिए अन्तरिम जमानत से प्रचार की इच्छा रखने वाले नेताओं का एक अलग वर्ग बन जायेगा। हालांकि कोर्ट ने ईडी की एक न सुनी और अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देकर यह स्पष्ट कर दिया कि भारतीय लोकतंत्र को किंतु-परन्तु के आधार पर नहीं, बल्कि स्पष्ट और पारदर्शी नीतियों के आधार पर ही चलाया जाएगा। संभव है कि अगली संसद इससे सबक लेगी और नेताओं के लिए आवश्यक कानून बनाएगी या फिर पूर्व की विसंगतियों को दूर करेगी। यह स्वाभाविक सवाल है कि जब चुनावी मौसम हो और दल विशेष का प्रमुख नेता ही जेल में हो तो उसकी पार्टी को सही जनादेश कैसे मिल पाएगा। शायद इसलिए कोर्ट ने अंतरिम जमानत की नई राह दिखा दी और सियासी नकेल अपने हाथों में रख ली।

लोकसभा चुनाव के दौरान रंग भेद की राजनीति

लोकसभा चुनाव के दौरान राजनेताओं के बयान सुनकर ऐसा लगने लगता है कि ये अपनी हदों को पार कर करने लगे हैं। अभी हाल ही में कांग्रेस के नेता सैम पित्रोदा के बयान की मीमांसा की जा रही है। इसके तारतम्य यही है कि इस नेता ने भारत में भेद पैदा करने के प्रयास किए हैं, जो कभी सफल नहीं होने चाहिए। भारत में जिस प्रकार से सामाजिक विघटन की राजनीति की जा रही है, उससे समाज की शक्ति का लगातार पतन ही हुआ है। कभी तुष्टिकरण तो कभी वोट बैंक की राजनीति के बहाने सामाजिक एकता की राह में अवरोध पैदा करने के प्रयास किये गए, जिसके कारण समाज के कई हिस्से अलग अलग दुकान खोलकर बैठ गए और इसकी आज की राजनीति ने इसे मुंह मांगा इनाम भी दिया। जिसके कारण भारतीय समाज के बीच जो विविधता की एकता को दशार्ने वाली परंपरा रही, उसकी जड़ों में मट्ठा डालने का अनवरत प्रयास किया गया। यह सभी जानते हैं कि जिस देश का समाज कम से कम राष्ट्रीय मामलों पर एक स्वर व्यक्त करता है, वहां किसी भी प्रकार की सामाजिक बिखराव के प्रयास धूमिल ही होते है। लेकिन कुछ राजनीतिक दलों को यह सामाजिक एकता अच्छी नहीं लगती, इसलिए वह अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो वाली नीति अपनाते हुए ही अपनी राजनीति करते हैं।

सुरेश हिंदुस्तानी
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

ह राजनीतिक दलों ने अपना स्वार्थ साधने के लिए पूर्व और पश्चिम को अलग पहचान के रूप में प्रचारित करने में जोर लगाया, तो वहीं उत्तर और दक्षिण के लोगों के मन में नफरत की दरार को और ज्यादा चौड़ा किया। जबकि हमारे देश के नायकों ने एक भारत के रूप में स्वतंत्रता प्राप्त की।

लोकसभा चुनाव के दौरान राजनेताओं के बयान सुनकर ऐसा लगने लगता है कि ये अपनी हदों को पार कर करने लगे हैं। अभी हाल ही में कांग्रेस के नेता सैम पित्रोदा के बयान की मीमांसा की जा रही है। इसके तारतम्य यही है कि इस नेता ने भारत में भेद पैदा करने के प्रयास किए हैं, जो कभी सफल नहीं होने चाहिए। भारत में जिस प्रकार से सामाजिक विघटन की राजनीति की जा रही है, उससे समाज की शक्ति का लगातार पतन ही हुआ है। कभी तुष्टिकरण तो कभी वोट बैंक की राजनीति के बहाने सामाजिक एकता की राह में अवरोध पैदा करने के प्रयास किये गए, जिसके कारण समाज के कई हिस्से अलग अलग दुकान खोलकर बैठ गए और इसकी आज की राजनीति ने इसे मुंह मांगा इनाम भी दिया। जिसके कारण भारतीय समाज के बीच जो विविधता की एकता को दशार्ने वाली परंपरा रही, उसकी जड़ों में मट्ठा डालने का अनवरत प्रयास किया गया। यह सभी जानते हैं कि जिस देश का समाज कम से कम राष्ट्रीय मामलों पर एक स्वर व्यक्त करता है, वहां किसी भी प्रकार की सामाजिक बिखराव के प्रयास धूमिल ही होते है। लेकिन कुछ राजनीतिक दलों को यह सामाजिक एकता अच्छी नहीं लगती, इसलिए वह अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो वाली नीति अपनाते हुए ही अपनी राजनीति करते हैं। ऐसे लोगों को भारत की सांस्कृतिक एकता खटकती है। ऐसे लोग कुत्सित राजनीति के माध्यम से भारत की जनता के मानस में ऐसे बीज बोने का ही काम करते हैं, जो प्रथम दृष्टया विभाजनकारी ही कहे जा सकते हैं। ऐसे बयानों पर पूरी तरह से रोक लगनी चाहिए। क्योंकि यह विचार देश का भला नहीं कर सकता। अगर ऐसा विचार लेकर कोई राजनीतिक दल राजनीति करता है तो उसकी प्रासंगिकता पर भी सवाल हो सकते हैं।

राजनीतिक दलों ने अपना स्वार्थ साधने के लिए पूर्व और पश्चिम को अलग पहचान के रूप में प्रचारित करने में जोर लगाया, तो वहीं उत्तर और दक्षिण के लोगों के मन में नफरत की दरार को और ज्यादा चौड़ा किया। जबकि हमारे देश के नायकों ने एक भारत के रूप में स्वतंत्रता प्राप्त की। आज की राजनीति को देखते हुए यही कहा जा सकता है कि उनके सपनों को पूरा करने का ईमानदारी से प्रयास नहीं किया जा रहा। इसी कारण कहीं जातिवाद को हवा दी रही है तो कहीं तुष्टिकरण का प्रयास किया जा रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि हमारे राजनीतिक दल समाज को एक करने की दिशा में कदम उठाएं। इससे समाज का तो भला होगा ही, देश भी मजबूत होगा। वर्तमान में कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने अस्तित्व बरकरार रखने के जिस प्रकार का परिश्रम किया जा रहा है, वह निसंदेह आवश्यक भी था, लेकिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पिछले दो चुनावों की तरह इस बार भी पार्टी के इस अभियान को पलीता लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में शामिल विदेशी अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने जो बयान दिया है, उसे अनजाने में दिया बयान समझकर खारिज नहीं किया जा सकता, क्योंकि सैम पित्रोदा कांग्रेस नेताओं के बहुत खास रहे हैं। यहां तक कि राहुल गांधी के विदेशी दौरे भी यही प्रबंधित करते हैं। सैम पित्रोदा ने जो बयान दिया है, उससे भारत की कांग्रेस ने भले ही किनारा कर लिया हो, लेकिन विदेशों में सैम पित्रोदा भारत को किस रूप में प्रस्तुत करते होंगे, इस बात का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। सैम पित्रोदा के बयान का आशय यह भी निकाला जा सकता है कि वे भारत को एक देश के रूप में नहीं देख सकते। उनकी नजरों में शायद भारत की चारों दिशाओं में अलग अलग देश दिखाई देते हैं। कुछ ऐसे ही बयानों के कारण कांग्रेस अपने अस्तित्व से जूझ रही है। कुछ इसी प्रकार के बयान कांग्रेस के अन्य नेता भी देते रहे हैं। एक बार मैंने अपने एक लेख में लिखा था, जिसका उल्लेख अन्य लेखक भी कर चुके हैं कि कांग्रेस प्रधानमंत्री मोदी का विरोध करते करते अनजाने में देश का विरोध करने लगती है। हालांकि कांग्रेस नेताओं का आशय देश विरोध का नहीं होगा, लेकिन सवाल यह है कि कांग्रेस के नेता ऐसे बयान देते ही क्यों हैं, जिसका एक अर्थ ऐसा भी निकलता है, जिससे देश का विरोध होने का संकेत मिलता है। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा कांग्रेस के लिए कोई छोटा नाम नहीं है। वे कांग्रेस के मुख्य कर्ता धताओं में गिने जाते हैं। हालांकि चुनाव में उनके बयान का विपरीत प्रभाव न हो, इसलिए सैम पित्रोदा का इस्तीफा देना एक राजनीतिक कदम भी हो सकता है। अगर सैम पित्रोदा का इस्तीफा लेना ही था तो उनके पहले दिए बयानों पर भी तो लिया जा सकता था। लेकिन कांग्रेस ने ऐसा नहीं किया।

इससे कांग्रेस की सोच का पता चलता है और बैठे ठाले ही कांग्रेस ने भाजपा को एक और मुद्दा दे दिया। सैम पित्रोदा के बयान ने कांग्रेस की एक बार फिर से फजीहत करा दी। राहुल गांधी के इर्द गिर्द राजनीति करने वाले कांग्रेस के बड़े नेताओं के पलायन करने के बाद भी अगर शीर्ष नेतृत्व इस बात से अनभिज्ञ है कि कांग्रेस की ऐसी दुर्दशा क्यों हो रही है? तो स्वाभाविक ही है कांग्रेस को अपनी पिछली दो शर्मनाक पराजय का बोध भी नहीं हो सकता। अभी तक के राजनीतिक इतिहास में अपने सबसे बड़े दुर्दिनों का सामना कर रही कांग्रेस पार्टी समूहों में विभाजित होकर अवनति के मार्ग पर बेलगाम बढ़ती जा रही है। यह समस्याएं उसकी खुद की देन हैं। इसलिए यह कहा जा सकता है कि वर्तमान में कांग्रेस की राजनीति में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इसके पीछे बहुत सारे कारण हो सकते हैं, लेकिन सबसे बड़ा कारण यह भी माना जा रहा है कि आज की कांग्रेस में स्पष्ट दिशा और स्पष्ट नीति का अभाव सा पैदा हो गया है। उसके जिम्मेदार नेताओं को यह भी नहीं पता कि कौन से मुद्दे पर राजनीति की जानी चाहिए और किस पर नहीं।

क्यों ठहर जाता है स्लम बस्तियों में विकास का पहिया?

ज्योति कुमारी

हमारे देश की एक बड़ी आबादी आज भी ऐसी है जो शहरों और महानगरों में आबाद तो है, लेकिन वहां शहर के अन्य इलाकों की तरह सभी प्रकार की सुविधाओं का अभाव होता है. शहरी क्षेत्रों में ऐसे इलाके स्लम बस्ती कहलाते हैं. यह बस्तियां अधिकतर खाली पड़े सरकारी जमीनों पर आबाद होती हैं. जहां सरकारी सुविधाएं तो होती हैं लेकिन आबादी का एक बड़ा हिस्सा इन सुविधाओं का लाभ उठाने से वंचित रह जाता है. यह बस्तियां केवल राजधानी दिल्ली या मुंबई जैसे महानगरों में ही नहीं होती हैं बल्कि बिहार की राजधानी पटना समेत देश की लगभग सभी राज्यों की राजधानी में आबाद होती हैं. इन बस्तियों में अधिकतर आर्थिक रूप से बेहद कमजोर तबका निवास करता है. जो रोजी रोटी की तलाश में गाँव से निकल कर शहर की ओर पलायन करता है. इनमें रहने वाले ज्यादातर परिवार दैनिक मजदूरी के रूप में जीवन यापन करता है. अक्सर ऐसी बस्तियों को मलिन बस्ती के रूप में भी चिन्हित किया जाता है.साल 2011 की जनगणना के अनुसार देश में लगभग 1.23 लाख स्लम एरिया हैं जिनमें करीब 6.55 करोड़ की जनसंख्या निवास करती है. इनमें से अधिकतर बेहतर स्वास्थ्य और शिक्षा सहित कई मूलभूत सुविधाओं से वंचित रहते हैं. ऐसी ही एक स्लम बस्ती बिहार की राजधानी पटना स्थित गर्दनीबाग इलाके में भी आबाद है. बघेरा मोहल्ला के नाम से दर्ज यह बस्ती पटना हवाई अड्डे से महज 2 किमी दूर और बिहार हज भवन के ठीक पीछे स्थित है. ऐतिहासिक शाह गड्डी मस्जिद, (जिसे स्थानीय लोग सिगड़ी मस्जिद के नाम से जानते हैं), से भी इस बस्ती की पहचान है. इस बस्ती तक पहुंचने के लिए आपको एक खतरनाक नाला के ऊपर बना लकड़ी के एक कमजोर और चरमराते पुल से होकर गुजरना होगा.यहां रहने वाली 80 वर्षीय रुकमणी देवी बताती हैं कि वह इस बस्ती में पिछले 40 सालों से रह रही हैं. इस बस्ती में करीब 250-300 घर हैं, जिनकी कुल आबादी लगभग 700 के करीब है. रुकमणी देवी की पहचान क्षेत्र में एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में भी रही है. जो इस बस्ती की महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने का काम करती रही हैं. वह बताती हैं कि 1997 में सरकार ने इस बस्ती को स्लम क्षेत्र घोषित किया था. इस बस्ती में लगभग 70 प्रतिशत अनुसूचित जाति समुदाय के लोग आबाद हैं. जिनका मुख्य कार्य मजदूरी और ऑटो रिक्शा चलाना है.रुकमणी देवी के अनुसार स्लम क्षेत्र घोषित करने के बाद राज्य सरकार की ओर से यहां विकास की कई योजनाओं को शुरू करने की घोषणा की गई थी ताकि यहां के रहने वालों के जीवन स्तर को सुधारा जा सके. उन्हें बेहतर स्वास्थ्य और शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विशेष काम भी किये जाने की बात कही गई, लेकिन इनमें से अधिकतर योजनाएं लागू होने की जगह फाइलों में दब कर रह गई हैं. अलबत्ता शिक्षा के नाम पर बस्ती के एक किनारे में दो कमरों का एक प्राथमिक स्कूल संचालित है जहां एक से पांचवीं कक्षा के 30-35 बच्चों को मुफ़्त शिक्षा दी जाती है. स्कूल की शिक्षिका पुष्पा कुमारी बताती हैं कि इन्हीं दो कमरों में स्कूल का कार्यालय और कक्षाएं आयोजित की जाती है. यह स्कूल 1997 में स्थापित किया गया था. जहां बच्चों को मुफ़्त किताबें, कॉपियाँ और बैग उपलब्ध कराए जाते हैं. इसके अतिरिक्त उन्हें सरकार द्वारा निर्देशित मेनू के अनुसार मध्यान्ह भोजन भी उपलब्ध कराया जाता है. हालांकि स्कूल में बच्चों के लिए पीने के पानी की कोई व्यवस्था नहीं है, इसलिए वह भोजन के बाद अपने अपने घरों में जाकर पानी पीते है. इन बच्चों के भोजन के लिए अलग से कमरों की कोई व्यवस्था नहीं है, लिहाजा वह खुले आसमान के नीचे मैदान में उड़ते धूल के बीच ही भोजन करने को मजबूर होते है. स्कूल के प्रधानाध्यापक मुरारी कुमार बताते हैं कि कम सुविधा में भी बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए स्कूल की ओर से हर संभव प्रयास किये जाते हैं. बच्चों को खाने में पौष्टिक आहार के अलावा समय समय पर आयरन की गोलियां और कीड़े मारने की दवाईयां भी खिलाई जाती है. वह बताते हैं कि अनिधिकृत जमीन पर बस्ती और स्कूल होने के कारण इस क्षेत्र को बहुत जल्द खाली कराया जा सकता है.

संक्षिप्त खबरें

वस्तु बिहार को भुगतान करने का आदेश, किया भुगतान

छपरा कोर्ट। जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष वीरेंद्र प्रताप सिंह एवं सदस्य मनमोहन कुमार एवं मंजू सिंह वाद संख्या 38/19 जिसे 9 मई 2019 को रसूलपुर थाना के रसुलपुर निवासी हीरालाल प्रसाद ने दाखिल किया था। वाद में उन्होंने बजाज प्रबन्धक निदेशक वस्तु बिहार पटना सहित छपरा के शाखा प्रबंधक को विपक्षी बनाते हुए आवेदन दिया था कि 27 सितंबर 2016 को मंगलम बंगला हेतु 4 लाख रुपया प्रथम किस्त जमा किया था और दुसरा किस्त 22 अक्टूबर 2016 को 4 लाख 56 हजार 900 रुपया दिया था। परन्तु तय सीमा के अन्दर उसको मकान नही मिला सभी वरीय पदाधिकारियों को लिखित आवेदन दिया कोई सुनवाई नहीं हुई और ना ही उसके द्वारा जमा रुपया ही रुपया ही वापस हुआ तब उसने आयोग में आवेदन दिया आयोग ने कड़ा रुख अपनाते हुए कुल जमा रुपया सूद समेत वापस करने का आदेश दिया। जिसके बाद वस्तु बिहार ने कुल राशि का भुगतान आवेदक को समय सीमा के अंदर कर दिया।

डीडीसी ने किया प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण

छपरा। उप विकास आयुक्त प्रियंका रानी द्वारा मंगलवार को 19-महाराजगंज लोक सभा आम निर्वाचन - 2024 एवं 20- सारण लोक सभा आम निर्वाचन-2024 के निमित जिला स्कूल एवं नव स्थापित जिला स्कूल छपरा तथा लक्ष्मी नारायण ब्राह्मण स्कूल, छपरा में आयोजित मतदान कर्मियों का यथा- ढ0, ढ1 ,ढ2, ढ3, ढ4 के द्वितीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में मतदान कर्मियों के निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़ी विभिन्न आशंकाओं का समाधान किया गया। साथ ही निर्देशित किया गया कि सभी कर्मी समुचित ढंग से प्रशिक्षण प्राप्त करना सुनिश्चित करेंगे ताकि मतदान की तिथि को निर्वाचन संबंधी कार्यों एवं दायित्वों के सम्यक निर्वहन में कोई कठिनाई उत्पन्न न हो और सुगमता पूर्वक मतदान की प्रक्रिया संपन्न की जा सके। इस अवसर पर महाराजगंज लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिये भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक भी मौजूद थीं।

भाजपा नेता सांसद सुशील कुमार मोदी के निधन पर शोक की लहर

इसुआपुर। बिहार भाजपा के कद्दावर नेता राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी के असामयिक निधन की खबर सुनते ही इसुआपुर में शोक की लहर व्याप्त हो गई। बीजेपी की प्रदेश नेत्री स्थानीय जिला पार्षद प्रियंका सिंह के सतासी स्थित आवास पर एक शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें 2 मिनट का मौन रखकर दिवंगत नेता सुशील कुमार मोदी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वहीं पार्टी में उनके द्वारा किए गए योगदान को याद किया गया। श्रद्धांजलि सभा में भाजपा नेत्री स्थानीय जिला पार्षद प्रियंकासिंह, धीरज सिंह, पप्पू सिंह, नंदकिशोर सिंह, मुख्तार सिंह,अमित सिंह, तूफानी सिंह,रामदास राम, रामबाबू कुशवाहा, विनीत सिंह व अन्य थे। बीजेपी के मंडल अध्यक्ष सत्यदेव साह,पार्टी के वरीय नेता बद्रीनारायण सिंह, विवेक कुमार सिंह, अनिल सिंह, कृष्णानंद सिंह, छात्र नेता रणवीर सिंह, रणधीर सिंह व अन्य ने भी अपनी गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

सुशील मोदी का पार्थिव शरीर लेने पटना हवाई अड्डा पहुंचे रुडी, कहा आज मै निःशब्द हूँ

रुडी ने कहा, भाई जैसे मित्र, अभिभावक जैसा मार्गदर्शक थे सुशील मोदी

- कॉफिन ट्रॉली पर रखते कर्मियों पर गुस्सा हुए रुडी, कंधा दे पहुंचाया एम्बुलेंस में
- एयरपोर्ट पर भावुक हुए रुडी, कहा, आज मैने भाई जैसा मित्र खो दिया
- पहली बार साल 1990 में रुडी और सुशील मोदी बने थे विधायक

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय । सारण से भाजपा प्रत्याशी सह पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रुडी ने बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री व भाजपा नेता सुशील मोदी के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। आज जब सुशील मोदी का पार्थिव शरीर पटना हवाई अड्डा पहुंचा तो रुडी भी वहां पहुंचे और देखकर भावुक हो गये। जब कर्मीयों ने सुशील मोदी के पार्थिव शरीर को ट्रॉली पर रखना शुरू किया तो रुडी गुस्सा हो गये और स्वयं कार्यकर्ताओं के साथ पार्थिव शरीर को कंधा देकर एम्बुलेंस तक पहुंचाया। वहीं सुशील कुमार मोदी की पत्नी जेस्सी जॉर्ज रुडी के कंधे पर सिर रखकर रोने लगी, उस समय रुडी की आंखों में भी आंसू आ गये। रुडी ने कहा कि सुशील कुमार मोदी एक दोस्त थे, गार्जियन थे। सुशील मोदी को याद करते हुए मीडिया से बात करते हुए रुडी ने कहा कि उनके परिवार से मेरा खासा लगाव रहा है। उनके जाने से मैंने अपना भाई जैसा मित्र खो दिया। रुडी ने कहा, आज निःशब्द हूँ, आज मैने अपने भाई जैसे मित्र को खोया है। वो मुझे सलाह भी देते थे, और मशवरा भी करते थे।

उनके साथ मेरी हर विषय पर बात होती थी, रुडी ने कहा, उनके अंदर विनम्रता कूट-कूट कर भरी थी, पार्टी के समर्पित सिपाही थे। उनका दिमाग इतना तेज था कि वो सबकुछ याद रखते थे। रुडी ने बताया कि साल 1990 में तरैयां विधानसभा क्षेत्र से मै और पटना केंद्रीय विधानसभा क्षेत्र से सुशील जी पहली बार बिहार विधानसभा के लिए चुने गये थे। उन्होंने कहा कि सुशील मोदी सिर्फ बिहार के नहीं बल्कि देश के नेता थे। बिहार की करोड़ो जनता और कार्यकर्ता के साथ उनका बहुत लगाव था। वे हमारे लिए एक भाई जैसे मित्र, अभिभावक जैसा मार्गदर्शक थे, वे एक अच्छे इंसान थे। सबसे बड़ा दुख है कि एक अच्छा व्यक्ति, एक अच्छा नेता हमारे बीच से चला गया। रुडी ने बताया कि सुशील जी देश के उन गिने चुने नेताओं में शामिल रहे है, जो चारों सदन के सदस्य रहे हैं। साल 1973 में पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ के महासचिव बने थे। 1990 में वो सक्रिय राजनीति में आए, सुशील मोदी पहली बार विधायक बने और उन्हें भाजपा विधायक दल का मुख्य सचेतक बनाया गया। उन्होंने 2005 में अपनी लोकसभा सदस्यता छोड़ दी और बिहार विधान परिषद के सदस्य बन गए, जिसके बाद उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया गया और नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने। वो 2020 में राज्यसभा के लिए चुने गए।

16 मई को भेलाही में एनडीए प्रत्याशी के समर्थन में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पहुंचेंगे भेलाही

संभावित कार्यक्रम को लेकर डीएम व एसपी ने किया स्थल निरीक्षण

प्रात : किरण, संवाददाता

रक्सौल। 25 मई को पूर्वी चंपारण में होने वाले आगामी लोक सभा चुनाव को लेकर आगामी 16 मई को सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का रक्सौल के भेलाही में प्रस्तावित कार्यक्रम है। मुख्यमंत्री के उक्त प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल और एसपी कांतेश मिश्रा भेलाही पहुँच कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। कार्यक्रम आयोजक टीम के सदस्यों के साथ बैठक कर कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उक्त कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पश्चिमी चंपारण के एनडीए की तरफ से लोक सभा के प्रत्याशी डॉ. संजय जायसवाल के समर्थन में वोट देने के लिये लोगो से अपील करेंगे। एसपी कांतेश मिश्रा ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि 16 मई को सीएम नीतीश कुमार की चुनावी सभा कार्यक्रम होना है। जिसको लेकर तैयारी की जा रही हैं। पटना की टीम भी कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करने आएगी। एसपी श्री मिश्रा ने कहा कि लोकसभा चुनाव को लेकर सीमा पर विशेष चौकसी बरतने का निर्देश दिया गया है। एसएसबी के अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यकम के दिन सीमा पर बिशेष सतर्कता बरती जाएगी। सीमा पर आने-जाने वाले हर लोगो पर पैनी नजर रहेगी। सभी थानों के अधिकारियों व सिपाहियों को सुरक्षा ब्यवस्था में लगाया जाएगा। इस संबंध में स्थानीय विधायक प्रमोद कुमार सिन्हा ने अधिकारियों को बताया कि इससे पूर्व इस ग्राउंड में दो बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का कार्यक्रम हो चुका है। कोई दिक्कत नही हुआ है। इस मौके पर भाजपा विधायक प्रमोद कुमार सिन्हा, एसडीएम शिवाक्षी दीक्षित, डीएसपी धीरेन्द्र कुमार, बीडीओ जय प्रकाश, इंस्पेक्टर राजनन्दन सिन्हा, जदयू प्रदेश महासचिव कपिलदेव प्रसाद, मुखिया सुमन पटेल, भाजपा मुख्यालय सह प्रभारी ई. जितेंद्र कुमार, भाजपा जिला महामंत्री अजय पटेल, भाजपा जिला मंत्री मनीष दुबे, भाजपा नेता राजकिशोर राय उर्फ भगत जी, जदयू युवा प्रदेश उपाध्यक्ष सन्नी पटेल, भेलाही थानाध्यक्ष नितिन कुमार, हरैया ओपी प्रभारी अनुज कुमार, पलनवा थाना के सब इंस्पेक्टर हुलास राय सहित कई लोग मौजूद थे।

सिकरहना नदी में नहाने के दौरान डूबी दो बच्चियां

- तलाश में जुटी SDRF एवं स्थानीय पुलिस प्रशासन की टीम
- संवाद प्रेषण तक प्रशासन नहीं कर पाई लाश की तलाश

प्रात : किरण, संवाददाता

बेतिया.मझौलिया थाना क्षेत्र के सिकरहना नदी के कदमवा सेमरा घाट में सोमवार की देर संध्या दो बच्चियों के डूबने का मामला सामने आया है. सूचना पर अंचलाधिकारी राजीव रंजन थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार मिश्रा पहुंचकर एसडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों की टीम द्वारा सोमवार शाम से ही दोनों बच्चियों की तलाश में जुटी हुई थी.अधिकारियों द्वारा बताया गया कि सोमवार की शाम दोनों बच्चियां में 12 वर्षीय कुसुन तारा और 10 वर्षीय जिनतारा सिकरहना नदी की तरफ बकरी चराने गई थी. देर शाम तक दोनों बच्चियों नहीं लौटी तो परिवार वालों की चिंता बढ़ गई बताया जाता है कि उसी दौरान दोनों नदी में नहाने गई और पैर फिसलने से डूब गई. अंचलाधिकारी ने बताया कि अधिकारियों का टीम कैंप कर रहा है. एसडीआरएफ टीम काम कर रही है जब तक बच्चियों का लाश का पता नहीं किया जा पता है तब तक कुछ विशेष नहीं कहा जा सकता है.इधर बच्चियों के लापता होने से परिजनों में कोहराम मच गया तथा स्थानीय लोगों में कई तरह की चचाएं हो रही हैं.परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. वहीं गांव में भी मातम पसरा हुआ है. गांव के लोग नदी के पास इकट्ठा होकर बच्चियों के बारे में पता लगने का इंतजार कर रहे हैं।

पूर्व डिप्टी सीएम सुशील मोदी के निधन पर शोक सभा का हुआ आयोजन

प्रात : किरण, संवाददाता

रक्सौल। बीजेपी चुनाव कार्यालय रक्सौल नगर में नगर अध्यक्ष कन्हैया सर्राफ की अध्यक्षता में बिहार भाजपा के कद्दावर नेता एवं पूर्व डिप्टी सीएम सुशील कुमार मोदी के निधन पर शोक सभा का आयोजन करते हुए 2 मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। इस दौरान रक्सौल भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रमोद शंकर सिंह ने उनकी जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बिहार भाजपा का वो सितारा आज हमसे ओझल हो गया, जिसके संघर्षो की बदौलत बिहार से जंगलराज का सफाया हुआ। बिहार भाजपा के मुख्यालय सह प्रभारी ई. जितेन्द्र कुशवाहा ने कहा कि 2005 से जबसे एनडीए की सरकार सत्ता में आयी और जब नीतीश जी मुख्यमंत्री और सुशील जी उपमुख्यमंत्री बने तब जाकर सुशील मोदी बेहतर वित्तीय प्रबंधन में बिहार का बजट 10 गुना बढ़ा। सुशील जी के नेतृत्व में बिहार से जंगलराज की समाप्ति हुई। मौके पर मनोज सर्राफ, रवि गुप्ता, कमलेश कुमार, पप्पू जी, विन्ध्याचल पासवान, भोला साह, प्रेम गुप्ता, मदन पटेल, विजय कुशवाहा, अभिषेक बरनवाल, मुन्ना कुमार, अनिल जोशी जी, प्रभात बरनवाल, हिमांशु अग्रवाल, देशबंधु गुप्ता, महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष सीमा देवी एवं संगीता देवी आदि मौजूद थे।

भाजपा के आधार स्तंभ पुर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी का निधन, शोक

प्रात : किरण, संवाददाता

डोरीगंज : भारतीय जनता पार्टी के आधार स्तंभ पुर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी का कैंसर बीमारी के कारण इलाज के क्रम मे निधन हो गया । उनके निधन की खबर सुन इलाके मे शोक की लहर दौर गयी । उनके निधन से आहत पुर्व विधायक ज्ञानचन्द माँझी ने कहा कि उनके निधन से पार्टी के साथ साथ बिहार वासियों को अपुर्णीय क्षति पहुँची है । वे बिहार भाजपा के आधार स्तंभ थे साथ ही मेरे लिए एक अभिभावक स्वरुप थे । वहीं चिरांद विकास परिषद के सदस्यों द्वारा भी पूर्व उप मुख्य मंत्री सुशील मोदी के निधन भाव भीनी श्रद्धांजली दी गई उनके निधन पर परिषद के वरिष्ठ सदस्य हरिद्वार सिंह,रघुनाथ सिंह,तारकेश्वर सिंह,श्रीकांत पांडेय,राशेश्वर सिंह,जयदिनेश पाण्डेय,चंदन कुमार,हरीमोहन सिंह,वरिष्ठ भाजपा नेता अरविन्द कुमार सिंह , प्रखण्ड अध्यक्ष मुन्ना साह , पुर्व प्रखण्ड अध्यक्ष दिनेश सिंह राजन , विपिन सिंह , राजेश सिंह , मनीष सिंह , विनय कुमार विमल, हरेश्वर सिंह , अजय माँझी , सहित अनेक भाजपा कार्यकताओं ने शोक व्यक्त किया है ।

डीएम और एसपी ने किया रामगढ़वा चेक पोस्ट का निरीक्षण

प्रात : किरण, संवाददाता

रक्सौल। पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्रा के द्वारा क्षेत्र भ्रमण के दौरान रक्सौल अनुमंडल के रामगढ़वा में बनाए गए चेक पोस्ट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय ड्यूटी पर प्रतिनियुक्ति दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित पाए गए।निरीक्षण के दौरान डीएम के द्वारा इस चेक पोस्ट पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारी के बैठने की बेहतर व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। यहां पर जिलाधिकारी को बताया गया कि इस चेक पोस्ट पर तीन शिफ्ट में पदाधिकारी, कर्मी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति है और यह चेक पोस्ट 24 घंटे क्रियाशील है। आने-जाने वाले सभी गाड़ियों पर नजर रखी जा रही है और उसे चेक किया जा रहा है। डीएम के द्वारा चेक पोस्ट पर ठंडा पेयजल की व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया गया। यहां पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जल्द ही और पुलिस बल इस चेक पोस्ट को उपलब्ध कराया जाएगा।ज्ञातव्य है कि लोकसभा चुनाव 2024 को स्वच्छ वातावरण में भय मुक्त एवं प्रलोभन मुक्त संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन पूर्वी चंपारण के द्वारा जिला के सभी 12 विधानसभा क्षेत्र के लिए प्रति विधानसभा तीन-तीन स्टेटिक सर्विलांस टीम की प्रतिनियुक्ति की गई है। रक्सौल, सुगौली और नरकटिया विधानसभा को अधिक संवेदनशील मानते हुए यहां पर एक-एक अतिरिक्त स्टेटिक सर्विलांस टीम लगाई गई है। इस प्रकार जिला में कुल 39 टीम का गठन कर चिन्हित किए गए स्थान पर प्रतिनियुक्त किया गया है। इन सभी जगहों पर चेक पोस्ट बनाए गए हैं और ये 24 घंटे क्रियाशील हैं।

मोर्चा के सदस्यों ने कुलपति से मिले

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा सदर। मंगलवार को सामाजिक संगठन युवा शक्ति संघर्ष मोर्चा का एक प्रतिनिधि मंडल जेपीयू कुलपति प्रोफेसर परमेंद्र कुमार बाजपेई से मिला। प्रतिनिधि मंडल के प्रमुख मांग में 2016-17 अंक पत्र में त्रुटि,युजी,पीजी स्पेशल एग्जामिनेशन, प्रिंटेड मार्कशीट परीक्षा तिथि घोषित करने छात्रों को एकेडमिक परेशानियां दूर करने आदि मांगों को लेकर संगठन के पदाधिकारी अमित नयन ने जेपीयू कुलपति प्रोफेसर प्रमेंद्र कुमार बाजपेई से गंभीर चर्चा की। बातों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए कुलपत महोदय ने कहा कि परीक्षा फल, मार्कशीट आदि समस्याओं को लेकर लगातार प्रयास कर रहे हैं। सीघ्र सभी समस्याओं का निपटारा होगा। कुलपत से मिलने वाले प्रतिनिधि मंडल में सीबी तिवारी, पूजा,आकाश, राजीव मोहन सुनीता, रमेश सद्दाम हुसैन, शहाबुद्दीन आदि छात्र छात्रा शामिल थे।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा चलाया गया मतदाता जागरूकता अभियान

प्रात : किरण, संवाददाता

बेतिया(घनश्याम).अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी के पंडित दिन दयाल उपाध्याय परिसर में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया.इस दौरान विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं द्वारा सैकड़ों छात्रों के बीच मतदान के महत्व को बताया और चंपारण में अधिक से अधिक मतदान हो इसके लिए जागरूक किया गया।राष्ट्रीय छात्र शक्ति पत्रिका के उत्तर बिहार के प्रांत प्रमुख रौशन कुमार गुप्ता ने कहा कि बिहार लोकतंत्र की जननी है और चंपारण सत्याग्रह की भूमि है इसी लिए विधार्थी परिषद लोगो से आग्रह कर रही है की वे लोग अधिक से अधिक संख्या में सबसे पहले मतदान करे फिर अन्य कार्य करें।रौशन कुमार ने आगे कहा कि राष्ट्र प्रथम को आधार मानकर अपना मतदान करें नही तो अराजक शक्तियां जो देख तोड़ने का कार्य करती है वे मजबूत हो जायेगी।प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अर्पित श्रीवास्तव ने कहा कि पहले मतदान फिर जलपान तभी मतदान का प्रतिशत बढ़ेगा। मतदान के प्रति उदासीनता होना आज के युवाओं के लिए सही नही है जब ज्यादा से ज्यादा युवा मतदान के प्रति जागरूक होगे एवम आसपास के लोगो को जागरूक करेंगे तभी भारत का पुननिर्माण होगा।इस मतदाता जागरूकता अभियान को सफल बनाने में विजय अग्रवाल,आकाश शर्मा,प्रियंका राज,निधि यादव,नंदन कुमार, शिव शंकर शर्मा,सुरजीत कुमार, सृजा दीप,स्वाति सिंह आदि शामिल थे।

12 साल की नाबालिग लड़की का रक्सौल में गैंग रेप

पुलिस ने एक आरोपी को किया गिरफ्तार, दूसरे नामजद की हो रही है तलाश

- नशे का इंजेक्शन देकर चार दिन तक होता रहा रेप
- प्राइवेट पॉर्ट को किया क्षतिग्रस्त, पीड़िता ईलाज के लिए मुजफ्फरपुर रेफर

प्रात : किरण, संवाददाता

रक्सौल। अब रक्सौल में भी एक और निर्भया की कहानी उजागर हुई है। जहां एक 12 वर्षीया बेटी के साथ दिल दहला देने वाली हैवानियत की मामला सामने आया है और आरोपियों पर गैंग रेप के आरोप लगा है। मानवता को शर्मसार करने वाली इस घटना ने सबकों झकझोर कर रख दिया है। जहां एक 12 साल की नाबालिग लड़की से चार दिनों तक नशे का इंजेक्शन देकर गैंगरेप किया गया और बाद में उसके परिवार को यह धमकी देकर छोड़ा गया कि यदि घटना के बारे में किसी को बतायेगी तो जान से हाथ धोना पड़ेगा। हालांकि पीड़िता की मां और मामा ने हिम्मत दिखायी और मामले को लेकर पुलिस के पास पहुंचे। जिसके बाद मानवता को शर्मसार करने वाली इस घटना का खुलासा हो सका। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार एक नाबालिग लड़की को रक्सौल थाना क्षेत्र अंतर्गत हरदीया पंचायत के वार्ड नंबर 5 निवासी सलाउदिन अंसारी के पुत्र सौहेल अंसारी व उसके सहयोगी नवका टोला के ही जितेन्द्र कुमार के द्वारा बहला-फुसला कर बीते गुरूवार 9 मई को रक्सौल से अगवा कर लिया गया। पहले उसे रक्सौल के बाइपास में संचालित एक चप्पल फैक्ट्री के मकान में रखा गया, लड़की के अनुसार यहां उसके साथ गैंगरेप किया गया, लड़की हल्ला न कर सके, इसके लिए उसे बेहोशी का इंजेक्शन दिया जाता रहा।पुलिस सुत्रों और अस्पताल सुत्रों की माने तो पीड़िता ने बताया है कि जब-जब उसे होश आता था, उसे इंजेक्शन दे दिया जाता था। मानवता के दुश्मनों ने 4 दिनों तक पीड़िता के साथ इस घटना को अंजाम दिया और इसके बाद रविवार की शाम उसे रामगढ़वा लाकर उसके परिजनों को खबर दी कि तुम्हारी बेटी यहां है, इसे आकर ले जाओ, परिजन जब नाबालिग को लेने के लिए पहुंचे तो उन्हे धमकी दी गयी कि किसी को यदि कुछ बताया तो जान से मार देगें।पीड़िता जब रविवार की शाम अपने घर पहुंची तो उसके प्राइवेट पार्ट से अधिक मात्रा में रक्त स्त्राव हो रहा था। बेटी के साथ हुई हैवानियत को देख मां ने हिम्मत बनायी और उसे लेकर रक्सौल थाना पहुंची। पुलिस ने भी तत्काल मामले का संज्ञान लिया और पीड़िता को इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल में भेजा गया, यहां उसकी हालत लगातार बिगड़ती देख, जिसके बाद बेहतर इलाज के लिए पीड़िता को मोतिहारी तथा बाद में वहां से मुजफ्फरपुर रेफर कर दिया गया। अभी पीड़िता का एस के एम सी एच अस्पताल में इलाज चल रहा है, जहां उसकी हालत गंभीर बतायी जा रही है

इधर, इस मामले में पुलिस ने छापेमारी कर एक आरोपी जितेन्द्र कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है, जबकि इस मामले को लेकर रक्सौल थाना में कांड संख्या 167/24 दर्ज करते हुए फरार आरोपी और इसमें सहयोग करने वाले लोगों की तलाश की जा रही है।थानाध्यक्ष राजीव नंदन सिन्हा ने बताया कि मामला दर्ज कर पुलिस आवश्यक कार्रवाई कर रही है। वहीं डीएसपी धीरेन्द्र कुमार ने बताया कि कुछ और भी सुराग हाथ लगा है, जिसके आधार पर कार्रवाई की जा रही है। इस घटना ने शहर को शर्मशार कर दिया है, रक्सौल में ऐसी घटना पहली बार हुई है, लेकिन पुलिस भी इसमें काफी सक्रिय है और ऐसा प्रतीत हो रहा है कि आरोपी बख़्शे नहीं जाएंगे।

*सवाल यह भी उठता है, जब दिल्ली में हुए निर्भया की घटना के बाद आरोपियों को फांसी दी गई, तो आखिर ऐसे दरिंदे कब समझेंगे, अब इससे कौन ज्यादा कानून बनाया जाए? आखिर ऐसे लोग हिम्मत कहां से जुटाते हैं और इनका रखवाला कौन होता है, क्या ऐसे लोगों को समाज में रहने का हक है। खैर आगे पुलिस जांच का विषय है, पूरी मामला का खुलासा होने पर पूरी सच्चाई बाहर आ जायेगी।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने बाजार समिति स्थित ईवीएम वज्रगृह एवं मतगणना केंद्र का किया निरीक्षण

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी अमन समीर एवं पुलिस अधीक्षक डॉ०गौरव मंगला ने आज छपरा बाजार समिति के प्रांगण में बनाये गये ईवीएम वज्रगृह एवं मतगणना केंद्र से संबंधित किये जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया। मतदान के दिन मतदान के उपरांत ईवीएम जमा करने के लिये विधानसभा वार रिसीविंग काउंटर बनाया जा रहा है। प्रत्येक विधानसभा के रिसिविंग काउंटर के पास मतदान कर्मियों के प्रतीक्षा एवं विश्राम हेतु पर्याप्त जगह में पंडाल बनाया जा रहा है। इसके साथ ही सुरक्षा बलों के रहने हेतु भी व्यवस्था की गई है। यहाँ प्रत्याशियों के प्रतिनिधियों के लिये विश्राम स्थल, प्रेक्षक कक्ष, आरओ कक्ष, मीडिया सेंटर आदि का भी निर्माण किया जा रहा है। मतगणना हेतु विधानसभा वार अलग अलग मतगणना कक्ष तैयार किये जा रहे हैं। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को शेष कार्यों को निर्धारित मानक के अनुरूप समय से पूरा करने का निदेश दिया। परिसर की साफ सफाई , पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था के संबंध में भी त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। इस अवसर पर उपविकास आयुक्त सहित अन्य सभी सहायक निवार्ची पदाधिकारी, अपर समाहर्त्ता लोकशिकायत, उप निर्वाचन पदाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

विधि मंडल के आदेश पर लगी रोक

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा कोर्ट। विधि मंडल महामंत्री द्वारा आम सभा में लिए गए निर्णय के विरोध में छपरा विधि मंडल के कार्य समिति के 16 सदस्यो और 261 अधिवक्ताओं द्वारा बिहार राज्य विधिज्ञ परिषद, पटना में एक लिखित आवेदन दिया गया था जिस पर निवर्तमान 15 से ज्यादा कार्यकारणी सदस्यगण के साथ 261 अधिवक्ताओ ने भी हस्ताक्षर युक्त आवेदन दिया था।जिसके आलोक में विधि परिषद ने 13.05.2024 के पत्रांक 1080/2024 के माध्यम से अविलंब नए प्रपत्र पर रोक लगा दी। 10.05.2024 से शुरू की गई नई प्रपत्र की बिक्री पर रोक लगा दी है।दोगुने हुए प्रपत्रों के मूल्य के विरोध में आम सभा में आवाज उठाने के बाद अब कार्य समिति सदस्य मंटू कुमार सिंह, अनीश कुमार सिंह, रंजित कुमार पांडे, ओम शरण, चंद्र शेखर कु राय, पप्पू कुमार ठाकुर, बजरंगी प्रताप सिंह, के साथ साथ उपाध्यक्ष निर्मल कुमार श्रीवास्तव, देवेंद्र प्रसाद, शिव प्रकाश सुमन, अजय कुमार सिंह, सुनील कुमार, कुमार शशि रंजन,एवम भिखारी राय सहित 250 से ज्यादा अधिवक्ता गण ने आवेदन देकर मूल्य वृद्धि को रोकने की मांग की थी। प्रपत्रों कर दाम कम हो जानें के बाद विधि मंडल परिसर में अधिवक्ताओ ने खुशी का इजहार किया गया और लड्डू बाटा बैठक में राज किशोर सिंह, उमेश कुमार मिश्रा, सुरेंद्र महतो, कुमार गौरव, अर्जुन ओझा सुमंत कुमार द्विवेदी एवम अन्य अधिवक्तागण ने मूल्य वृद्धि को मॉडल रूल्स के खिलाफ बताया ।

भारत स्काउट और गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय ने किशोर स्वास्थ्य एवं पोषण अभिमुखीकरण पे आयोजित किया सेमिनार

प्रात : किरण, संवाददाता

छपराः- भारत स्काउट और गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली द्वारा किशोर स्वास्थ्य एवं पोषण अभिमुखीकरण पे सेमिनार का आयोजन किया गया।सेमिनार में वर्चुअल रूप से पूरे भारतवर्ष के स्काउट गाइड शामिल हुए।सेमीनार के शुरूआत में सभी प्रतिभागियों एवं अतिथियों का स्वागत भारत स्काउट गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय के संयुक्त निदेशक गाइड दशार्ना पावस्कर के द्वारा किया गया। वर्चुअल रूप से सेमिनार को मोनिका मौर्य एसबीएस ऑफिसर यूनिसेफ के द्वारा किशोर स्वास्थ्य एवं पोषण अभिमुखीकरण पे विस्तृत जानकारी दिया गया।तो वही नरेंद्र सिंह चौहान वास ऑफिसर यूनिसेफ के द्वारा सेफ ड्रिंकिंग वॉटर एंड हैंड शॉप पे विस्तृत चर्चा किया गया। वही यूनिसेफ के प्रशिक्षक पुष्पा अवस्थी द्वारा एनीमिया के संदर्भ में विशेष जानकारी दिया गया। स्वास्थ्य अधिकारी यूनिसेफ डॉक्टर अमित डोगरा के द्वारा हीट वेव से बचने एवं लू से बचने के संदर्भ में विस्तृत जानकारी दिया गया। पूरे भारतवर्ष से जुड़े हुए स्काउट गाइड को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय मुख्यालय से सहायक निर्देशक बबलू गोस्वामी ने कहा कि इस तरह के आयोजन से स्काउट गाइड को बेहतर प्रशिक्षण मिला है जो प्रत्येक विद्यालय और जिला स्तर पर जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करने का कार्य करेंगे। सारन जिला से इस वर्चुअल सेमिनार में जिला संगठन आयुक्त स्काउट अमन राज शामिल हुए।अमन ने बताया कि जिला स्तर पर प्रत्येक विद्यालयों में इस तरह का आयोजन कर विद्यार्थियों को जागरूक किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व राज्यपाल से सल्लू खान ने शहर की समस्याओं से कराया अवगत

औरंगाबाद। केरल के पूर्व राज्यपाल निखिल कुमार से कांग्रेस नेता मो. शाहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान ने जनता की समस्या को लेकर अवगत कराया है। पूर्व राज्यपाल ने सल्लू को आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन को मजबूती से काम करने को ले निर्देश दिया। कहा कि शहर की जो भी समस्या हो मुझे बताइए। समस्याओं का निदान करने का प्रयास करूंगा। सल्लू खान की तारीफ करते हुए कहा कि इसी तरह से पार्टी के लिए अच्छे तरीके से काम करते रहे। पूछा कि मरीज को कोई भी समस्या या संकट नहीं होनी चाहिए। सदर अस्पताल की व्यवस्था पूछा। सल्लू ने बताया कि उपाधीक्षक डा. आशुतोष कुमार के नेतृत्व में बेहतर कार्य हो रहा है। इनके कार्यकाल में मरीजों को अच्छी सेवा मिल रही है। लोकसभा चुनाव के मतगणना के बाद औरंगाबाद में मेडिकल कालेज, सीआरपीएफ सेंटर के साथ-साथ केंद्रीय विद्यालय की जमीन मुद्दे पर बात किया। कहा कि समस्या को करने की मांग की। औरंगाबाद में पैदल की संकट और है। औरंगाबाद को पानी की समस्या का अवगत कराकर मुझे बताएं।

आयोजित हो रहा है विशेष लोक अदालत, जिलेवासी उठाये लाभ : जिला जज

औरंगाबाद। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष सह जिला एवं सत्र न्यायाधीश अशोक राज ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा एक विशेष लोक अदालत आयोजन किया जाना है, इसको लेकर बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के द्वारा पत्र एवं निर्देश प्राप्त हुआ है। जिसके आलोक में उन्होंने बताया कि आगामी 29 जुलाई 2024 से 03 अगस्त 2024 तक माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लंबित वादों से सम्बन्धित एक विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। जिला जज ने जिलेवासियों से यह अपील किया है कि अगर उनका कोई भी सुलहनीय वाद सर्वोच्च न्यायालय में लम्बित है तो इस अवसर का लाभ उठाकर कर अपने वाद को उक्त आयोजित होने वाले विशेष लोक अदालत में निस्तारण करवायें। उन्होंने मिडिया से भी यह अपील किया है कि सर्वोच्च न्यायालय में आयोजित होने वाले विशेष लोक अदालत के विषय में आमजनों को ज्यादा से ज्यादा अवगत करायें ताकि अधिक से अधिक लोग को लाभ प्राप्त हो सके। जिला जज ने आगे बताया कि जिले में भी आगामी 13 जुलाई को राष्ट्रीय लोक अदालत का भी आयोजन होना है।

पूर्व उपमुख्यमंत्री के निधन पर शोक सभा

औरंगाबाद। जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के लाइब्रेरी में अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद शाखा औरंगाबाद द्वारा एक शोक सभा आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद शाखा औरंगाबाद के अध्यक्ष सत्येन्द्र नारायण दुबे व संचालन महामंत्री मनोज मिश्रा ने किया। सर्वप्रथम दिवंगत सुशील कुमार मोदी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए दो मिनट का मौन रखकर उसके आत्मा के शान्ति की प्रार्थना की गई। सुशील कुमार मोदी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के निष्ठावान कार्यकर्ता थे। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री रह चुके थे। लगातार तीन दशक बिहार के बड़े राजनेता रहे। इस अवसर पर उपस्थित थे जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय, धर्मराज शर्मा, अरूण कुमार तिवारी, मिथलेश सिंह, रामाशीष शर्मा,प्रदीप सिंह, सतीश कुमार स्नेही, नीरज कुमार श्रीवास्तव, संजय सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

पूर्व उपमुख्यमंत्रीके निधन पर शोक

औरंगाबाद। सदर प्रखंड स्थित स्थित ग्राम जम्होर में अखिल भारतीय तेली महासभा द्वारा प्रदेश अध्यक्ष डॉ राम बहादुर प्रसाद गुप्ता के आह्वान पर बिहार प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया है। प्रदेश मीडिया प्रभारी सुरेश विद्यार्थी के नेतृत्व में उपस्थित लोगों ने उनके सम्मान में 2 मिनट का मौन रखा एवं उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि 1974 के छात्र आंदोलन में सुशील मोदी जी ने महत्वपूर्णभूमिका निभाईथी। जयप्रकाश नारायण के पद चिन्हों पर चलकर राजनीति में सुचिता का स्थान कायम कराया था।

जो दल संविधान बचाने की चिंता करेगा उसके साथ दलित खड़ा रहेगा : कुमार सर्वजीत

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। जहानाबाद संसदीय क्षेत्र के अरवल विधानसभा क्षेत्रीय स्थित बेलसार चकिया गांव में अखिल भारतीय दुसाध उत्थान परिषद की बैठक किया गया। इस दौरान महागठबंधन से राष्ट्रीय जनता दल के जहानाबाद लोकसभा के प्रत्याशी सुरेंद्र प्रसाद यादव के पक्ष में वोट करने के लिए निर्णय लिया। बैठक की अध्यक्षता अशोक कुमार ने की जबकि संचालन वशिष्ठ पासवान ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में बोधगया के विधायक सह बिहार सरकार के पूर्व मंत्री कुमार सर्वजीत शामिल हुए। अखिल भारतीय दुसाध उत्थान परिषद के वक्ता अखिलेश पासवान ने उपस्थित लोक से संबोधित करते हुए कहा कि अंबेडकर जी के संविधान और हस्ताक्षर को हटाकर आरएसएस और भाजपा के लोग अपना हस्ताक्षर लाकर भारतीय संविधान लागु करना चाहते हैं उन्होंने कहा कि संविधान पर खतरा हो गया है दोस्तों यह देश खासकर दलित परसों कल से गुजर रहा है संविधान बचाने के लिए सुरेंद्र यादव का वोट करना होगा। इस दौरान कुमार सर्वजीत ने मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जो दल संविधान बचाने की बात करेगी उसी के साथ है दलित खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सरकार में 35 किलो अनाज चीनी और किरासन तेल गरीबों का मिलता था और कभी ओलहाना नहीं दिया आज क्या स्थिति है 5 किलो अनाज देकर ओलहाना दे रहे हैं दलितों के कंधे में इतनी शक्ति है इससे ज्यादा तो एक व्यक्ति ने एक महीने में कमाकर 35 किलो अनाज नरेंद्र मोदी का दे देगा।

तेजस्वी यादव के कुचलने के लिए ना जाने कितनी शक्ति लगा रहे मोदी

पूर्व कृषि मंत्री कुमार सर्वजीत सिंह ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि 32 साल का लड़का है तेजस्वी यादव का कुचलने के लिए ना जाने कितने सारे शक्तियां लगा रखे हैं नरेंद्र मोदी एक हेलीकॉप्टर बनाम 50 हेलीकॉप्टर। उन्होंने कहा तेजस्वी यादव के ऊपर शक्ति है गरीबों का जिसपर गरीब दलित का पिछड़ा का शक्ति है जिसका कोई माई के लाल नहीं कुचल नहीं सकता है। कुमार सर्वजीत ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी का जो नारा है अबकी बार 400 पर यह संविधान बदलने कि चल रही है साजिश।

मतदाता जागरूकता रैली आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के अंतर्गत संपन्न होने वाले काराकाट लोक सभा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में अवस्थित विभिन्न प्रखण्ड के संबंधित क्षेत्रों के सभी वर्गों की शत प्रतिशत प्रतिभागिता एवं मतदान के प्रतिशत में वृद्धि तथा लो वी टी के अंतर्गत मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की उपस्थिति हेतु भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली तथा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बिहार के निर्देशानुसार जिला निर्वाचन पदाधिकारी औरंगाबाद श्रीकांत शास्त्री के नेतृत्व में जिला स्तरीय, अनुमंडल स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों का दल स्वीप कोषांग के माध्यम से विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इसी क्रम में आज जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ओबरा विधानसभा के ओबरा प्रखंड मुख्यालय में आयोजित मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिय। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारी तथा जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्वेता प्रियदर्शी ने बताया कि जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री के द्वारा ओबरा विधानसभा के ओबरा प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रखंड परिसर से एक मतदाता जागरूकता रैली को भी हरी झंडी दिखाकर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह जागरूकता रैली उच्च माध्यमिक विद्यालय ओबरा के निकट तक गई। इस मतदाता जागरूकता रैली में आशा, आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका, जीविका दीदी ,शिक्षा विभाग के प्रतिभागी उपस्थित थे जिनकी संख्या 500 से अधिक थी।

शब्दाक्षर की नवगठित समिति द्वारा काव्य-गोष्ठी का भव्य आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद की महत्वपूर्ण सामाजिक संस्था पृथ्वीराज चौहान चैरिटेबल ट्रस्ट के सभागार में राष्ट्रीय स्तर की साहित्यिक संस्था 'शब्दाक्षर' द्वारा नवगठित समिति के तत्वावधान में प्रथम साहित्यिक काव्य- गोष्ठी धूमधाम से सम्पन्न हुई जिसकी अध्यक्षता प्रख्यात साहित्यकार डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा ने की।संचालक के दायित्व का निर्वहन उक्त संस्था के जिला संगठन मंत्री सुरेश विद्यार्थी ने किया।मुख्य अतिथि के रूप में संस्था के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री धनंजय जयपुरी,विशिष्ट अतिथि के रूप में बिहार प्रदेश संगठन मंत्री विनय मामूली बुद्धि, ट्रस्ट के संयोजक जगदीश सिंह,वरीय सदस्य राम प्रवेश सिंह की गरिमामई उपस्थिति रही।आगत अतिथियों का स्वागत पुष्प हार देकर किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत के पूर्व उक्त संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि प्रताप सिंह ने दूरभाष के माध्यम से कार्यक्रम की सफलता हेतु शुभकामनाएं व्यक्ति की। सुरेश विद्यार्थी ने सरस्वती वंदना के माध्यम से कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की।नवोदित गजलकार हिमांशु चक्रपाणि ने माता पर आधारित अपनी रचना खोल दिल आसमान की तरह, चाहती है वह जां की तरह के माध्यम से उपस्थित जन समुदाय की आंखें सजल कर दी। जिलाध्यक्ष नागेंद्र कुमार केसरी ने- "गर्दिशों में गुनगुनाओ"नामक रचना पर खूब तालियां बटोरी। लवकुश प्रसाद सिंह ने मां पर आधारित कविता का सस्वर पाठ किया। अनुज बेचैन के व्यंग्य-वाण ने श्रोताओं-दर्शकों को गुदगुदाये भी,बेचैन भी किये। प्रसिद्ध ज्योतिर्विद शिवनारायण सिंह की साक्षरता पर आधारित कविता ने जनसमूह को भाव-विह्वल कर दिया।वहीं विनय मामूली बुद्धि की अंधों से न्याय की उम्मीद,फिर से महाभारत करने की जिद कविता सुनकर लोग संवेदित हो गए।धनंजय जयपुरी की मां पर आधारित रचना- "मेरी अंखियां ढूंढ रही उस मइया को,बचपन में जो लोरी मुझे सुनाती थी" को सुनकर लोग अत्यंत ही द्रवित हो गये।पूर्व बीईओ सुमन अग्रवाल ने मां की ममता का बखान किया।अवकाश प्राप्त प्रो डॉ शिवपूजन सिंह, समाजसेवी नन्हकू सिंह, संजय सिंह इत्यादि ने माता की महिमा का बखान किया।अध्यक्षीय उद्बोधन में मिश्रा जी ने मां को सर्वोपरि माना।धन्यवाद ज्ञापन करते हुए संजय सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम बौद्धिक चेतना को बढ़ावा देने वाला है।

दहेज मुक्त आदर्श विवाह करने पर बधाई दी

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। सदर प्रखंड स्थित ग्राम जम्होर के दुर्गा मैदान के प्रांगण में आदर्श दहेज रहित सामूहिक विवाह में पिछले दिनों दो जोड़ों के तैवाहिक कार्यक्रम के सफलतापूर्वक क्रियान्वित होने पर आयोजन समिति को जम्होर विकास मंच के संयोजक सुरेश विद्यार्थी ने बधाई दी है।

अपने बधाई संदेश में उन्होंने कहा कि जिला गायत्री परिवार के ट्रस्टी अनुज कुमार सिंह,सासाराम उप जोन के समन्वयक नीरज कुमार सिंह ,औरंगाबाद के समन्वयक गौतम सिंह, सहायक ट्रस्टी नवनीत कुमार ने भागीरथी प्रयास किया और इस तरह के कार्यक्रम को मूर्त स्वरूप प्रदान कर समाज में एक नया संदेश देने का कार्य किया है।इस तरह के आदर्श विवाह करने से युवा पीढ़ी को एक नया संदेश मिलता है और खचीर्ली शादी पर रोक भी लगती है। दोनों जोड़े में एक फिरोजाबाद के कमल कुमार की शादी पौथु निवासिनी एकता कुमारी के साथ हुई तो वही मखरा के गौतम कुमार की शादी जानपुर के काजल कुमारी के साथ संपन्न हुई। उपस्थित गणमान्य लोगों ने दोनों जोड़ों को आशीर्वाद दिया।

दहेज दानव को समाप्त करने हेतु बेटियों को योग्य और आत्मनिर्भर बनाना जरूरी : प्राचार्य

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जनेश्वर विकास केंद्र एवं जन विकास परिषद के सौजन्य से आदर्श विवाह जागरूकता समारोह 13 मई को संपन्न हो गया । दो सत्रों में आयोजित समारोह का उद्घाटन एमजी रोड स्थित दुर्गा गेस्ट हाउस में दीप प्रज्वलित कर मुख्य अतिथियों द्वारा किया गया। प्रथम सत्र में दे दिया घर की दीया, फिर भी कहते कि क्या दिया '? विषय पर संगोष्ठी और आदर्श विवाह करने एवं कराने वाले व्यक्तियों अथवा संस्थाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लेखक एवं संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्र ने किया। सर्वप्रथम आगत अतिथियों का स्वागत संयोजक लालदेव प्रसाद, कविता विद्यार्थी, धनंजय कुमार सिंह एवं राजेंद्र सिंह ने पुष्प माल ,पुष्पगुच्छ एवं अंग वस्त्रं देकर किया। तत्पश्चात संस्था के अध्यक्ष रामजी सिंह ने स्वागत भाषण दिये। संगोष्ठी का विषय -प्रवेश कराते हुए संस्था के सचिव सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने बताया कि दहेज के कारण आज लिंगानुपात में भारी असमानता आ गयी है।

1911 की जनसंख्या के अनुसार प्रत्येक एक हजार पुरुष पर मात्र नौ सौ छत्तीस महिलाएं ही थीं,पर अब यह असमानता और बढ़ गयी है, जो पारिवारिक सामाजिक संतुलन के लिए चिन्ता का विषय है । यह भविष्य में नयी समस्या की ओर इशारा कर रहा है । अतः इसपर अभी से ही ध्यान देने की जरूरत है । संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि पधारे सिंहा कॉलेज के प्राचार्य डॉ सुधीर कुमार मिश्र ने इस तरह के सकारात्मक प्रयास को अत्यंत ही सराहनीय बताया और कहा कि यदि हम सभी दृढ़संकल्प हो जायें तो दहेज रूपी कुप्रथा को मिटाया जा सकता है,,,,। विशिष्ट अतिथि सीतयोग इंजीनियरिंग कॉलेज के संस्थापक अध्यक्ष और वरीय अधिवक्ता कुमार योगेंद्र नारायण सिंह , ज्योतिर्विद शिवनारायण सिंह, सिंहा कॉलेज भूगोल के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ रामाधार सिंह ,डॉ सुमन लता ,सुमन अग्रवाल और पूर्व वार्ड कमिश्नर लक्ष्मी नारायण सिंह ,विधि संघ सचिव जगनारायण यादव ने एक स्वर से इस बात पर बल दिया कि अभी भी समय है ,हम अपनी बच्चियों को बेहतर शिक्षा दें,उन्हें आत्मनिर्भर बनायें और हमेशा सजग सचेष्ट रहकर दहेज कुप्रथा को मिटाने की ईमानदार कोशिश करते रहें तो यह कुप्रथा निकट भविष्य में समाप्त हो जाएगी। कानूनी उपबन्धों के अनुसार इस बुरे प्रचलन को समाज का कलंक बताया गया है। उक्त अवसर पर संस्कृत कालेज के प्राचार्य सुरजपत सिंह,प्रो दिनेश प्रसाद, कवि राम किशोर सिंह , लवकुश प्रसाद सिंह,डा हेरंब कुमार मिश्र, वेदप्रकाश तिवारी , प्रो भीम कुमार सिंह , भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष अनिता सिंह , डा नेहा,पप्पू ज्वाला, नेभी अपने संबोधन में बताया कि यह एक कटु सत्य है कि दहेज को समाज ने प्रतिष्ठा से जोड़ दिया है जो बिल्कुल ही गलत है। दुल्हन को प्राथमिकता दिये जाने से दहेज समाप्त हो सकता है। अंत में अध्यक्ष डा सुरेंद्र प्रसाद मिश्र ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि आज के इस सभ्य समाज की मांग है कि प्राथमिकता देकर, जन जागरूकता फैला कर इस कुप्रथा को मिटाने का संकल्प लें तभी सामाजिक विसंगति,बाल विवाह और बेमेल विवाह से छुटकारा पाया जा सकता है। पुनः बगैर दहेज एवं तामझाम रहीत सामुहिक विवाह कराने वाले बासुकीनाथ सेवा संस्थान के अध्यक्ष बरुण कुमार सिंह, देव पर्यटन विकास केन्द्र के कंचन देव सिंह तथा जागरूकता अभियान चलाने वाले सामाजिक कार्यकर्ता भगवान राम को तथा बिना दहेज एवं बिना तामझाम के स्वयं विवाह करने वाले जलांशु कुमार पांडेय, संजू सिंह को माल्यार्पण, अंगवस्त्रं और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

पूर्व उप मुख्यमंत्री के निधन पर सांसद ने जताया शोक

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। सांसद सुशील कुमार सिंह बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री व पूर्व राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी के निधन पर नम आँखों से विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए गहरा शोक ब्यक्त किया है।

सांसद ने इनके कृतज्ञ को याद करते हुए कहा कि इनका राजनीतिक जीवन बहुत लम्बा रहा छात्र जीवन में विद्यार्थी परिषद से राजनीति का शुरूआत करते हुए भाजपा के विभिन्न दायित्वों के साथ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष,राष्ट्रीय मंत्री,बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रहे एवं लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा,विधान परिषद चारो सदन के सदस्य रहे। मैं इनके निधन की खबर से स्तब्ध हूँ ।हमने एक बड़ी शख्सियत,राजनेता संगठनकर्मी के साथ साथ बिहार भाजपा ने जागृत सामाजिक कार्यकर्ता कुशल राजनीतिक व मजबूत स्तम्भ खो दिया जिसकी भरपाई कभी नही हो सकती आँखे नम और मन भावुक है वे सार्वजनिक जीवन में सैंधातिक निष्ठा व पारदर्शिता के आदर्श उदाहरन थे यह हम सभी भाजपा कार्यकताओं के लिए अपूरणीय क्षति है ।बिते रात दिल्ही एम्स में इनके निधन की सूचना पाकर सांसद और इनके सुपुत्र सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता आदित्य शेखर ने सुशील कुमार मोदी के सुपुत्र अक्षय अमृतांशु और परिवार के सदस्यों से मिलकर शोक संवेदना ब्यक्त किए ।इनके निधन पर औरंगाबाद लोकसभा क्षेत्र और जिलावासी,भाजपा कार्यकर्ता,बुद्धिजीवी एवं सामाजिक कार्यकताओं ने शोक ब्यक्त किया है ।भाजपा वरीय नेता सुनील सिंह,कर्नल सुधीर सिंह,भाजपा जिलाध्यक्ष मुकेश शर्मा,मुख्य पार्षद उदय गुप्ता,युवा भाजपा नेता प्रवीर सिंह,भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष शुभेंदु शेखर सिंह,लोकसभा संयोजक अनिल शर्मा,सांसद प्रतिनिधि अश्विनी सिंह,जिला उपाध्यक्ष सतीश सिंह,समाजसेवी अजीत सिंह,जितेन्द्र गुप्ता,जिला महामंत्री मुकेश सिंह,सूर्यपत सिंह,जिला परिषद उपाध्यक्ष रामेश्वर बैठा,संजीव पाठक,भोला सिंह,मितेन्द्र सिंह,नलिनी रंजन,अंकित सिंह,टनटन सिंह,अखिलेश मेहता,राकेश कुमार देवता,भाजपा नेता मुनीन्द्र राम,प्रवीण गुप्ता,प्रफुल्ल सिंह,सुरेन्द्र गुप्ता,भरत सिंह,उदय सिंह,लोकसभा विस्तारक विकास कुमार उर्फ भोजपुरिया बाबा,किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष विनय सिंह,अनिता सिंह,जुलेखा खातून,अंजली सिंह,सारिका शेखर,गुड़िया सिंह,केदार सिंह,जिला परिषद धनंजय सिंह,प्रदीप चौरसिया,सुबोध सिंह,रवि सिंह,आशु अभिनव,अमिताभ सिंह उर्फ मुन्ना सिंह ने गहरा शोक ब्यक्त किया है।

मजबूत इरादा और विकास के प्रति प्रयत्नशील राजनेता थे मोदी

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सह पूर्व राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी जी के असामयिक निधन पर शोक व्यक्त करते हुए भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम कुमार सिंह ने कहा कि श्रद्धेय मोदी जी मजबूत इरादा और बिहार के विकास के लिए बराबर प्रयत्नशील रहते थे। उनमें बिहार के विकास के प्रति लगाव और समर्पण का भाव कूट-कूट कर भरा हुआ था। उनका संपूर्ण जीवन सादगी एवं सरलता का मिसाल था यही कारण था कि बिहार के कोने-कोने के कार्यकताओं के दिलों में वे सदैव राज करते थे। बिहार बीजेपी एक अपने अभिभावक को खो दिया जो निकट भविष्य में इसका भरपाई संभव नहीं है आज हम सभी कार्यकर्ता शोकाकुल है। ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि पुण्य आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें एवं उनके चाहने वाले लाखों प्रसंस्को को शक्ति प्रदान करें। शोक व्यक्त करने वाले में पूर्व जिला अध्यक्ष विनय कुमार शर्मा इंद्रदेव यादव भाजपा नेता सुनील कुमार सिंह युगल किशोर सिंह सुनील शर्मा तीरथ प्रसाद वैश्य वीरेंद्र कुमार सिंह अशोक पांडे सुरेंद्र गुप्ता राम रूप सिंह विनोद शर्मा विनोद सिंह विजय प्रसाद निराला रघुनाथ राम संजय गुप्ता सुनील गुप्ता विजय कुमार गुप्ता अरविंद कुमार सिंह जय किशोर मिश्रा साहित्य अन्य लोग शामिल हैं।

पी एम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2 गया के 12वीं के बच्चों का शत प्रतिशत परिणाम रहा

गया ।ओटीए परिसर में स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2 गया के 12वीं के बच्चों ने 100% सफलता प्राप्त की जिसमें रिया कुमारी ने विद्यालय में टॉप किया इन्होंने तीनों सेक्शन में सबसे अधिक अंक प्राप्त किया ।468 93.6% वहीं पर कॉमर्स सेक्शन से नित्या सक्सेना 465 93%ने और साइंस सेक्शन से कुमार आयुष 448 89.6% ने टॉप किया है। कक्षा 12वीं में कुल बच्चों की संख्या 107 थी जिसमें 107 बच्चों ने परीक्षा में भाग लिया और 107 बच्चे पास हुए तथा कक्षा दसवीं में 119 बच्चों ने भाग लिया और 118 बच्चे पास हुए विद्यालय के प्राचार्य श्री राजेश श्रीवास्तव ने बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी तथा सभी शिक्षकों और अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया कि उनके सहयोग से विद्यालय का परीक्षा परिणाम सर्वश्रेष्ठ रहा। इन बच्चों के अलावा भी बहुत सारे बच्चों ने विषयों में अपने कौशल युक्त ज्ञान का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। प्रणव प्रभाकर ने आईपी में 100 अंक प्राप्त किया वहीं पर इतिहास विषय में रिया कुमारी ने 100 अंक तनु कुमारी ने 100 अंक और आशिका ने 99 अंक प्राप्त करके इतिहास विषय का परचम लहराया है। इतिहास विशेषज्ञ सविंद्र कुमार पांडेय ने इन बच्चों के सुनहरे भविष्य की कामना की और बताया कि मानविकी विषय के और सारे बच्चे भी अच्छे अंक इतिहास में प्राप्त किए हैं जिसमें पलक कुमारी, आयुषी, मनीषा प्रणव प्रभाकर आदि बच्चे हैं।

सीबीएसई बोर्ड दसवीं की परीक्षा में शांति निकेतन एकेडमी के छात्र-छात्राओं ने लहराया परचम

प्रात : किरण संवाददाता

गया ।सीबीएसई बोर्ड की दसवीं की परीक्षा में शांति निकेतन एकेडमी के बच्चों ने सफलता हासिल की , सीबीएसई द्वारा सोमवार को जारी दशम वर्ग के वार्षिक परीक्षा में बच्चों ने शानदार सफलता हासिल कर विद्यालय के साथ अपने माता-पिता का नाम रोशन किया है ' रौनक कुमार 96 प्रतिशत, स्वीटी कुमारी 95 प्रतिशत, एंजेलिना सिंह 95 प्रतिशत, सुप्रिया कुमारी 94 प्रतिशत, भारती कुमारी 93 प्रतिशत, सुमित आनंद 93 प्रतिशत, दिव्यांशु कुमार 89 प्रतिशत अंक प्राप्त किया तथा 120 से अधिक बच्चों ने 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किया गया है। विद्यालय परीक्षा परिणाम शानदार रहा तथा विद्यालय शत-प्रतिशत छात्र सफल रहे। विद्यालय के चेयरमैन हरि प्रपन्न ने कहा कि विद्यालय के बच्चों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि कठिन परिश्रम तथा सही मार्गदर्शन से जीवन में सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने छात्र के उत्कृष्ट सफलता के लिए छात्रों की कड़ी मेहनत एवं शिक्षकों की लगनशीलता का आभार प्रकट किया। साथ शिक्षकों को अब वर्ग 9 वीं में नामांकन लेने वाले छात्रों को बेहत्तर शिक्षा एवं 10वीं बोर्ड में उत्कृष्ट परिणाम मिले इस लिए बेहतर योजना पर काम करने का मौका दिया है। ताकि विद्यालय उच्च शिक्षा में भी अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सके

अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल अस्पताल में बनाए गए डेडीकेटेड हिट स्टॉक वार्ड का डीएम ने लिया जायजा

प्रात : किरण संवाददाता

गया ।अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल अस्पताल में बनाए गए डेडीकेटेड हिट स्टॉक वार्ड का जायजा जिला पदाधिकारी गया डॉ० त्यागराजन एसएम द्वारा किया गया है। यहां कुल 48 बेड को फंक्शनल कराया गया है, ताकि हीटवेव से संबंधित कोई भी मरीज आने पर उन्हें क्विक इलाज मुहैया हो सके। हीट स्टॉक वार्ड में कुल 96 बेड उपलब्ध है। यहां कुल 50 से ऊपर एयर कंडीशन लगाए गए हैं। इस पूरे वार्ड को वातकुलीन रखा गया है ताकि क्रिटिकल कंडीशन में हीटवेव से पीड़ित मरीज को पूरी अच्छे तरीके से उपचार किया जा सके। जिला पदाधिकारी ने हीट वेब से पीड़ित मरीजों को कैसे उपचार किया जाता है मरीज को पहले कहां लाया जाएगा तथा क्या-क्या एस० ओ० पी० पालन कराया जाएगा, इसका पूरी जानकारी लिया है। निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी ने साफ सुथरा में कमी देखते हुए और बेहतर बनाने का निर्देश दिए हैं। टॉयलेट की नियमित सफाई करवाने का निर्देश आउटसोर्सिंग एजेंसी को दिया है। उन्होंने वार्ड में लगाए गए वाटर कूलर पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त रखने का निर्देश दिए ताकि ठंडा पानी मिल सके। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी बेड पर स्लाइन स्टैंड अनिवार्य रूप से रखें ताकि जरूरत पड़ने पर उन्हें स्लाइन वाटर चढ़ाने में दिक्कत ना हो। उन्होंने निर्देश दिया कि डीप फ्रीजर तथा पर्याप्त आइस पैक इसी वार्ड में रखें। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दवा की उपलब्धता की जांच की कौन-कौन सी दवाएं उपलब्ध है इन सभी को देखा तथा एक्सपायरी डेट की भी जांच की ।उन्होंने निर्देश दिया कि गर्मी के पीक सीजन अर्थात हीटवेव के दौरान लगाए गए एयर कंडीशन को पूरी मेंटेनेंस रखने हेतु अस्पताल प्रबंधन द्वारा भी एक टीम सेपरेट रखें ताकि एयर कंडीशन खराब होने पर उसे तुरंत मरम्मत कराया जा सके। उन्होंने निर्देश दिया कि रोस्टर बनाते हुए डॉक्टर जीएनएम तथा एएनएम की प्रतिनियुक्ति रखें साथ ही जो डॉक्टर तथा एएनएम इमरजेंसी ड्यूटी में लगाए जाएंगे उन्हें अच्छी तरीके से एस ओ पी के अनुसार ब्रीफिंग अगले 2 दिनों के अंदर करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी संबंधित चिकित्सकों को नामित करते हुए उनका लिस्ट तैयार करें। ऑक्सीजन फ्लो मीटर नियमित रूप से जांच करते रहें। उन्होंने कहा कि सिक्योरिटी गार्ड से लेकर डॉक्टर, नर्स, पारा मेडिकल स्टाफ आदि सभी को पूर्ण रूप से प्रशिक्षण दें। हीट वेब का कोई भी सिंटोम आने से उसे सीधे डेडिकेटेड हीट वेब वार्ड में भर्ती करे। एएनएम, जीएनएम, वार्ड अटेंडेंट सहित मेडिकल स्टाफ इत्यादि सभी को ट्रेनिंग दे दे। अंत में उन्होंने निर्देश दिया कि रोगी कल्याण समिति के माध्यम से अस्पताल परिसर के विभिन्न बिंदुओं पर शुद्ध शीतल पेयजल हेतु वाटर कूलर या मटका लगवाना सुनिश्चित करें तथा खराब पड़े आर ओ वाटर को मरम्मत करवाएं ।200 आइस पैक उपलब्ध है।

सुशील मोदी के निधन के बाद शोक की लहर, बीजेपी नेताओं ने जताया दुख

गया ।बिहार के राजनीति में अपने परचम लहराने वाले छात्र जीवन से विद्यार्थी परिषद से जुड़कर संघर्ष करते हुए बिहार के राजनीति भारतीय जनता पार्टी के सशक्त एवं संघर्षशील नेता के रूप में जाने जाते थे बिहार प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष सहित राष्ट्रीय सचिव बिहार के उपमुख्यमंत्री नेता प्रतिपक्ष विधानसभा विधान परिषद सहित राष्ट्रीय स्तर पर भी भाजपा संगठनकर्ता एवं कुशल प्रशासक के रूप में जाने जाते थे आपातकाल के समय जेपी आंदोलन से लेकर आज तक अपने राजनीतिक जीवन बिहार के लिए संघर्ष करते रहे जैसे ही उनके निधन की सूचना मिला भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्त्ता मे शोक की लहर दौड़ पड़ा,बिहार में लगातार लालू राबड़ी के शासनकाल में भ्रष्टाचार एवं गुंडागर्दी के विरुद्ध लगातार संघर्ष करते रहे,2005 के विधानसभा के चुनाव में पूर्ण रूप से एणडीए बनने पर बिहार के डिप्टी सीएम के रूप में शपथ लिए,2005 से लगातार 2013 तक बिहार के डिप्टी सीएम एवं 2017 से डिप्टी सीएम के रूप में 2020 तक सेवा दिए,इस अवसर पर राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष के कार्यालय कालीबाड़ी मे प्रदेश अध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा के सह प्रभारी डॉ मनीष पंकज मिश्रा उनके निधन पर शोक प्रकट करते हुए कहा सुशील मोदी जैसा नेता के निधन से बिहार को अपूर्णीय क्षति हुआ है, जिसका भरपाई असंभव है,बिहार में कुशल संगठनकर्ता एवं कुशल राजनीतिक के साथ-साथ कुशल प्रशासनिक के रूप में जाने जाते थे,लोकसभा चुनाव के पूर्व अपने कैंसर रोग के जानकारी ट्वीट कर बताये थे कि मैं लोकसभा का चुनाव में प्रचार नहीं कर सकूंगा।

सुशील मोदी का निधन बिहार की राजनीति में एक अध्याय का अंत : डॉ. मनीष

प्रात : किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) बिहार की राजनीति में करीब पांच दशक से अलग-अलग भूमिका में रोल निभाने वाले सुशील कुमार मोदी के मौत पर भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ प्रदेश महामंत्री डॉ. मनीष रंजन ने शोक जताया। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री रहे सुशील कुमार मोदी ने इलाज क्रम में सोमवार को दुनिया को अलविदा कह दिया। जिनका कैंसर रोग से दिल्ली के एम्स अस्पताल में मौत हो गई। इनके मौत पर गहरा शोक जताते हुए डॉ. मनीष रंजन ने बताया कि पूर्व उपमुख्यमंत्री व पूर्व ई. सांसद सुशील कुमार मोदी के निधन पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि यह बिहार भाजपा के लिए अपूरणीय क्षति है। जिन्होंने अपने जीवनकाल में बीजेपी पार्टी को ऊंचे शिखर पर ले जाने में अपना अतुलनीय योगदान दिया। जिनकी भाजपा पार्टी में कमी हमेशा खलेगी।

ज्ञान ज्योति में अपने अपने अभिभभावकों के साथ सम्मानित हुए इस वर्ष के दसवी और बारहवी के स्कूल सीबीएसई बोर्ड टॉपर्स

आरा : सीबीएसई के कक्षा दसवीं और बारहवीं का परिणाम घोषित होते ही स्थानीय ज्ञान ज्योति आवासीय विद्यालय की ओर से बोर्ड परीक्षा में शामिल हुए बच्चों मे खुशी की लहर तब दौड़ गयी जब अच्छे अंकों से पास होने की सूचना उन्हें तथा उनके अभिभावकों को मिली। सभी उत्तीर्ण बच्चों में तब और हर्ष व्याप्त हो गया जब उन्हें सूचना मिली कि उनका ज्ञान ज्योति स्कूल अगले ही दिन टॉपर्स को उनके अभिभावकों के साथ उन्हें सम्मानित करने जा रहा है। वह दिन आज आ भी गया जब कक्षा बारहवी के साइंस के गणित स्ट्रीम से अभिनव कुमार पाण्डेय, ने 91.2 प्रतिशत, बायोलॉजी स्ट्रीम से शक्ति मा ने 90 प्रतिशत तथा कॉमर्स से शारीक जमाल ने 81 प्रतिशत अंक पाकर क्रमशः प्रथम स्थान प्राप्त किये। वहीं द्वितीय स्थान पर रहे साइंस के गणित स्ट्रीम से अभिनव राज जिन्होंने 89.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किये, बायोलॉजी स्ट्रीम से जिया कुमारी ने 89.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किये। विदित है कि कक्षा बाराहवी में कुल चालीस छात्र छात्रा बोर्ड की परीक्षा में शामिल हुए तथा शत प्रतिशत सफलता प्राप्त की। बारहवी बोर्ड में सफल वैसे विद्यार्थी जिन्होंने अस्सी प्रतिशत से ऊपर अंक प्राप्त किये हैं, उनके नाम हैं अभिनव कुमार पांडेय, शक्ति मा, जिया कुमारी, अभिनव राज, अदिति सिंह, शालीनी सिंह , सृष्टि सिंह, रिद्धि गांधी, यश प्रियदर्शी, अभिनव पारमार, सौरभ सिंह, अखंड मिश्रा, हरिओम कुमार राय, शारीक जमाल तथा आलोक राज। अस्सी प्रतिशत से ऊपर कुल पंद्रह बच्चे रहे तथा शेष बच्चों ने डिस्टिंक्शन प्रतिशत प्राप्त किये। अदिति सिंह, अक्षत मित्तल के साथ सभी विद्यार्थियों को अभिभावकों के साथ स्कूल ऑडिटोरियम में सम्मानित किया गया।

मानुषी छिल्लर की पहली फिल्म हो गई थी फ्लॉप, फिर भी करती हैं करोड़ों में कमाई

मानुषी छिल्लर एक भारतीय अभिनेत्री, मॉडल और मिस वर्ल्ड 2017 प्रतियोगिता की विजेता रह चुकी हैं। मॉडलिंग में नाम और शोहरत कमा चुकीं मानुषी फिल्मों में अपना नाम अभीतक स्थापित नहीं कर पाई हैं। मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद मानुषी छिल्लर धीरे-धीरे बॉलीवुड में अपनी जगह बना रही हैं।

मानुषी का फिल्मी करियर

2022 में मानुषी ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत यशराज बैनर की फिल्म सम्राट पृथ्वीराज से की थी। उनकी पहली फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह से फ्लॉप हुई थी। इस फिल्म में मानुषी ने बॉलीवुड खिलाड़ी अक्षय कुमार के साथ काम किया था। इस फिल्म के फ्लॉप होने के बाद मानुषी ने हार नहीं मानी। इसके बाद 2023 में मानुषी ने द ग्रेट इंडियन फैमिली में काम किया। यह फिल्म भी बुरी तरह से फ्लॉप हुई थी। इसके बाद 1 मार्च 2024 को मानुषी की एक्शन थ्रिलर फिल्म ऑपरेशन वैलेंटाइन आई। यह फिल्म भी मानुषी के करियर में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। गौर से देखा जाए तो अबतक मानुषी का फिल्मी करियर कुछ खास नहीं रहा है। लेकिन उनके फैंस चाहते हैं कि वह फिल्में करती रहें।

मानुषी की नेटवर्थ

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मानुषी छिल्लर की नेटवर्थ तकरीबन 3 मिलियन डॉलर के आसपास है। हर महीने मानुषी करीब 24 लाख रुपये की कमाई करती हैं। वहीं मानुषी 1 साल में 28 करोड़ रुपए कमाती है। अभिनेत्री ना सिर्फ फिल्मों से बल्कि विज्ञापन से भी मोटी कमाई कर लेती हैं। मानुषी एक फिल्म के लिए 1 करोड़ रुपए फीस चार्ज करती हैं।

कार की शौकीन हैं मानुषी

लग्जरी गाड़ियों की शौकीन मानुषी छिल्लर के कार कलेक्शन में वोल्वो एक्ससी90 शामिल है, जिसकी कीमत 90 करोड़ रूपये के आसपास है। इसके अलावा उनके पास मर्सडीज बेंज भी है, जिसकी कीमत लगभग 45 लाख रुपए के आसपास है। मानुषी के पास 83 लाख की लैंड रोवर और 4.48 करोड़ की रेंज रोवर भी है।
मानुषी छिल्लर की कमाई ज्यादातर मॉडलिंग और ब्रांड एंडोर्समेंट से होती है। उन्होंने साल 2017 में भारत को रिप्रेजेंट करते हुए मिस वर्ल्ड का खिताब जीता था। मानुषी छिल्लर छठी ऐसी भारतीय है, जिन्होंने मिस वर्ल्ड का खिताब अपने नाम करते हुए देश का मान बढ़ाया है। भले ही मानुषी की कोई भी फिल्म अभी तक बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा पाई हो, लेकिन अपने हुस्न, लुक्स और फिल्मों में अपने रोल्स के जरिए वह जमकर सुर्खियां बटोरी रही हैं।

भंसाली की भांजी होने के कारण नहीं मिला रोल, देने पड़े थे 16 ऑडिशन

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। इसे दर्शकों की ओर से मिली जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। यह एक पीरियड ड्रामा सीरीज है, जिसमें कई कलाकारों ने काम किया है। भंसाली की हर एक फिल्म चर्चा में रहती हैं। हीरामंडी- द डायमंड बाजार से उन्होंने वेब सीरीज में डेब्यू किया है। संजय लीला भंसाली की हीरामंडी के ओटीटी पर रिलीज होने के बाद से बॉलीवुड अभिनेत्री शर्मिन सहगल को भारी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। दर्शकों ने शो में अन्य अभिनेत्रियों के बराबर नहीं होने के लिए उनकी आलोचना की। अब शर्मिन ने खुलासा किया है कि हीरामंडी में आलमजेब की भूमिका पाने के लिए उन्हें 16 बार ऑडिशन देना पड़ा था। सोशल मीडिया पर लोगों ने शर्मिन पर नेपोटिज्म का टैग लगाया और कहा कि यह किरदार उन्हें भंसाली की भांजी होने की वजह से मिला है। हालांकि, अभिनेत्री ने खुलासा करते हुए कहा कि उन्हें अपने मामा से किसी भी प्रकार की मेहरबानी या छूट नहीं मिली, और यह भूमिका पाने के लिए उन्हें बाकी सभी लोगों की तरह ही कड़ी मेहनत करनी पड़ी थी।

गारफील्ड की आवाज बनेंगे वरुण शर्मा, फिल्म के हिंदी वर्जन में सुनाई देगी आवाज

गार्जियन ऑफ गैलेक्सी और कई एवेंजर्स की फिल्मों में अपना जलवा बिखेर चुके क्रिस पैट ने स्टार लॉर्ड के नाम से जमकर सुर्खियां बटोरी हैं। क्रिस प्रैट की आवाज का जादू कार्टून फिल्म गारफील्ड के अंग्रेजी संस्करण में सुनाई देगा। अब इस फिल्म से एक और नाम जुड़ गया है। वो है बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन का। वरुण धवन ने फिल्म फुकरे में चूचे के किरदार से सभी का जमकर मनोरंजन किया है। अब वह इस बार बच्चों को हंसाते सुनाई देंगे। क्योंकि उनकी आवाज को गारफील्ड के हिंदी संस्करण के लिए चुन लिया गया है। इस शुक्रवार को सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए तैयार है हॉलीवुड फिल्म गारफील्ड। हालांकि भारत में इस फिल्म को एक हफ्ते पहले ही रिलीज किया जा रहा है। फिल्म के हिंदी संस्करण को लेकर एक जानकारी सामने आई है। अब इसके हिंदी संस्करण में वरुण शर्मा की आवाज सुनाई देगी, जबकि इसके अंग्रेजी संस्करण में हॉलीवुड अभिनेता क्रिस प्रैट ने अपनी आवाज दी है।

मेकर्स का खुलासा

फिल्म मेकर्स ने अब एक वीडियो के जरिए इस खबर की पुष्टि कर दी है कि फिल्म गारफील्ड के हिंदी वर्जन में वरुण शर्मा की आवाज सुनाई देगी। इस वीडियो में क्रिस प्रैट ने गारफील्ड के हिंदी संस्करण के बारे में जानकारी दी साथ ही इस फिल्म के लिए उन्होंने वरुण का स्वागत भी किया।

बिल्लियों की कहानी है गारफील्ड

गारफील्ड बिल्ली की कहानी है, जो घर के अंदर ही रहती है। इसकी जिंददगी तब बदल जाती है जब वह वाइल्ड एडवेंचर करने के लिए घर से बाहर निकलती है। बचपन में बिछड़े अपने पिता से मिलने के बाद गारफील्ड बिल्ली की जिंदगी में कई रोमांचक बदलाव आते है।
गारफील्ड किरदार को आवाज क्रिस प्रैट ने दी है। इस फिल्म में कई और कार्टून केरेक्टर्स भी नजर आएंगे। गारफील्ड 17 मई को हिंदी, तमिल और अंग्रेजी भाषा में रिलीज होगी। यह एक थ्री डी कार्टून फिल्म है।

लापता लेडीज की प्रतिभा रांटा को किस्मत पर नहीं हो रहा है यकीन

किसे पता था कि लापता लेडीज की जया संजय लीला भंसाली के संग काम करेंगी, वो भी अपनी पहली फिल्म के रिलीज के बाद ही। खुद जया का किरदार निभा चुकी प्रतिभा रांटा को भी इस बात पर पहले यकीन नहीं हुआ था। हाल ही अभिनेत्री एक इंटरव्यू के दौरान लापता लेडीज से हीरामंडी तक के सफर के बारे में खुलकर बातें करती दिखीं।

प्रतिभा रांटा किरण राव के निर्देशन में बनी फिल्म लापता लेडीज में अहम भूमिका निभाती नजर आई थीं। प्रतिभा कहती हैं, मुझे तो अब भी यकीन नहीं हो रहा है कि लोगों लापता लेडीज को लोग इतना प्यार देंगे। जब से फिल्म नेटफ्लिक्स पर आई है मुझे लगातार लोगों के कॉल आ रहे हैं। प्रतिभा रांटा लापता लेडीज के अलावा हीरामंडी में भी नजर आ रही हैं। इस विषय में प्रतिभा रांटा कहती हैं, हम जैसे नए लोगों को ऐसा मौका बार-बार नहीं मिलता है। मुझे तो अब भी यकीन नहीं हो रहा है कि मैंने हीरामंडी में काम किया है। प्रतिभा रांटा अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, यह सब किस्मत की बात है। जिन दिनों मेरी फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई उन्हीं दिनों हीरामंडी भी नेटफ्लिक्स पर आ गई। मैं ईश्वर को धन्यवाद देना चाहती हूं इसके लिए। यह सब जादुई है। लापता लेडीज स्टार कहती हैं, मैंने जब आमिर सर के सामने ऑडिशन दिया था तब मुझे बिल्कुल भी आईडिया नहीं था कि मुझे यह रोल मिलेगा, लेकिन मुझे लापता लेडीज में कास्ट किया गया। सब कुछ इतना जल्दी हुआ कि मैं कुछ समझ भी नहीं पाई। आज जब पीछे मुड़कर देखती हूं तो लगता है बस मेरे लिए सब कुछ ब्रह्मांड ने किया है।

जूनियर एनटीआर ने पूरी की वॉर 2 के पहले शेड्यूल की शूटिंग

साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर ने आगामी फिल्म वॉर 2 की शूटिंग पूरी कर ली है। काफी वक्त से अभिनेता इस फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में मुंबई में थे। पहला शेड्यूल पूरा करने के बाद वे मुंबई से हैदराबाद लौट गए हैं। आज उन्होंने लोकसभा चुनाव के लिए मतदान भी किया। जूनियर एनटीआर फिल्म वॉर 2 में ऋतिक रोशन के साथ नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी कर रहे हैं। ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की फिल्म अगले साल रिलीज होगी। फिलहाल फिल्म से जुड़ी पूरी स्टारकास्ट और इसकी रिलीज डेट के एलान का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। यह फिल्म वर्ष 2019 में आई एक्शन थ्रिलर फिल्म वॉर का सीक्वल है, जिसमें ऋतिक रोशन, टाइगर श्रॉफ और वाणी कपूर मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। अब इसके दूसरे पार्ट को लेकर दर्शक बेकरार हैं। फिल्म से जूनियर एनटीआर के लुक का खुलासा जल्द हो सकता है। कहा जा रहा है कि आगामी 20 मई को वॉर 2 का पोस्टर या टीजर जारी हो सकता है। दरअसल, 20 मई को जूनियर एनटीआर का जन्मदिन है। इस खास मौके पर निर्माता फिल्म में उनकी भूमिका से पर्दा उठा सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वॉर 2 में अभिनेता नेगेटिव भूमिका में दिख सकते हैं। वहीं, ये भी कहा जा रहा है कि वे भारतीय एजेंट के रोल में नजर आ सकते हैं।

तब्बू के हाथ लगा बड़ा प्रोजेक्ट, ड्यून-प्रोफेसी में दिखाएंगी अभिनय का जलवा

करू के बाद तब्बू एक बड़े प्रोजेक्ट में नजर आने वाली हैं। देश में अपनी अदाकारी का जादू चलाने वाली अभिनेत्री अब विदेश में अपने अभिनय का जलवा जल्द बिखेरती नजर आने वाली हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अभिनेत्री टीवी सीरीज ड्यून- प्रोफेसी में एक अहम किरदार में दिखेंगी। इस सीरीज में वे अपने किरदार को दोहराती नजर आएंगी। यह टीवी सीरीज मूल रूप से 2019 में ड्यून- द सिस्टरहुड शीर्षक के तहत शुरू की गई थी। यह ब्रायन हर्बर्ट और केविन जे एंडरसन के उपन्यास सिस्टरहुड ऑफ ड्यून से प्रेरित है। यह सीरीज लोगों को कब तक देखने को मिलेगी इस बात की जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। सीरीज में तब्बू सिस्टर फ्रांसेस्का की भूमिका में दोबारा नजर आएंगी। इस टीवी सीरीज में वे शक्तिशाली, बुद्धिमान और आकर्षक महिला के किरदार में दिखेंगी।

कई पुरस्कार कर चुकी हैं अपने नाम

तब्बू भारतीय सिनेमा सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। वे दो बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीत चुकी है। चीनी कम, हैदर, और अंधाधुन जैसी फिल्मों में अपनी भूमिकाओं से उन्होंने लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। वे सात फिल्मफेयर पुरस्कार भी अपने नाम कर चुकी हैं। तब्बू लाइफ ऑफ पाई, द नेमसेक और ए सूटेबल बॉय जैसी विदेशी प्रोजेक्ट का हिस्सा रह चुकी हैं। सीरीज में दिखेंगे ये कलाकार तब्बू के अलावा ड्यून- प्रोफेसी में एमिली वॉटसन, ओलिविया विलियम्स, ट्रैविस फिमेल, जोहदी मे, मार्क स्ट्रॉन्ग, सारा-सोफी बौस्त्रीना, जोश ह्यूस्टन, क्लो ली, जेड अनौका, फोओलीन कनिंघम, एडवर्ड डेविस, एओइफ हिंड्स, क्रिस मेसन, और शालोम ब्रुने-फ्रैंकलिन भी नजर आएंगे।

चुनौतीपूर्ण किरदारों को लेकर सैयामी खेर ने की बात

सैयामी खेर की पहचान पर्दे पर चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने वाली अभिनेत्री की है। उन्होंने साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म मिर्जिया से हिंदी फिल्मों में अपने करियर की शुरुआत की। फिल्म के लिए उन्हें सुपरस्टार ऑफ टुमॉरो फीमेल के लिए स्टारडस्ट अवॉर्ड भी मिला। इसके बाद से वह लगातार चुनौतीपूर्ण किरदारों में नजर आई हैं। उनके निभाए किरदारों के लिए परिपक्वता और कुशलता की जरुरत होती है। कठिन किरदारों को पर्दे पर बेहतरीन तरीके से जीवंत करने के लिए उन्हें जाना जाता है। एक कलाकार के तौर पर खुद को निरंतर बेहतर बनाने और फिल्मी दुनिया में अपनी अब तक की यात्रा पर उन्होंने बात की है।

सशक्त अभिनेत्री की चाहिए पहचान

हाल में ही अपने एक बयान में उन्होंने खुद को एक ऐसी अभिनेत्री के तौर पर पहचान दिलाने की बात की थी, जो कठिन और चुनौतीपूर्ण किरदारों को निभाने माद्दा रखती हो। उन्होंने कहा था, मैं काफी खुशकिस्मत हूं कि मुझे अपने अबतक के करियर में चुनौतीपूर्ण मजबूत किरदारों को निभाने का मौका मिला। यह काफी खुशनुमा एहसास है कि मेरी पहचान ऐसे किरदारों को चुनने के लिए है, जो शारीरिक और मानसिक समर्पण के साथ-साथ मुझे मेरे कंफर्ट जोन से बाहर निकलने के लिए मजबूर करते हैं।

किरदार में खो जाना है पसंद

किरदारों के चयन को लेकर अभिनेत्री ने कहा,मैंने हमेशा ऐसे किरदार चुने हैं, जो मेरे अंदर से सब कुछ निचोड़ लें, क्योंकि बदले में ऐसे किरदार मुझे बहुत कुछ देते हैं। मेरी हमेशा यही कोशिश होती है कि मैं उस किरदार में खुद को गुम कर दूं। जब लोग चौंक कर कहते हैं कि घूमर वाली लड़की वही है,जो चोक्ड में थी? ऐसे में मैं इसे तारीफ के रूप में देखती हूं।

काम से हो नाम

बहुमुखी होने पर विशेष जोर देते हुए वह कहती हैं,एक अदाकारा के रूप में एक किरदार से दूसरे किरदार में समानता ना महसूस होने देना ही उसकी जीत होती है। एक अदाकारा के रूप में मेरी यात्रा हमेशा सीखने की रही है। मैं उन सभी मौकों के लिए आभारी हूं, जिनमें मुझे खुद को चुनौती देने और लोगों की जिंदगी को महसूस करने का अवसर मिला। ऐसे में जब लोग आते हैं और कहते हैं कि मेरी फिल्म ने उन्हें प्रेरित किया, तो ये मेरे लिए बड़ी सफलता होती है। मैं बस चाहती हूं कि मैं अपने काम के द्वारा ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंच सकूं।

शूट के दौरान बांध रखा था एक हाथ

हाल में ही में वह अग्नि में एक अग्निशमन दस्ता के सदस्य की भूमिका में नजर आई थीं। इसमें उन्होंने कुछ खतरनाक स्टंट भी किए थे। सैयामी ने गर्व से इस किरदार को निभाने का अनुभव भी साझा किया। घूमर में भी पैराप्लेजिक किरदार की अपनी भूमिका में उन्होंने पूर्ण समर्पण दिखाया था। पूरी शूटिंग के दौरान उन्होंने अपना एक हाथ बांधे रखा था। वह बॉलीवुड में कई कलाकारों के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। सैयामी का करियर यह दर्शाता है कि सफलता अपनी सीमाओं को लांघने, बहुमुखी बनने और हमेशा बेहतर होने के लिए आगे बढ़ने में ही शामिल है।

सेंसेक्स
73104.61 पर बंद
निफ्टी
22217.85 पर बंद

सोना
71,005
चांदी
80,332

संक्षिप्त समाचार

बिरला ओपस के साथ पेंट्स के नए युग में प्रवेश करें!

मुंबई, एजेंसी। आदित्य बिरला ग्रुप ने फरवरी 2024 में 'बिरला ओपस' के लॉन्च के साथ पेंट उद्योग में प्रवेश किया था। बिरला ओपस की शुरुआत के साथ आदित्य बिरला ग्रुप तेजी से बढ़ते हुए 80,000 करोड़ रुपये के भारतीय डेकोरेटिव पेंट उद्योग में प्रवेश कर गया, जिसके लिए कंपनी ने 10,000 करोड़ रुपये का बड़ा अग्रिम निवेश किया। 15 मई, 2024 से कंपनी के मजबूत डीलर नेटवर्क द्वारा 'बिरला ओपस' के सभी उत्पाद पूरे देश में उपलब्ध होंगे। विभिन्न स्थानों पर आयोजित अपनी पिछली एक्स्पो और डीलर मीट्स को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के बाद बिरला ओपस अब बाजार में उतरने के लिए उत्साहित है और हम विभिन्न स्थानों पर तेजी से अपना विस्तार कर रहे हैं। बिरला ओपस सभी सेगमेंट्स में विस्तृत पोर्टफोलियो प्रदान करता है, जिसमें इंटीरियर, एक्सटीरियर, वाटरप्रूफिंग, इनैमल पेंट्स, वूड फिनिश, और वॉलपेपर्स सहित सभी श्रेणियों में बेहतर उत्पाद शामिल हैं। बिरला की विरासत और ओपस की क्रिएटिविटी के साथ बिरला ओपस का उद्देश्य पेंट उद्योग में इनोवेशन लाना है। बिरला ओपस के सीईओ, रक्षित हर्गवे ने कहा, ''बिरला ओपस आदित्य बिरला ग्रुप के लिए एक रणनीतिक पहल है। इसका उद्देश्य पेंट्स उद्योग में एक नया युग शुरू करना है। हम विभिन्न शहरों में वितरण और अपने नेटवर्क को मजबूत बनाकर इसकी उपलब्धता बढ़ाना चाहते हैं। एक्स्पो में हमें अपनी डीलर मीट्स, पेंटर्स, कॉन्ट्रैक्टर्स, आर्किटेक्ट्स, और इंटीरियर डिज़ाईनर्स से बहुत ही अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। हमने विशाल स्तर पर कॉन्ट्रैक्टर्स को सैंपल प्रदान किए, और वो सभी बिरला ओपस पेंट्स का उपयोग कर अपने ग्राहकों को बेहतर सेवा देने के लिए उत्साहित हैं।''

आईआईटी मद्रास बीएस इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स के तीसरे बैच के लिए आवेदन आमंत्रित

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास) ने अपने इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम प्रोग्राम में बैचलर ऑफ साइंस (बीएस) के तीसरे बैच के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। प्रोग्राम चार वर्ष का है जिसमें एक्जिट के कई विकल्प दिए गए हैं। छात्र फाउंडेशन स्तर का सर्टिफिकेट, डिप्लोमा या फिर बीएस डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रोग्राम में वर्तमान में 1,000 से अधिक छात्र शामिल हैं। यह उन्हें इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम में कौशल प्रदान कर उद्योग के लिए तैयार करता है। यह प्रोग्राम भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स और एम्बेडेड मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में कौशल प्राप्त ग्रैजुएट्स का एक विशाल समूह तैयार करने के महत्वपूर्ण लक्ष्य की ओर अग्रसर है। भारत के सेमीकंडक्टर मिशन के अनुरूप कार्यरत यह प्रोग्राम भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग और डिजाइन का वैश्विक केंद्र बनाएगा। प्रोग्राम की शुरुआत मार्च 2023 में की गई थी। इसमें शिक्षा को सर्वसुलभ, सस्ता बनाने और सभी के समावेश पर जोर दिया गया था। मई 2024 टर्म के लिए उम्मीदवार 26 मई 2024 तक आवेदन कर सकते हैं।

हल्दीराम पर ब्लैकस्टोन सहित दिग्गज कंपनियों की नजर, हजारों करोड़ रुपये की होगी डील!

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे चर्चित कंपनियों में से एक हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड में मालिकाना हक खरीदने के लिए दुनिया की दिग्गज कंपनियों की निगाह है। इकोनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया की सबसे बड़ी प्राइवेट इक्विटी फंड ब्लैकस्टोन अबु धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी और जीआईसी सिंगापुर ने मिलकर हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड में कंट्रोलिंग हिस्सेदारी खरीदने के लिए पिछले हफ्ते कंपनी को प्रस्ताव भेजा था। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड की वैल्यूएशन 8 बिलियन से 8.5 बिलियन डॉलर (66,400 करोड़ रुपये से 70,500 करोड़ रुपये) तक आंकी गई है। बता दें, यहां हल्दीराम के दिल्ली और नागपुर बिजनेस में हिस्सेदारी खरीदने की बात हो रही है। मिंट की रिपोर्ट के अनुसार ब्लैकस्टोन और उनके सहयोगियों के अलावा बेन कैपिटल की निगाह भी हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड पर है। बेन कैपिटल ने हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड से कई बार को लेकर बात भी की है। लेकिन अभी तक बात नहीं बन पाई।

रिपोर्ट के अनुसार ब्लैकस्टोन और उनके सहयोगी मिलकर हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड में 74 प्रतिशत से 76 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदना चाहते हैं। लेकिन ब्लैकस्टोन के सहयोगी अबुधाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी और जीआईसी की हिस्सेदारी बहुत अधिक नहीं रहेगा। बता दें, अगर यह डील सफल रही तो ब्लैकस्टोन की भारत में यह सबसे हिस्सेदारी की खरीद होगी।

87 साल पुरानी स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड में हिस्सेदारी खरीद के मामले में अभी तक कुछ आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है। वहीं, स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड ने भी पूरे मामले में बयान जारी नहीं किया है। इस पूरी डील की सफलता इस बात पर भी निर्भर करेगी कि हल्दीराम के नागपुर और दिल्ली बिजनेस का सफलता पूर्वक मर्जर हो जाए। इस मर्जर को सीसीआई ने अप्रैल में अप्रूव कर दिया था। बता दें, ब्लैकस्टोन इस डील को लेकर कितना उत्साहित इसका अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि फंड कंपनी ने कनाडा और एशिया के अपने सहयोगियों से भी इसपर बात की है।

कैसे होगा मर्जर के बाद की स्थिति

हल्दीराम परिवार मौजूदा समय में 3 हिस्सों में बंटा हुआ है। मौजूदा समय में नागपुर बिजनेस (हल्दीराम फूड्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड) और दिल्ली बिजनेस (हल्दीराम स्नैक्स प्राइवेट लिमिटेड) के मर्जर की बात हो रही है। दोनों कंपनियों के विलय के हल्दीराम स्नैक्स फूड्स प्राइवेट लिमिटेड नाम से एक नई कंपनी अस्तित्व में आएगी। इस विलय के बाद दिल्ली के मनोहर अग्रवाल और मधु सुदन अग्रवाल की कंपनी में हिस्सेदारी 55 प्रतिशत होगी। जबकि नागपुर के कमलकिशन अग्रवाल की हिस्सेदारी 45 प्रतिशत होगी। बता दें, इस मर्जर से हल्दीराम के पूर्वोत्तर में बिजनेस दे रही कंपनी दूर है।

हुंदै ने नेपाल में वेन्यू का उत्पादन शुरू करने के लिए लक्ष्मी समूह के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। हुंदै मोटर इंडिया ने लक्ष्मी समूह के सहयोग से नेपाल में अपनी कॉम्पैक्ट एसयूवी वेन्यू को स्थानीय स्तर 'असेंबल करना शुरू कर दिया है। 'असेंबल से तात्पर्य वाहन के निर्मित कलपुर्जों को जोड़ने से है। यह संयंत्र नेपाल में पहली मोटर वाहन 'असेंबली सुविधा है। इसकी वार्षिक स्थापित क्षमता 5,000 इकाई है।

हुंदै मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अनसू किम ने बयान में कहा, ''हुंदै वेन्यू संयंत्र में स्थानीय स्तर पर 'असेंबल किया गया पहला मॉडल होगा। मैं इस उपलब्धि के लिए नेपाल के लोगों को हार्दिक बधाई देना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल और नेपाल सरकार के सुविधा स्थापित करने में समर्थन की कंपनी आभारी है। किम ने कहा, ''स्थानीय स्तर पर वाहन 'असेंबल करने के अनुकूल परिवेश विकसित करने के लिए हम नेपाल सरकार से और अधिक उत्साहजनक नीतियों व प्रोत्साहनों की उम्मीद करते हैं... हुंदै ने 'असेंबल संयंत्र के लिए नेपाल स्थित लक्ष्मी समूह के साथ साझेदारी की है। वाहन विनिर्माता के अनुसार, लक्ष्मी समूह एचएमसी कोरिया और हुंदै मोटर इंडिया के उत्पादों तथा प्रौद्योगिकी पर निरंतर सहयोग व समर्थन के साथ नेपाल में कार का विनिर्माण व बिक्री करेगी।

87000 रुपए के पेमेंट पर मिला 1 रुपए का कैशबैक, सोशल मीडिया पर यूजर्स ने उड़ाया मजाक

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में यूपीआई और डिजिटल ट्रांजेक्शन एप ने लोगों के पेमेंट के तौर तरीकों में बड़ा बदलाव किया है। एक के बाद एक कई एप डिजिटल पेमेंट सेक्टर में उतरे। इन सभी ने शुरुआत में ग्राहकों को लुभाने के लिए ज्यादा से ज्यादा कैशबैक और ऑफर्स की झड़ी लगा दी थी। कुछ ऐसा ही हुआ क्रेड एप का इस्तेमाल करने वाले एक यूजर के साथ। उन्होंने 87000 रुपए का क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट क्रेड के जरिए किया। इसके बदले में उन्हें कंपनी से सिर्फ 1 रुपए का कैशबैक मिला है। उन्होंने इसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया जिसके बाद कई यूजर्स ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए ऐसे ऑफर्स का बना मजाक बना दिया। बेंगलुरु स्थित क्रेड को क्रेडिट कार्ड पेमेंट का सबसे बड़ा थर्ड पार्टी एप माना जाता है। कंपनी के देशभर में 1.5 करोड़ एक्टिव कस्टमर हैं। इसके अलावा यह देश का

चौथा सबसे बड़ा यूपीआई एप भी है। एक आईटी कंपनी में मैनेजर गुरजोत अहलूवालिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि उन्होंने 87000 रुपए का पेमेंट क्रेड के जरिए किया। इसके बदले में उन्हें 1 रुपए का महा कैशबैक मिला है। उन्होंने लिखा कि इससे अच्छा तो मैं बैंक के पोर्टल से ही पेमेंट कर देता। अब समय आ गया है कि हम अपना डेटा क्रेड जैसी कंपनियों को न दें। हमें सीधा बैंक को ही भुगतान कर देना चाहिए। इस पोस्ट पर कई यूजर अपनी-अपनी कहानियां लेकर आ गए। एक यूजर ने लिखा कि मैंने 1.5 साल पहले ही ऐसा कर लिया था। ऑफर्स सिर्फ शुरू में ही मिलते हैं। इसके बाद ऐसे एप अपना पैसा बचाना शुरू कर देते हैं। एक अन्य यूजर ने लिखा कि मैंने एक फिनटेक कंपनी में काम करने वाले अपने दोस्त से पूछा कि आखिर क्यों लोग क्रेड जैसे एप का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने बताया कि क्रेड आपको बिल पेमेंट करना याद दिलाता है।

जैसे-जैसे चुनावी चरण समाप्त होंगे, बाजार का उतार-चढ़ाव कम होगा, विदेश मंत्री ने जताया भरोसा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के बारे में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को भरोसा जताया कि चुनाव नतीजों के बाद बाजार स्थिर हो जाएंगे। उन्होंने कहा, मेरे लिए यह स्पष्ट है कि चुनाव कहां जा रहे हैं, लोग सटीक चुनाव संख्याओं पर बहस कर सकते हैं, लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि बाजार के बाद दौर कम और कम अस्थिर होगा। विदेशी मंत्री एस जयशंकर एनएसई के एक सेमिनार इंडियाएन कैपिटल मार्केट्स- विकसित भारत के लिए रोड मैप में बोल रहे थे। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, शेयर बाजार के निवेशकों के बीच मौजूदा अनिश्चितता भारत में चल रहे संसदीय चुनावों के कारण है। पिछले सप्ताह से बाजार में बिकवाली का दबाव बना हुआ है। जयशंकर ने चुनाव परिणामों के बाद निवेश को और मजबूत करने की बात कहकर निजी निवेश के लिए विश्वास दिखाया। उन्होंने कहा, मुझे निश्चित रूप से अधिक विदेशी निवेश आने की संभावना दिख रही है, लेकिन अभी निवेशक चार जून के नतीजे का इंतजार कर रहे हैं।

बुलेट ट्रेन की स्पीड से भाग रहा रेलवे का शेयर, खरीदने की मची लूट

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में फाइनलिस्टिंग्स टेक्नोलॉजीज़ की लिस्टिंग हो गई है। कंपनी बीएसई एसएमई में 3.25 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 127 रुपये पर लिस्ट हुआ है। जबकि कुछ ही देर के बाद कंपनी के शेयरों में 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लग गया। बता दें, आईपीओ का प्राइस बैंड 123 रुपये प्रति शेयर तय हुआ था।

आज सुबह कंपनी के शेयर 127 रुपये पर लिस्ट हुए थे। लेकिन कुछ देर के बाद कंपनी के शेयरों का भाव 5 प्रतिशत की उछाल के साथ 133.35 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। जिस वजह से योग्य निवेशकों को हर एक शेयर पर 8.41 प्रतिशत का लाभ मिला है। बता दें, लिस्टिंग के बाद कंपनी का मार्केट कैप 48.49 करोड़ रुपये हो गया था।

1 शेयर पर 1000 प्रतिशत का डिविडेंड दे रही है कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 7 मई 2024 को ओपन हुआ था। वहीं, आईपीओ 9 मई तक रिटेल निवेशकों के लिए खुला था। कंपनी ने 1000 शेयरों का एक लॉट बनाया था। जिस वजह से निवेशकों को हर दिन 1,23,000 रुपये का दांव लगाना पड़ा। फाइनलिस्टिंग्स टेक्नोलॉजीज़ के आईपीओ का साइज 13.53 करोड़ रुपये का है। कंपनी ने आईपीओ के जरिए 11 लाख फ्रेश शेयर जारी किया है। कंपनी के प्रमोटर्स अनीश माथुर और अर्जुन सिंह राजपूत हैं। दोनों प्रमोटर्स के पास आईपीओ से पहले 71.36 प्रतिशत हिस्सा था। जबकि आईपीओ के बाद अब यह घटकर 49.98 प्रतिशत रह गया है। आईपीओ को पहले दिन 1.94 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। जबकि दूसरे दिन आईपीओ को 6.91 गुना सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ था। वहीं, आखिरी दिन 37.44 गुना सब्सक्राइब किया गया था। आईपीओ ओपनिंग के आखिरी दिन रिटेल सेक्शन में सबसे अधिक 38.96 गुना सब्सक्राइब किया गया था।

आईपीओ की दमदार लिस्टिंग, निवेशक गदगद

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में फाइनलिस्टिंग्स टेक्नोलॉजीज़ की लिस्टिंग हो गई है। कंपनी बीएसई एसएमई में 3.25 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 127 रुपये पर लिस्ट हुआ है। जबकि कुछ ही देर के बाद कंपनी के शेयरों में 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लग गया। बता दें, आईपीओ का प्राइस बैंड 123 रुपये प्रति शेयर तय हुआ था। आज सुबह कंपनी के शेयर 127 रुपये पर लिस्ट हुए थे। लेकिन कुछ देर के बाद कंपनी के शेयरों का भाव 5 प्रतिशत की उछाल के साथ 133.35 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। जिस वजह से योग्य निवेशकों को हर एक शेयर पर 8.41 प्रतिशत का लाभ मिला है। बता दें, लिस्टिंग के बाद कंपनी का मार्केट कैप 48.49 करोड़ रुपये हो गया था।

कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 7 मई 2024 को ओपन हुआ था। वहीं, आईपीओ 9 मई तक रिटेल निवेशकों के लिए खुला था। कंपनी ने 1000 शेयरों का एक लॉट बनाया था। जिस वजह से निवेशकों को हर दिन 1,23,000 रुपये का दांव लगाना पड़ा। फाइनलिस्टिंग्स टेक्नोलॉजीज़ के आईपीओ का साइज 13.53 करोड़ रुपये का है। कंपनी ने आईपीओ के जरिए 11 लाख फ्रेश शेयर जारी किया है।

कंपनी के प्रमोटर्स अनीश माथुर और अर्जुन सिंह राजपूत हैं। दोनों प्रमोटर्स के पास आईपीओ से पहले 71.36 प्रतिशत हिस्सा था। जबकि आईपीओ के बाद अब यह घटकर 49.98 प्रतिशत रह गया है।

आईपीओ को पहले दिन 1.94 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। जबकि दूसरे दिन आईपीओ को 6.91 गुना सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ था। वहीं, आखिरी दिन 37.44 गुना सब्सक्राइब किया गया था। आईपीओ ओपनिंग के आखिरी दिन रिटेल सेक्शन में सबसे अधिक 38.96 गुना सब्सक्राइब किया गया था।

म्यूचुअल फंड एसेट में पूर्वोत्तर की हिस्सेदारी बढ़कर 40,324 करोड़, इसमें सिक्किम के आंकड़े शामिल नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में कुल म्यूचुअल फंड परिसंपत्तियों (एसेट) में पूर्वोत्तर की हिस्सेदारी चार साल में दोगुनी से अधिक होकर मार्च, 2024 में 40,324 करोड़ रुपये पहुंच गई। इक्रा एनालिटिक्स की रिपोर्ट में कहा गया है, यह आंकड़ा छोटे शहरों व कस्बों के निवेशकों के बीच म्यूचुअल फंड में निवेश करने की बढ़ती चाहत का संकेत मिलता है। रिपोर्ट के मुताबिक, म्यूचुअल फंड उद्योग की प्रबंधन के तहत कुल औसत संपत्तियों (एएयूएम) में अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड व त्रिपुरा की संयुक्त हिस्सेदारी मार्च, 2020 में 0.67 फीसदी थी। यह मार्च, 2024 में बढ़कर 0.73 फीसदी हो गई। इसमें सिक्किम के आंकड़े शामिल नहीं हैं। मार्च, 2020 में इन राज्यों का संपत्ति आधार 16,446 करोड़ रुपये था, जो इस साल मार्च में बढ़कर 40,324 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

टाटा मोटर्स ने ऑल-न्यू टाटा ऐस ईवी 1000 को लॉन्च किया

अपने इलेक्ट्रिक उत्पादों की श्रृंखला को बेहतर बनाया

टाटा मोटर्स ने इलेक्ट्रिक से चलने वाले वाहनों में ज्यादा वजन ढोने की क्षमता के साथ इनकी रेंज भी बढ़ाई है। ई-कार्गो वाहन ज्यादा स्मार्ट और पर्यावरण के अनुकूल बन गए हैं

मुंबई, एजेंसी। टाटा मोटर्स, भारत में कॉमर्शियल वाहनों के सबसे बड़े निर्माता, ने आज ऑल-न्यू ऐस ईवी 1000 को लॉन्च कर अपने ई-कार्गो मोबिलिटी सोल्यूशंस को मजबूत किया है। उपभोक्ताओं को उनके घर या ऑफिस तक डिलीवरी देने में क्रांति लाने के मकसद से विकसित, इस शून्य कार्बन उत्सर्जन करने वाले मिनी ट्रक में एक टन तक सामान को लोड करने की क्षमता दी गई है। एक बार चार्ज करने पर यह मिनी ट्रक 161 किमी की रेंज प्रदान करता है, जिसे प्रमाणित किया जा चुका है। ऐस ईवी को उपभोक्ताओं के फीडबैक और जरूरतों को देखते हुए विकसित किया गया है। यह नया वैरिएंट एफएमसीजी, बेवरेजेस, पेंट एंड लुब्रिकेंट्स,एलपीजी और डेयरी जैसे कई क्षेत्रों की जरूरतें पूरी करता है। देश भर में टाटा ईवी के 150 से ज्यादा व्हीकल सपोर्ट सेंटर हैं। ऐस ईवी एडवांस्ड बैटरी, फ्लीट ऐज टेलिमेटिक्स सिस्टम और बेहतरीन संचालन समय के लिए मजबूती से ट्रक की

पूरी यूनिट और पाटर्स को एकत्र करता है। ऐस ईवी टाटा यूनिईवर्स की असीम क्षमताओं का लाभ उठाता है। टाटा ग्रुप की प्रासंगिक कंपनियों से साझीदारी करता है। उपभोक्ताओं को संपूर्ण मोबिलिटी सोल्यूशन प्रदान करने के लिए कंपनी की देश के प्रमुख फाइनेंसरों से भी साझेदारी है। यह सामान रखने के लिए अलग-अलग डेक के साथ उपलब्ध होगा। यह देश भर में टाटा मोटर्स के कमर्शियल वाहन के सभी डीलरों के पास उपलब्ध होगा। टाटा मोटर्स कॉमर्शियल व्हीकल्स में एससीवी और पीयू डिविजन के वाइस प्रेसिडेंट और बिजनेस हेड श्री विनय पाठक ने बताया, पिछले दो सालों से हमारे ऐस ईवी के उपभोक्ता बेमिसाल अनुभव का लाभ ले रहे हैं, जो एक ही समय में उन्हें मुनाफे के साथ उनके बिजनेस में स्थिरता प्रदान करता हैं। शून्य कार्बन उत्सर्जन करने वाले यह व्यावसायिक वाहन लोगों के ऑर्डर की डिलिवरी उनके घर पहुंचाने के क्षेत्र में राजदूत बन गए हैं। ऐस ईवी 1000 के लॉन्च के साथ हम उन उपभोक्ताओं को अच्छा अनुभव प्रदान कर रहे हैं, जो अलग-अलग क्षेत्रों में सर्विस देने के लिए संचालन की कम लागत वाले कमर्शियल वाहनों की तलाश में रहते हैं। हमें पूरा भरोसा है कि ऐस ईवी 1000 स्वामित्व की कम लागत और सर्वश्रेष्ठ मूल्यों के साथ पर्यावरण को साफ-सुथरा बनाने में भी योगदान देगा।''

ऐस ईवी इवोजेन पावरट्रेन से लैस है, जो ड्राइवर को ड्राइविंग का बेहतरीन अनुभव देती है। ऐस ईवी में बैटरी की 7 साल की वारंटी मिलती है और वाहनों के मेंटेनेंस का 5 साल का संपूर्ण पैकेज भी मिलता है। इस गाड़ी को हर मौसम में सुरक्षित ढंग से चलाया जा सकता है। इसमें एडवांस्ड बैटरी कूलिंग सिस्टम के साथ ड्राइविंग की रेंज को बढ़ाने के लिए रिजेनरेटिव ब्रेकिंग सिस्टम भी मिलता है। ट्रक के संचालन का समय बढ़ाने के लिए यह नियमित और तेज चार्जिंग की क्षमता से लैस होता है। इसे 130 एनएम के पीक टॉर्क के साथ 27 किलोवॉट (36 हॉर्स पावर) की मोटर से पावर मिलती है। इससे अपनी श्रेणी में इस गाड़ी की रफ्तार काफी तेजी से बढ़ती है।

जॉनसन्स बेबी ने मातृत्व के विविध रूपों का जश्न मनाते हुए लॉन्च की एक डिजिटल फिल्म

लॉन्ग वेट फॉर डे 1 कैम्पेन में शिशु की पहले पल से रक्षा करने में माँ की मदद करने का जॉनसन्स बेबी का वादा

मुंबई – शिशुओं की त्वचा की देखभाल का प्रथम अन्वेषक ब्रांड, जॉनसन्स बेबी ने एक डिजिटल फिल्म द लॉन्ग वेट फॉर डे 1 लॉन्च करके माताओं और मातृत्व की यात्रा का सम्मान किया है। मदर्स डे के अवसर पर लॉन्च की गई, डीडीबी मुद्रा द्वारा बनाई गई नई फिल्म गोद लेने, आईवीएफ, प्रीटर्म जैसे मातृत्व के अलग-अलग प्रकारों को शामिल किया गया है। यह फिल्म हर मातृत्व के सभी रूपों में समर्थन देने के लिए ब्रांड की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालती है।

जॉनसन्स बेबी के प्रॉमिस पहले पल से अभियान के अगले भाग के रूप में लॉन्च किया गया, द लॉन्ग वेट फॉर डे 1 कैम्पेन नेहा, माया और गीत की दिल छू लेने वाली कहानियों पर आधारित है, वे अपनी मातृत्व की अनूठी यात्रा की शुरूआत कर रही हैं। अस्पताल के बिस्तर पर शिशु का इंतज़ार करते हुए मन में उमड़ने वाली लालसा से लेकर मातृत्व की अब तक की यात्रा के फ्लैशबैक तक, यह फिल्म एक मां के मन के भावनात्मक रोलर कोस्टर को चित्रित

करती है। नौ सालों तक मां बनने की कोशिश के बाद नेहा आईवीएफ के ज़रिए गर्भवती हुई। यह फिल्म उन अनगिनत महिलाओं के अटूट दृढ़ संकल्प और अदम्य आशा को दर्शाती है जो मातृत्व की यात्रा में बाधाओं, चुनौतियों का सामना करती हैं। गीत अपने गोद लिए हुए बच्चे का बेसब्री से इंतज़ार कर रही है, मातृत्व का यह बेहद अनोखा और खूबसूरत रूप दिल को छू लेने वाला है। माया की कहानी एक माँ की शारीरिक और मानसिक शक्ति और साहस को दर्शाती है जो समय से पहले जन्मे शिशुओं की देखभाल कर रही हैं, एक ऐसा मातृत्व जो समय से पहले पैदा हुए नवजात शिशु से जुड़ी अनिश्चितताओं का सामना करता है। हर मां की अपने बेबी का चेहरा पहली बार देखने तक की यात्रा अलग और अनोखी होती है, लेकिन अपने बेबी की पूरी सुरक्षा करने का वादा हर मां करती है। जॉनसन्स बेबी ब्रांड माताओं को शिशु के जन्म के पहले दिन से ही उसकी सुरक्षा करने में मदद करता है।

संक्षिप्त समाचार

गोल्डन बॉल ट्रॉफी चोरी हुई, नीलामी रोकना चाहते हैं : माराडोना के उत्तराधिकारी

पेरिस (एजेंसी)। महान फुटबॉलर डिएगो माराडोना के उत्तराधिकारी उस ट्रॉफी की नीलामी को रोकने की कोशिश करने के लिए मुकदमा दायर करेंगे जो उन्हें 1986 विश्व कप में अर्जेंटीना की खिताबी जीत के बाद दी गई थी। उनके वकील ने मंगलवार को यह जानकारी दी। टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को गोल्डन बॉल ट्रॉफी दी जाती है। यह ट्रॉफी दशकों से गायब थी और हाल ही में दोबारा सामने आई। अगुटेस ऑक्शन हाउस ने पिछले हफ्ते कहा था कि इसकी अगले महीने पेरिस में नीलामी की जाएगी। माराडोना का 2020 में 60 बरस की उम्र में निधन हो गया था। उन्हें 1986 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के लिए इस ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। उन्होंने मेक्सिको सिटी में फाइनल में पश्चिम जर्मनी पर 3-2 की जीत के दौरान अर्जेंटीना की कप्तानी की। इससे पहले उन्होंने क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड पर 2-1 की जीत में विवादास्पद 'हैंड ऑफ गॉड' गोल और 'सदी का सर्वश्रेष्ठ' गोल किया था। माराडोना के उत्तराधिकारियों का कहना है कि ट्रॉफी चोरी हो गई थी और उनका दावा है कि मौजूदा मालिक इसे बेचने का हकदार नहीं हो सकता। पैराडॉक्स लॉयर्स फर्म के साथ काम करने वाले वकील जाइल्स मोरू ने कहा कि वह गोल्डन बॉल को नीलामी से हटाने के लिए पेरिस के पास नैनटेरे न्यायिक अदालत के अध्यक्ष से तत्काल अनुरोध करेंगे।

विराट कोहली को दोबारा कप्तान न बनाने में क्या दिक्कत है: हरभजन सिंह

नईदिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह का मानना ??है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को अगले आईपीएल सीजन से पहले विराट कोहली को दोबारा कप्तान बना देना चाहिए। बेंगलुरु के लिए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबला काफी अहम है। वह पांच मुकाबले लगातार जीत चुकी है। अगर वह चेन्नई को नहीं हरा पाए तो वह प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो जाएंगे। इसी बीच हरभजन का मानना ??है कि अगर आरसीबी को ट्रॉफी का सूखा खत्म करना है तो कोहली क्रिकेट के उस आक्रामक ब्रांड का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं जिसे आरसीबी को खेलना होगा। उनका मानना ??है कि कोहली ने आरसीबी पर वैसा ही प्रभाव डाला है जैसा एमएस धोनी ने सीएसके पर डाला है। हरभजन ने कहा कि विराट कोहली को कप्तान के रूप में वापस क्यों नहीं लाया गया? जैसा धोनी का चेन्नई में बहुत प्रभाव है, विराट कोहली का भी वैसा ही प्रभाव है। वह जानते हैं कि उन्हें किस तरह की क्रिकेट खेलने की जरूरत है। अब वे बहुत आक्रामकता के साथ खेल रहे हैं। इरादा विराट कोहली ही लेकर आते हैं। मैं विराट को आगे बढ़ते हुए टीम का नेतृत्व करते हुए देखना चाहता हूं। हरभजन ने एक भारतीय खिलाड़ी को कप्तान बनाने के महत्व पर जोर दिया क्योंकि इससे विदेशी खिलाड़ियों के लिए जगह खुल जाती है। वहीं, धोनी पर बोलते हुए हरभजन ने कहा कि मैं अब भी मानता हूं कि धोनी का काफी प्रभाव है। वानखेड़े के खेल में उन्होंने 20 रन बनाए और अंत में यही जीत का अंतर रहा। आपको और क्या चाहिए, उनका मार्गदर्शन, वह तब मदद करते हैं जब यह सबसे ज्यादा मायने रखता है। बता दें कि सीएसके और आरसीबी 18 मई को बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक-दूसरे का सामना करेंगे।

टीम इंडिया का मिशन टी-20 वर्ल्ड कप

मुंबई (एजेंसी)। अगले कुछ हफ्ते क्रिकेट के लिहाज से बेहद अहम होने वाले हैं। 26 मई को चेन्नई में आईपीएल के 17वें सीजन का फाइनल खेला जाएगा और इसके ठीक छह दिन बाद टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत हो जाएगी। यूएस-वेस्टइंडीज में होने जा रहे इस वर्ल्ड कप के लिए बीसीसीआई ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। बोर्ड के सचिव जय शाह ने बताया कि भारतीय टीम दो जत्थों में वर्ल्ड कप के लिए रवाना होगी। जिन खिलाड़ियों की टीमें आईपीएल प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाएंगी, वो खिलाड़ी कोचिंग स्टाफ के साथ 24 मई को फ्लाइट पकड़ेंगे। बाकी टीम 26 मई को आईपीएल फाइनल के बाद रवाना होगी। यहां बताना जरूरी हो जाता है कि भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 5 जून से करेगी, जहां उसका पहला सामना आयरलैंड से होगा।

आईपीएल से बाहर होने वाली टीमों के खिलाड़ी गए - जय शाह ने लीग राउंड में उन खिलाड़ियों को आराम देने से इनकार कर दिया जिनकी टीमों के पास प्लेऑफ में

बीच में छोड़कर 24 मई को रवाना होंगे ये खिलाड़ी

पहुंचने का कोई मौका नहीं है। उन्होंने कहा कि आईपीएल उभरते खिलाड़ियों के लिए अपने टी-20 कौशल को निखारने का एक शानदार अवसर था। शाह ने कहा, देखिए उस दिन ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा ने दूसरे दिन कितना अच्छा खेला। अगर जसप्रीत बुमराह को हेड को गेंदबाजी करने का मौका मिलता है, तो अभ्यास करने का इससे बेहतर मौका क्या होगा?

मयंक यादव को मिलेगा तेज गेंदबाज का अनुबंध - लखनऊ सुपर जाइंट्स के तेज गेंदबाज मयंक यादव ने आईपीएल 2024 में धमाकेदार आगाज कर हर किसी को प्रभावित किया था, लेकिन फिर इंजर्ड होकर वो टीम से बाहर हो गए। शाह ने पुष्टि की कि मयंक यादव को तेज गेंदबाजों के लिए बनाए गए नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल किया गया है। वो बीसीसीआई की निगरानी में रहेंगे। वो अन्य होनहार तेज गेंदबाजों में शामिल हो गए हैं, जिनके पास वार्षिक रिटेनर नहीं है। आकाश दीप, विजयकुमार वैश्यक, उमरान मलिक, यश दयाल और विदवथ कावेरप्पा उनमें से एक हैं। आईपीएल को छोड़कर पूरे साल एनसीए मेडिकल स्टाफ इन गेंदबाजों पर नजर रखेगा।

टीम इंडिया के नए हेड कोच के लिए आवेदन - बीसीसीआई ने भारतीय सीनियर मेंस क्रिकेट टीम के नए हेड कोच की तलाश तेज कर दी है। बीती देर रात इसके लिए आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर आवेदन मंगाए गए। भारत के नए हेड कोच का कार्यकाल साढ़े तीन साल का होगा, जिसकी शुरुआत 1 जुलाई 2024 से होगी। आवेदन करने वाले उम्मीदवार की उम्र 60 साल से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। इतना ही नहीं कम से कम आवेदक को कम से कम 30 टेस्ट मैच या 50 वनडे मैच का अनुभव या कम से कम दो साल तक किसी फुल मेंबर टेस्ट खेलने वाले देश का हेड कोच होना चाहिए। या किसी एसोसिएट मेंबर टीम/किसी आईपीएल टीम या फिर ऐसी ही किसी लीग या फर्स्ट क्लास टीम या फिर किसी देश की टीम का तीन साल तक कोच रहने की बाध्यता पूरी करनी चाहिए। या उसके पास बीसीसीआई के कोचिंग का लेवल-3 सर्टिफिकेट होल्डर हो।

पोंटिंग ने कहा

इंपेक्ट प्लेयर नियम हटने से आईपीएल में बड़े स्कोर नहीं बनेंगे?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि बहुचर्चित 'इंपेक्ट प्लेयर' नियम खत्म होने के बाद भी आईपीएल मुकाबलों में बड़े स्कोर बनते रहेंगे। इंपेक्ट प्लेयर नियम टीमों को मैच के दौरान किसी भी समय टॉस के दौरान घोषित मूल एकादश में से किसी एक खिलाड़ी को बदलने की अनुमति देता है। इसे लेकर लोगों की राय बंटी हुई है। जैसे कि भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने इसे ऑलराउंडर के लिए नुकसानदायक बताया है क्योंकि उन्हें गेंदबाजी करने का मौका नहीं मिलता जबकि सौरव गांगुली जैसे कुछ अन्य इसे अच्छा बता रहे हैं। तीन बार ऑस्ट्रेलिया की विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रहे पोंटिंग ने सोमवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाजी कोच प्रवीण आमरे की आत्मकथा 'जीरो फॉर 5- द थ्रिलिंग क्रिकेट जर्नी ऑफ प्रवीण आमरे% के विमोचन के दौरान कहा, 'इस बात पर चर्चा चल रही है कि क्या इंपेक्ट प्लेयर नियम आईपीएल में बना रहेगा, अगर ऐसा नहीं होता है तो क्या स्कोर फिर से कम बनेंगे? मुझे यह देखने में दिलचस्पी है।

उन्होंने कहा, 'हां, इंपेक्ट प्लेयर शीर्ष पर मौजूद खिलाड़ी को थोड़ी राहत प्रदान करता है लेकिन मुझे लगता है कि शीर्ष क्रम के बल्लेबाज क्रीज पर उतरकर एक निश्चित तरीके से खेलने के आदी हैं। पोंटिंग ने समझाया, 'मेरा मतलब है कि जेक फ्रेजर-मैकगर्क को एक अलग तरीके से खेलने के लिए कहने की कोशिश करना या ट्रेविस हेड को थोड़ा रक्षात्मक होने के लिए कहना, ऐसा होने वाला नहीं है।

इस साल आईपीएल में अब तक 36 बार 200 या इससे अधिक रन बन चुके हैं जबकि पिछले सत्र में यह आंकड़ा 37 था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने कहा है कि अगर आईपीएल के अंत में हितधारक चाहेंगे तो नियम पर पुनर्विचार किया जा सकता है। पिछले दशक में खेल के विकास के बारे में बात करते हुए पोंटिंग ने कहा कि 'पारंपरिक तकनीक वाले बल्लेबाजों के लिए जगह कम हो रही है।

उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड अब जिस तरह से खेलने की कोशिश कर रहा है, उसे देखिए, उन्होंने अभी तक इसे बिल्कुल सही तरीके से नहीं किया है... खिलाड़ी बहुत अधिक वनडे या टी20 क्रिकेट खेलकर आए हैं। पोंटिंग ने कहा, ''टेस्ट क्रिकेट में अब भी पारंपरिक शैली के बल्लेबाजों के लिए जगह है लेकिन यह कम होती जा रही है।% पोंटिंग ने कहा कि भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली और इंग्लैंड के जो रूट पारंपरिक तकनीक वाले कुछ शीर्ष बल्लेबाजों में से हैं। उन्होंने कहा, ''पिछले 10 वर्षों में आधुनिक बल्लेबाजों में बहुत अधिक क्लासिकल तकनीक नहीं है, अब आप सर्वश्रेष्ठ को देखें, जो रूट शायद सबसे पारंपरिक शैली वाला क्रिकेटर है।

पोंटिंग ने कहा, 'स्टीव स्मिथ थोड़े अलग रहे हैं, मार्नस लाबुशेन अपने खेलने के तरीके के कारण थोड़े अलग रहे हैं, विराट पारंपरिक और तकनीकी रूप से भी बहुत अच्छे हैं लेकिन मुझे लगता है कि थोड़ा बदलाव आया है। आमरे ने कहा कि उनकी किताब एक अच्छे मार्गदर्शक (मेंटर) के महत्व को रेखांकित करती है। उन्होंने याद करते हुए कहा, 'जब मैं 2006-07 में पहली बार मुंबई रणजी ट्रॉफी टीम का कोच बना, रणजी सेमीफाइनल में हमने शून्य रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। शीर्ष पांच बल्लेबाज शून्य पर आउट हो गए थे।

आमरे ने कहा, 'लेकिन पूरी टीम को विश्वास था कि वे इस स्थिति से बाहर आ सकते हैं और उन्होंने ऐसा किया। एक कोच के रूप में, मुझे इस पर बहुत गर्व था। उन्होंने वह मैच जीता और फिर चैंपियनशिप भी जीती इसलिए मैंने किताब के लिए वह शीर्षक चुना।

बंगलादेश की ने टी20 विश्व कप टीम की घोषणा की, शाकिब सहित इन प्लेयर्स को मिली जगह

ढाका (एजेंसी)। बंगलादेश ने अगले महीने अमेरिका और वेस्टइंडीज की सह मेजबानी में होने वाले टी-20 विश्व कप 2024 के लिए 15 सदस्यीय टीम में चोटिल तस्कीन अहमद को बतौर उप कप्तान शामिल किया है। टीम की अगुवाई नजमुल हुसैन शान्तो करेंगे।

वर्ष 2007 के बाद टी20 विश्व कप के हर संस्करण में खेलने वाले शाकिब अल हसन को भी टीम में शामिल किया गया हैं। इस वर्ष सफेद गेंद क्रिकेट में खराब फॉर्म के बावजूद लिटन दास को भी टीम में जगह मिली है। तास्किन को 12 मई को जिम्बाब्वे के खिलाफ पांचवें टी-20 मुकाबले से पहले चोट लग गई थी जिसके कारण वह मैच नहीं खेल पाए थे। चार मैचों में आठ विकेट लेने के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। उनका अगले महीने शुरु होने वाले टूर्नामेंट से पहले फिट होने के लिए उपचार किया जा रहा है। बंगलादेश टूर्नामेंट का अपना पहला मुकाबला आठ जून को डलास में श्रीलंका के खिलाफ खेलेगा।

बंगलठद।छठ टचम - नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), तस्कीन अहमद (उपकप्तान), लिटन दास, सौम्या सरकार, तंजीद हसन, शाकिब अल हसन, तौहीद हृदोय, महमुदुल्लाह, जेकर अली, तनवीर इस्लाम, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शोरफुल इस्लाम और तंजीम हसन।

टी20 विश्व कप

हरमनप्रीत ने की भविष्यवाणी, भारत सहित ये टीमें पहुंचेंगी सेमीफाइनल में

ढाका (एजेंसी)। कप्तान हरमनप्रीत कौर को भरोसा है कि भारतीय महिला टीम इस साल के टी20 विश्व कप में सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली संभावित टीमों में से एक होगी। टी20 विश्व कप तीन से 20 अक्टूबर तक बांग्लादेश में होना है और हरमनप्रीत का मानना है कि परिस्थितियों से परिचित होने से भारतीय टीम को टूर्नामेंट जीतने में मदद मिलेगी। टूर्नामेंट के नौवें सत्र के लिए भारत को छह बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ ग्रुप ए में रखा गया है जबकि ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, 2016 का चैंपियन वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड शामिल हैं।

सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली टीमों के बारे में भविष्यवाणी करने के लिए कहे जाने पर हरमनप्रीत ने कहा, 'भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका क्योंकि ये सभी टीमें बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं और उम्मीद है कि ये चारों सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकती हैं। भारत ने हाल ही में सिलहट में टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में बांग्लादेश को 5-0 से हरा दिया था। हरमनप्रीत ने यहां कार्यक्रम की घोषणा के लिए आयोजित समारोह के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा, ''मुझे लगता है कि वह ऑस्ट्रेलिया होगा (जिसका मैं सामना करने के लिए उत्सुक हूं) क्योंकि वे बहुत प्रतिस्पर्धी हैं।

भारत ने हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई प्रभुत्व को चुनौती दी है लेकिन इस टीम का वैश्विक प्रतियोगिताओं में हरमनप्रीत की टीम पर दबदबा रहा है।

जिस टीम में कोच पर्दे के पीछे काम करते हैं, वे बेहतर करती हैं, रायुडू ने दिया गौतम गंभीर का उदाहरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू को इसमें कोई संदेह नहीं है कि जो आईपीएल टीमें अपने खिलाड़ियों को फैसले लेने के लिए सशक्त बनाती हैं, वे उन टीमों की तुलना में अधिक सफल होती हैं जो निर्णय लेने की जिम्मेदारी कोच के हाथों में छोड़ देती हैं। टीम के माहौल को स्वस्थ रखने के लिए क्या करना चाहिए, इस पर चर्चा में भारत और चेन्नई सुपरकिंग्स के पूर्व खिलाड़ी रायुडू ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मार्गदर्शक (मेंटर) गौतम गंभीर का उदाहरण दिया।

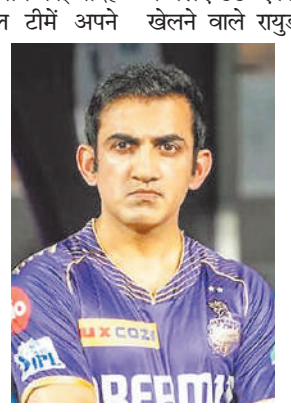

गंभीर जिस तरह से अपने खिलाड़ियों को प्रदर्शन करने की आजादी देते हैं वह रायुडू को पसंद है और उनके अनुसार यह इस सत्र में अब तक दो बार की चैंपियन टीम की सफलता की कुंजी रही है। भारत के लिए 55 एकदिवसीय और छह टी20 खेलने वाले रायुडू ने कहा, 'अगर कोच पीछे रहते हैं और पर्दे के पीछे काम करते हैं और खिलाड़ियों को जिम्मेदारी लेने देते हैं, खिलाड़ियों को मैदान पर प्रदर्शन करने की आजादी देते हैं, तो ऐसी टीमें ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करती हैं और नाइट राइडर्स यही कर रहे हैं।

गंभीर की कप्तानी में 2012 और 2014 में आईपीएल विजेता केकेआर इस सत्र में प्लेऑफ में प्रवेश करने वाली पहली टीम बन गई है और उसके अभी नौ जीत के साथ 19 अंक हैं। गंभीर इस सत्र में केकेआर के मेंटर के रूप में लौटे और उनकी उपस्थिति को लगभग एक दशक के बाद टीम के अच्छे प्रदर्शन का श्रेय दिया जा रहा है।

छह बार आईपीएल चैंपियन टीमों का हिस्सा रहे रायुडू ने कहा, 'गौतम गंभीर सिर्फ उनकी मदद कर रहे हैं और उनका सही दिशा में मार्गदर्शन कर रहे हैं... यदि आप इसे सरल रखते हैं, तो यह आसान है।% भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने टीम की जीत या हार के बावजूद ड्रेसिंग रूम में सकारात्मकता लाने के लिए केकेआर के पूर्व कोच ब्रेंडन मैकुलम की सराहना की। उन्होंने कहा, 'जब मैं केकेआर का हिस्सा था, ब्रेंडन वहां थे। शानदार कोच। मैंने अब तक जिन शीर्ष लोगों के साथ काम किया है उनमें से एक। वह उस ड्रेसिंग रूम में बहुत सकारात्मक थे। चाहे आप जीतें या हारें, वह वैसे ही बने रहे।

हरभजन ने कहा, 'उस सत्र की शुरुआत में हम लगभग छह-सात मैच हार गए और हम फाइनल के लिए क्वालीफाई कर गए। मैंने ब्रेंडन मैकुलम में एक भी बदलाव नहीं देखा, जब हम नहीं जीत रहे थे तब भी और जब हम जीत रहे थे तब भी।

रोहित शर्मा और हार्दिक के बीच पड़ी दरार...!

मुंबई (एजेंसी)। रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। इससे खराब और क्या होगा? कथित तौर पर यह अंतर पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। टी20 विश्व कप से पहले, कप्तान और उप-कप्तान के बीच खराब रिश्ते आईसीसी ट्रॉफी के लिए 11 साल के इंतजार को खत्म करने...।

नेशनल डेस्क- रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। इससे खराब और क्या होगा? कथित तौर पर यह अंतर पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। टी20 विश्व कप से पहले, कप्तान और उप-कप्तान के बीच खराब रिश्ते आईसीसी ट्रॉफी के लिए 11 साल के इंतजार को खत्म करने की भारतीय टीम के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं। मतभेद तब उभरे जब मुंबई इंडियंस ने एक आश्चर्यजनक कदम में, गुजरात टाइटन्स से हार्दिक को शामिल किया और पांच बार के आईपीएल विजेता और टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ नेताओं में से एक माने जाने वाले रोहित की जगह उन्हें अपना कप्तान घोषित किया। यह किसी वर्तमान भारतीय कप्तान द्वारा आईपीएल में किसी और के अधीन खेलने का पहला उदाहरण बन गया।

प्रशंसकों ने दुनिया को उनकी अस्वीकृति के बारे में बताने में कोई कसर नहीं छोड़ी। 17वें संस्करण के पहले भाग में जहां भी एमआई खेला गया, वहां हार्दिक की आलोचना की गई। यह शीर्ष भारतीय ऑलराउंडर के लिए घर वापसी नहीं थी। उनके स्वयं के प्रदर्शन और एमआई के डरावने प्रदर्शन ने मामले को और अधिक जटिल बना दिया। रोहित के नेतृत्व में लगातार तीन गैर-संतोषजनक सीज़न के बाद, पांच बार के चैंपियन की पुनरुद्धार की योजनाएँ धराशायी हो गईं क्योंकि वे टूर्नामेंट से बाहर होने वाली पहली टीम बन गईं।

इस सब के बीच, एमआई ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच के लिए कोलकाता की यात्रा की, एक टीम जो शानदार प्रदर्शन कर रही थी। डेविड बनाम गोलियथ प्रतियोगिता से अधिक, केकेआर बनाम एमआई प्री-मैच की बातचीत केकेआर के सहायक कोच अभिषेक नायर के साथ रोहित की बातचीत से सुर्खियों में रही। हालाँकि वायरल शार्ट क्लिप का ऑडियो स्पष्ट नहीं था, लेकिन कोई रोहित को घर और संस्कृति के निर्माण के बारे में कुछ बात करते हुए सुन सकता था जिसका हाल ही में पालन नहीं किया जा रहा था। प्रशंसकों को 'होम' को एमआई से जोड़ने में अधिक समय नहीं लगा। उसी अभ्यास सत्र के दौरान, एक और घटना घटी जिसने रोहित और हार्दिक के बीच मतभेद को उजागर किया, जो एमआई सेटअप के भीतर दो अलग-अलग शिविरों के अस्तित्व की ओर इशारा करता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक हार्दिक और रोहित ने इस आईपीएल के दौरान कम ही साथ में प्रैक्टिस की है। केकेआर के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर, जिसमें एमआई हार गया था, रोहित ने सबसे पहले नेट्स पर अभ्यास किया। जब भारतीय कप्तान अपना काम कर रहे थे तो हार्दिक का कोई संकेत नहीं था। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि रोहित अपनी बल्लेबाजी अभ्यास खत्म करने के बाद सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा के साथ किनारे पर बैठे थे, लेकिन जैसे ही हार्दिक नेट्स पर एक सत्र के लिए बाहर निकले, तीनों उठे और मैदान के दूसरी तरफ चले गए।

पंड्या को एमआई नेट्स पर आते देख उठ कर चले गए ये तीन खिलाड़ी

संक्षिप्त समाचार

हीरामंडीः द डायमंड बाज़ार की रानियों ने इस सीरीज़ में काम करने के अपने अनुभव के बारे में बताया

मुंबई, एजेंसी। सनी और बॉबी के शानदार प्रदर्शन वाले बेहतरीन एपीसोड के बाद द ग्रेट इंडियन कपिल शो में इस शनिवार को नज़र आएँगी हीरामंडी- द डायमंड बाज़ार की रानियाँ। हाल ही में लॉन्च हुई इस सीरीज़ ने सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि दुनिया भर के दर्शकों का दिल जीत लिया है और लॉन्च के पहले हफ़्ते में ही ये सबसे ज़्यादा देखी जाने वाली भारतीय सीरीज़ बन गई है। ज़बरदस्त भव्यता से लेकर शानदार पटकथा और कलाकारों के बेहतरीन प्रदर्शन तक, नेटफ्लिक्स पर संजय लीला भंसाली की पहली पेशकश को नज़रअंदाज करना मुश्किल है। मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, ऋचा चड्ढा, अदिति राव हैदरी, शर्मिन सहगल और संजीदा शेख ने परदे के पीछे के अपने कुछ किस्से साझा किये, जिसमें लेखक-निर्देशक संजय भंसाली के साथ काम करने और सीरीज़ के निर्माण की तैयारियों के साथ-साथ उनके व्यक्तिगत जीवन के किस्से भी शामिल हैं। अपने अनुभव साझा करते हुए इन महिलाओं ने सेट पर संजय लीला भंसाली द्वारा बेहद बारीकी और परफ़ेक्शन के साथ काम करने के बारे में बताया। सेट पर इस्तेमाल किए जाने वाले हर प्रॉप का एक कैरेक्टर और कहानी है।

कलर्स के साथ यह मेरा पहला प्रोजेक्टः येशा हरसोरा

मुंबई, एजेंसी। सभी लोग ध्यान दें! कलर्स खूबसूरत के आगमन का संकेत दे रहा है, जो एक दिल छू लेने वाली कहानी है। यह दर्शकों को मुंबई की भावना के कठिन ट्रैक के माध्यम से एक प्रेरणादायक यात्रा पर ले जाने का वादा करती है। चैनल सपनों की इस गाथा में दर्शकों का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जो उन्हें एक साधारण लड़की नव्या के प्रति आकर्षित करेगी, जिसका जीत का जज़्बा (जुनून) उस शहर की धड़कन की तरह अजेय है, जिससे वह जुड़ी है। एक चॉल में रहने वाली नव्या शहर की गगनचुंबी इमारतों जितनी ऊंची आकांक्षाओं के साथ खड़ी है। परिवार में वह एकमात्र सांवली है और इस कारण अपने पिता की अस्वीकृति के बावजूद वह कुछ बड़ा करना चाहती है। अपने आस-पास के लोगों द्वारा उसकी त्वचा के रंग को लेकर किए जाने वाले तानों से विचलित हुए बिना नव्या ने अपना घर चलाने के साथ-साथ अपनी आकांक्षाओं पर ब्रेक लगाने से इनकार किया है। चाहे वह मेज पर इंतजार कर रही हो, अपनी शहनाई के साथ बारातों का स्वागत कर रही हो या भोजन पहुंचा रही हो, कोई भी काम उसे अपनी धूप की ऊर्जा के साथ जीवन को आगे बढ़ाने से नहीं रोक सकती। सामाजिक मानदंडों की चुनौतियों के साथ, क्या उसका जज़्बा सफलता के मुकाम पर पहुंचेगा। नव्या की भूमिका निभाने पर येशा हरसोरा कहती हैं, खूबसूरत कलर्स के साथ यह मेरा पहला प्रोजेक्ट है। और मैं प्रार्थना करती हूं कि यह हमारे सहयोग के लिए एक अविश्वसनीय माहौल तैयार करे। इस शो में शामिल होना दर्शकों को अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करने का मेरा तरीका है, भले ही लोग उनकी क्षमता की उपेक्षा करें।

निकाह के कुछ मिनट बाद ही तलाक, किस डिमांड पर भड़के लड़की वाले

नईदिल्ली, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा के दादरी के जारचा कोतवाली क्षेत्र के कलौंदा गांव में रविवार को गाजियाबाद से आई बारात को ग्रामीणों ने बंधक बना लिया। बारात लेकर आए दूल्हे के परिजन निकाह में बुलेट बाइक की मांग करने लगे। इसके बाद माहौल बिगड़ गया। लोगों ने दूल्हे को समझने का प्रयास किया, मगर बात नहीं बन सकी । निकाह के बाद तलाक की रस्म पूरी कर ली गई। फिर पंचायत में निकाह में हुए खर्च की भरपाई दूल्हे पक्ष के लोगों द्वारा की गई। जिसके बाद बारात बगैर दुल्हन के विदा हो सकी। गाजियाबाद के डासना कलछीना गांव के रहने वाले सलीम के बेटे अबू बकर और उमर हयात की शादी कलौंदा गांव के रहने वाले इकबाल की दोनों बेटियों से हुई थी । रविवार को निकाह के लिए बारात कालौंदा गांव पहुंच गई। निकाह की रस्म पूरी की गई। मगर विदाई के दौरान दोनों दूल्हे बुलेट मोटरसाइकिल की मांग को लेकर अड़ गए। दुल्हे के परिजन भी दुल्हन को विदा करने पर सहमत नहीं हुए।

गुरुग्राम में छह सेक्टरों को जोड़ने वाले अंडरपास का 95 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा

नईदिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम में द्वारका एक्सप्रेसवे के आसपास बसे छह सेक्टरों को जोड़ने वाले सेक्टर-102-102ए अंडरपास का निर्माण कार्य जून में पूरा हो जाएगा। इस अंडरपास के शुरू होने से इन सेक्टरों में रहने वाले लोगों को काफी बड़ी राहत मिलेगी। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने मौजूदा समय में अंडरपास का 95 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा कर लिया है।

दावा किया जा रहा है कि 20 से 25 जून के आसपास ट्रायल करने के बद इस अंडरपास को यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। इसके बनने से मौजूदा समय में सेक्टर-102, 102ए, 103, 106, खेड़की माजरा, बसई और धनकोट गांव के निवासियों को सीधा फायदा होगा। यह एरिया सेक्टर नौ-नौए की मुख्य सड़क के माध्यम से हीरो होंडा चौक से जुड़ जाएगा। इसके दोनों तरफ सर्विस रोड का निर्माण किया जा रहा है।

राजनगर एक्सटेंशन में रहने वालों के लिए आई राहत वाली खबर, इस महीने पूरा हो जाएगा यह काम बता दें कि दो-दो लेन के इस

अंडरपास की लंबाई करीब 585 मीटर है। इसके निर्माण पर करीब 24 करोड़ रुपये की लागत आएगी। सेक्टर 102 स्थित इम्पीरियल गार्डन की आरडब्ल्यूए के पूर्व प्रधान सुनील सरीन ने बताया कि सेक्टर 102-102ए में ज्वाय विला, अडानी ओएस्टर, इम्पीरियल गार्डन, बीपीटीपी एमेस्टोरिया, एमआर गुड़गांव ग्रीन, सनसिटी, आरओएफ आलयास सोसाइटी के निवासियों को सीधा फायदा पहुंचेगा। इनमें करीब 10 हजार परिवार रह रहे हैं। आसपास लगते गांवों को भी इसकी वजह से लाभ मिलेगा। सेक्टर नौ-नौए के माध्यम से हीरो होंडा चौक तक यह एरिया जुड़ जाएगा। अडानी ओएस्टर आरडब्ल्यूए के प्रधान कर्नल हरि भगवान का कहना है कि इस अंडरपास के खुलने से उनकी सोसाइटी के निवासियों को हीरो होंडा चौक तक जाने में दिक्कत नहीं आएगी। मौजूदा समय में बसई चौक पर जाना पड़ता है, जहां पर यातायात जाम की समस्या रहती है।

एनएचएआई के एक अधिकारी ने बताया कि इस अंडरपास को जून माह तक तैयार कर दिया जाएगा। निर्माण कार्य में लगी एजेंसी को इस सिलसिले में दिशानिर्देश दे दिए गए हैं।

पीडब्ल्यूडी की तरफ से झज्जर के बाड़सा स्थित एम्स से लेकर सेक्टर -102-102ए तक सड़क का निर्माण करने की योजना बनाई जा रही है। इसके तहत नौ किलोमीटर लंबी रोड का निर्माण किया जाएगा। यह रोड तीन-तीन लेन की तैयार की जाएगी। योजना को अमल में लाने को लेकर झज्जर गांव के बाड़सा के अलावा गुड़गांव के इकबालपुर, माकडौला, बुढेड़ा, धनकोट और खेड़की माजरा की जमीन का अधिग्रहण किया जाना है। जमीन अधिग्रहण के अलावा इस सड़क के निर्माण में करीब 70 करोड़ की लागत आएगी। भविष्य में इस सड़क के माध्यम से झज्जर के एम्स तक जाना पुराने शहर के निवासियों के लिए आरामदायक हो जाएगा।

दिल्ली में एनकाउंटर, बदमाश को पुलिस ने मारी गोली; टिल्लू ताजपुरिया गैंग का है सदस्य

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने एक बदमाश को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस के साथ राजस्थान पुलिस ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस के अनुसार मुठभेड़ में बदमाश सागर के पैर में गोली लगी और उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। गोली लगने वाले बदमाश का संबंध टिल्लू ताजपुरिया गैंग से बताया जा रहा है।

इस मामले की जानकारी देते हुए अतिरिक्त महानिदेशक (अपराध) दिनेश एमएन ने बताया कि एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ), दिल्ली पुलिस एवं हनुमानगढ़ जिले की पुलिस टीम ने सोमवार को संयुक्त कार्रवाई में बदमाश सागर उर्फ शंकर (20) को मुठभेड़ के बाद दबोच लिया। दोनों तरफ से हुई फायरिंग में लाठ गांव (सोनीपत-हरियाणा) के निवासी सागर के पैर में गोली लगने से उसे हनुमानगढ़ अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सागर दिल्ली के अलीपुर में 22 अप्रैल को नरेंद्र मलिक हत्याकांड में शामिल बताया जा रहा है। एमएन ने बताया कि रविवार को दिल्ली पुलिस की अपराधा शाखा को सागर उर्फ शंकर के संगरिया और टिब्बी थाना क्षेत्र में छिपे होने की सूचना मिली थी। यह बदमाश टिल्लू ताजपुरिया, नीरज बवानिया व अमित दबंग गिरोह का सक्रिय सदस्य है। आज दिल्ली और राजस्थान पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के बाद आरोपी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव को सुनाई राहत भरी खबर, आईएमए चीफ को लगाई फटकार

नईदिल्ली, एजेंसी। पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन मामले में सर्वोच्च न्यायालय में आज सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान योग गुरु रामदेव उनके सहयोगी बालकृष्ण कोर्ट में मौजूद थे। कोर्ट ने आदेश की अवमानना के एक मामले में न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने फैसले को सुरक्षित रख लिया है। अब बाबा रामदेव और बालकृष्ण को अदालत में पेश नहीं होना होगा। कोर्ट ने आगे की पेशी के लिए उन्हें छूट दे दी है। वहीं, कोर्ट ने आईएमए यानी इंडियन मेडिकल एसोसिएशन को भी फटकार लगाई। आईएमए चीफ आर वी अशोकन की तरफ से दिए गए इंटरव्यू पर सर्वोच्च न्यायालय ने नाराजगी जताई है। कोर्ट की नाराजगी पर आईएमए अध्यक्ष आर वी अशोकन ने शीर्ष अदालत से बिना शर्त माफी मांगी है। दरअसल, पतंजलि की ओर से कोर्ट में पेश हुए वकील मुकुल रोहतगी ने कहा था कि आईएमए चीफ आर वी अशोकन ने सुप्रीम कोर्ट की आलोचना की है।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के अध्यक्ष आर वी अशोकन ने हाल ही में पीटीआई को दिए एक साक्षात्कार में शीर्ष अदालत के खिलाफ दिए गए अपने बयानों के लिए पीठ से बिना शर्त माफी मांगी, जहां उन्होंने पतंजलि आयुर्वेद के भ्रामक विज्ञापन मामले के बारे में सवालों के जवाब दिए।

न्यायमूर्ति कोहली ने अशोकन से कहा, आप सोफे पर बैठकर प्रेस को साक्षात्कार नहीं दे सकते और अदालत की खिल्ली नहीं उड़ा सकते।

उत्तराखंड राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरण (एसएलए) ने पहले शीर्ष अदालत को बताया था कि पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड और दिव्य फार्मेसी के 14 उत्पादों के विनिर्माण लाइसेंस को तत्काल प्रभाव से निलंबित

कर दिया गया है।शीर्ष अदालत 2022 में आईएमए द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें पतंजलि द्वारा कोविड टीकाकरण अभियान और चिकित्सा की आधुनिक प्रणालियों के खिलाफ बदनामी का अभियान चलाने का आरोप लगाया गया है।

भीमा कोरेगांव-एल्गार परिषद मामले में गौतम नवलखा को मिली बड़ी राहत, सुप्रीम कोर्ट ने दी जमानतः एल्गार परिषद-माओवादी से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आज कार्यकर्ता गौतम नवलखा को जमानत दे दी है। वहीं, सर्वोच्च न्यायालय ने बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर लगाई गई रोक को बढ़ाने से इनकार कर दिया। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने कार्यकर्ता गौतम नवलखा को नजरबंदी में सुरक्षा के खर्च के लिए 20 लाख रुपये देने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि नवलखा चार साल से अधिक समय से जेल में हैं और मामले में अभी तक आरोप तय नहीं किये गये हैं। बॉम्बे हाई कोर्ट ने पिछले साल 19 दिसंबर को नवलखा को जमानत दे दी थी, लेकिन एनआईए द्वारा शीर्ष अदालत में अपील दायर करने के लिए समय मांगने के बाद अपने आदेश पर तीन सप्ताह के लिए रोक लगा दी थी।

फ्लाइट से गहने उड़ाने वाला ज्वेल थीफ गिरफ्तार; मदद के बहाने बनाता था शिकार

नईदिल्ली, एजेंसी। रेलगाड़ियों में चोरी करते हुए कई बार गिरफ्तार हो चुके शख्स ने विमान में वारदात करने का मन बनाया और महज 110 दिनों के भीतर उसने 200 विमान यात्राएं की। देश में हजारों किलोमीटर की यात्राओं के दौरान उसने कई महिलाओं के बैग से आभूषण चोरी किए। यह वारदात अमृतसर, बेंगलुरु, हैदराबाद और चंडीगढ़ जाने वाले विमानों में उसने अंजाम दिया। वह विशेष तौर पर एयर इंडिया और विस्तारा के विमान में चोरी करता था। पुलिस ने आरोपी राजेश कपूर और चोरी के गहने खरीदने वाले शरद जैन को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 25 लाख रुपये से ज्यादा के गहने बरामद हुए हैं। डीसीपी उषा रंगनानी ने बताया कि हैदराबाद से उनके पास जीरो एफआईआर आई थी। इसमें बताया गया कि सुधारनी पाथूरी नामक महिला बीते 11 अप्रैल को हैदराबाद से आईजीआई एयरपोर्ट गई थीं। यहां से उन्हें अमेरिका जाना था। रास्ते में किसी ने उनके बैग से 7 लाख रुपये के गहने चोरी कर लिए। दूसरे मामले में वरिन्द्रजीत सिंह ने बताया कि बीते 22 फरवरी को वह अमृतसर से आईजीआई एयरपोर्ट आए थे। यहां से उन्हें फ्रैंकफर्ट जाना था। रास्ते में किसी ने उनके बैग से 20 लाख रुपये के गहने चोरी कर लिए। इसके बाद पुलिस टीम ने उन विमानों से सफर करने वाले यात्रियों की सूची को खंगाली थी। आरोपी राजेश को पकड़ने के लिए पुलिस ने एयरपोर्ट्स की कई घंटों की फुटेज खंगाली।

आरोपी दिल्ली एयरपोर्ट से आने-जाने के दौरान ऐसे शख्स को चिह्नित करता था, जिसके बैग में गहने हो सकते हैं। खासतौर से बुजुर्ग महिलाएं जो अपने बैग को लेकर ज्यादा सतर्क नजर आती थीं।

दिल्ली पुलिस एसएचओ की कार से घूमने निकले कॉन्स्टेबल ने राहगीर को कुचला, दोस्तों संग कर रहा था पार्टी

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली कि सरोजिनी नगर इलाके में सोमवार तड़के 3 बजे राजेन्द्र नगर थाना एसएचओ की तेज रफ्तार सरकारी कार ने एक शख्स को कुचल दिया। गाड़ी की रफ्तार इतनी तेज थी कि अधेड़ को टक्कर मारने के बाद उसने कई खंभों में भी टक्कर मारी थी। हादसे की सूचना मिलने के बाद सरोजिनी नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने 58 वर्षीय बैजनाथ उर्फ राजेश गुप्ता का शव पोस्टमॉर्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने गाड़ी जब्त कर उसे चला रहे आरोपी कॉन्स्टेबल प्रदीप कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। कॉन्स्टेबल प्रदीप कुमार राजेन्द्र नगर थाने में ही तैनात है। डीसीपी रोहित मीणा ने बताया कि बैजनाथ अपने परिवार के साथ त्रिलोकपुरी में रहता था। डीसीप ने बताया कि तड़के 3.17 बजे सरोजिनी नगर पुलिस को भीकाजी कामा प्लेस मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-02 के पास हादसा होने की सूचना मिली थी। वहां क्षतिग्रस्त गाड़ी के पास ही एक व्यक्ति अचेत अवस्था में पड़ा था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सरकारी गाड़ी की रफ्तार काफी तेज थी। गाड़ी ने पहले मेट्रो की ग्रिल तोड़ी, उसके बाद बिजली के खंभे में टकराई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सरकारी गाड़ी को कॉन्स्टेबल प्रदीप चला रहा था और उसके साथ उसके कॉलेज के दो दोस्त मयंत व रॉबिन भी थे। गाड़ी में एसएचओ नहीं थे। पुलिस की जांच में सामने आया कि कॉन्स्टेबल ने गाड़ी चलाते समय शराब का सेवन किया हुआ था। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि वह सरोजिनी नगर में दिल्ली पुलिस की गाड़ी लेकर कहां और क्यों जा रहा था। घटना के समय आरोपी ड्यूटी पर नहीं था। कॉन्स्टेबल प्रदीप कुमार के साथ उसके दो दोस्त भी थे। उसके दोस्त हरियाणा के महेंद्रगढ़ निवासी रोबिन व महेश राजेंद्र नगर थाने में रविवार रात को प्रदीप से मिलने पहुंचे थे। तीनों पुराने दोस्त हैं। वह एसएचओ की गाड़ी में ही पार्टी करते हुए हौज खास जा रहे थे। प्रदीप वर्ष 2019 में दिल्ली पुलिस में भर्ती हुआ था। कॉन्स्टेबल प्रदीप कुमार एसएचओ को बिना बताए थाने से उनकी सरकारी गाड़ी लेकर चला गया था। हादसे के बाद एसएचओ को गाड़ी के बारे में पता चला।

अगर युद्ध नहीं रुका तो... भारत ने इजरायल और हमास की ली क्लास

वॉशिंगटन , एजेंसी। पिछले साल 7 अक्टूबर को इजरायल हमास के बीच जंग की शुरुआत हुई थी। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, युद्ध में 30 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। वहीं, 70,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

वहीं 10,000 हमास लड़ाके मारे गए हैं। इस युद्ध ने हजारों बेगुनाहों की जिंदगी छीन ली। दोनों तरफ युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा, जिससे पूरी दुनिया चिंतित है। भारत भी लगातार इस युद्ध को लेकर चिंता जता रहा है। युद्ध की वजह से मानवीय संकट पैदा हो चुका है, जिसे लेकर भारत ने संयुक्त राष्ट्र में चिंता जताई है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने फिलिस्तीन पर 10वें यूएनजीए आपातकालीन विशेष सत्र को संबोधित करते हुए युद्ध पर भारत की राय रखी। युद्ध की वजह से बड़े पैमाने पर महिलाओं और बच्चों ने अपनी जान गंवाई है। हर देश को सभी परिस्थितियों में

अंतरराष्ट्रीय कानून और अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून का सम्मान करना चाहिए।

कंबोज ने आगे कहा कि युद्ध और भी भयानक रूप ले सकता है। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव संख्या 2728 को स्वीकार करना एक सकारात्मक पहल हो सकती है। रुचिरा कंबोज ने आगे कहा कि भारत की मांग है कि सभी बंधकों की बिना किसी शर्त के रिहाई दी जाए। इस युद्ध में आम लोगों की जिंदगी बर्बाद हो रही है। गाजा में मानवीय स्थिति गंभीर है। स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए गाजा के लोगों को मानवीय सहायता तुरंत बढ़ानी चाहिए।

गुप्त धन भुगतान मामले में पूर्व राष्ट्रपति की बढ़ीं मुश्किलें, पूर्व वकील ने ट्रंप के खिलाफ दी गवाही

वॉशिंगटन, एजेंसी। एडल्ट स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को गुप्त भुगतान करने के मामले में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। दरअसल ट्रंप के पूर्व वकील माइकल कोहेन की सोमवार को गुप्त धन भुगतान मामले में गवाही हुई और इस गवाही में कोहेन ने माना कि ट्रंप ने उन्हें स्टॉर्मी डेनियल्स को पैसों का भुगतान करने का निर्देश दिया था। हालांकि ट्रंप इन आरोपों से इनकार कर चुके हैं।

एडल्ट स्टार को गुप्त रूप से पैसों का भुगतान करने का है आरोप

डोनाल्ड ट्रंप पर आरोप हैं कि उन्होंने साल 2016 में राष्ट्रपति चुनाव से पहले एडल्ट स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को गुप्त रूप से धन का भुगतान किया था। ट्रंप की तरफ से यह भुगतान स्टॉर्मी डेनियल्स से कथित तौर पर अपने निजी संबंधों को छिपाने और एडल्ट स्टार को चुप रहने के बदले दिया गया था। इस भुगतान के

लिए ट्रंप पर अपने बिजनेस रिकॉर्ड में भी धांधली करने के आरोप हैं। अभियोजक ने आरोप लगाया कि ट्रंप के कहने पर माइकल कोहेन ने ही स्टॉर्मी डेनियल्स को 1,30,000 डॉलर का भुगतान किया था। कोहेन ने अपनी गवाही में कहा कि उसे जो कहा गया, उन्होंने वही किया।

कोहेन ने अपनी गवाही में ज्यूरी को बताया कि ट्रंप, डेनियल्स को लेकर काफी नाराज थे। उन्होंने (ट्रंप) मुझे बताया कि इससे चुनाव प्रचार में भारी गड़बड़ी हो जाएगी और महिलाएं मुझसे नफरत करेंगी। कोहेन ने ये भी बताया कि ट्रंप चाहते थे कि स्टॉर्मी डेनियल्स के वकील को पैसों का भुगतान चुनाव के बाद किया जाए, लेकिन जब अक्तूबर 2016 में स्टॉर्मी डेनियल्स की स्टोरी सार्वजनिक होने वाली थी, तो ट्रंप ने उन्हें पैसों को भुगतान को कहा। कोहेन का कहना है कि डेनियल्स को पैसों का भुगतान उसने अपनी तरफ से किया था और ट्रंप ने उन्हें बाद में पैसे देने की बात कही थी।

सुनवाई के दौरान डोनाल्ड ट्रंप और उनके वकील ने कोहेन के आरोपों को नकारा और कहा कि कोहेन की विश्वसनीयता सवालों के घेरे में है क्योंकि वह पहले भी झूठे बयान दे चुके हैं। कोहेन को यूएस कांग्रेस को झूठ बताने के मामले में दोषी पाया जा चुका है और उन्हें तीन साल जेल की सजा सुनाई गई है।

भारतीय छात्रों को बड़ा झटका देने की तैयारी में सुनक सरकार, वीजा रूट पर बनाई नई योजना

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन सरकार भारतीय छात्रों को बड़ा झटका देने की तैयारी कर रही है। माडिया रिपोर्ट के अनुसार ऋषि सुनक सरकार की माइग्रेशन एडवाइजरी कमिटी ने ग्रेजुएट वीजा रूट को लेकर ऐसी रिपोर्ट बनाई है जो ब्रिटेन में बसे 25 लाख भारतीय वोटरों को नाराज कर सकती है। ग्रेजुएट वीजा रूट बंद करने को लेकर तैयार की गई यह रिपोर्ट आज सुनक कैबिनेट में पेश की जाएगी।

रिपोर्ट के अनुसार अगर इस योजना के प्रावधान लागू होते हैं तो हर साल करीब 91 हजार भारतीय छात्रों को ग्रेजुएशन रूट से वीजा एंट्री नहीं मिल पाएगी। अभी हर साल करीब 1 लाख 30 हजार भारतीय छात्रों को इसके जरिए एंट्री मिलती है। कटौती के बाद केवल 39 हजार छात्रों को ही एंट्री मिल पाएगी। बता दें कि 2021 में शुरू हुए ग्रेजुएशन वीजा रूट से भारतीय और अन्य अंतरराष्ट्रीय छात्रों को मास्टर्स पढ़ाई पूरे होने के दो साल तक ब्रिटेन में रहने और जॉब करने की अनुमति मिलती है। ब्रिटेन के गृहमंत्री जेम्स क्लैवरली का कहना है कि देखने में आया है कि इस वीजा का इस्तेमाल छात्र इमिग्रेशन पाने के लिए करते हैं।तीन साल पहले 6 लाख छात्रों को यहां एंट्री मिली थी।

यही नहीं सरकार की इस प्लानिंग से चुनावी साल में भारी असर पड़ेगा। विपक्ष की लेबर पार्टी के अध्यक्ष कीथ स्ट्रेमर का कहना है कि सरकार के इस फैसले से ब्रिटेन में रहने वाले 25 लाख भारतीय वोटर नाराज हो जाएंगे। छात्रों को ग्रेजुएशन वीजा मिलने से उनका इमिग्रेशन का दावा मजबूत होता है, क्योंकि पढ़ाई के दो साल तक स्टे की छूट मिलने से इन छात्रों को स्किल्ड वर्कर की कैटिगरी मिल जाती है। भारतीय छात्रों में से लगभग 80 प्रतिशत यहां मेडिकल, इंजीनियरिंग अथवा लॉ की पढ़ाई के लिए आते हैंऔर पढ़ाई के बाद इन्हें एक्सटेंडेड स्टे के

दौरान स्किल्ड वर्कर की सैलरी मिलती है। पूर्व शिक्षा मंत्री निक्की मोर्गन ने सुनक सरकार की इस प्लानिंग पर कहा कि इसके लागू होने से हर साल फीस के 2 लाख करोड़ रुपए मिलने बंद होंगे और इसका असर देश की इकोनॉमी पर पड़ेगा। सेंट एंड्रूज यूनिवर्सिटी की चांसलर सैली मैपस्टोन का कहना है कि भारतीय छात्र मेडिकल इंजीनियरिंग की जॉब में अपना योगदान देते हैं। 2021 में ब्रिटेन जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या 87045 थी, जो 2022 में बढ़कर 139700 हो गई।

पाबंदियां लगा देंगे..., भारत और ईरान के बीच चाबहार समझौते पर तिलमिलाया अमेरिका

वॉशिंगटन , एजेंसी। भारत ने ईरान के चाबहार बंदरगाह को संचालित करने के लिए 10 साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने से अमेरिका आग-बबूला हो उठा है। यूएस ने कहा है कि ईरान के साथ व्यापार समझौता करने वाले हैं देशों पर सैंक्शन (प्रतिबंध) लगाए जा सकते हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता वेदांत पटेल ने भारत-ईरान डील को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कोई भी देश जो ईरान के साथ व्यापार सौदे को अंजाम दे रहा है, उन्हें संभावित सेंक्शन (प्रतिबंध) के लिए तैयार रहना चाहिए। हालांकि, अमेरिकी विदेश विभाग के प्रधान उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने यह भी कहा कि भारत सरकार को विदेश नीति पर अपनी बात रखने का पूरा हक है। वेदांत पटेल ने आगे कहा कि भारत और ईरान के बीच हुए चाबहार बंदरगाह को लेकर समझौते से अमेरिका अवगत है, हालांकि, भारत को अपनी विदेश नीति के फैसलों पर अपनी बात रखने का पूरा हक है। उन्होंने आगे कहा, ÷मैं बस यही कहूंगा कि ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंध लागू रहेंगे और हम उन्हें लागू करना जारी रखेंगे।÷

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129